हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

गुस्से में देश...

रायपुर के कारोबारी दिनेश की पत्नी और बेटे को शाह ने दिया दिलासा, कहा- आतंकियों को नहीं बख्शेंगे, झुकेगा नहीं भारत

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश आतंकवाद के आगे घुटने नहीं टेकेगा और जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों की हत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। गृह मंत्री ने हमले मारे गए लोगों के परिवारों और जीवित बचे अन्य लोगों से बातचीत की। आतंकवादी हमले में मारे गए लोगों के पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित ⏩शेष पेज 6 पर

हिट लिस्ट में पांच आतंकी

तीन के स्केच जारी, ऐसे दिखते हैं आतंकी

दो स्थानीय, तीन पाक आतंकी

शुरुआती जांच में पता चला है कि हमले में 5 आतंकी शामिल थे। इनमें से दो लोकल और 3 पाकिस्तानी आतंकी थे। पुलिस ने पूछताछ के लिए सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया है। सुरक्षा और इंटेलिजेंस एजेंसियों ने पहलगाम अटैक के संदिग्ध आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। इनके नाम आसिफ फौजी, सुलेमान शाह और अबु तल्हा बताए गए हैं।

पहलगाम हमलाः हमले का मास्टर माइंड लश्कर-ए तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह खालिद

हैवी ड्यूटी बॉयो डाईजेस्टर अन्डरग्राउण्ड सेप्टिक टैंक

GUJRAAJ

9479088739

बड़ा एक्शन...भारत में पाक दूतावास और अटारी बॉर्डर बंद, सिंधु जल समझौता रोका

कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद देशभर में गुस्सा है। बुधवार को भारत सरकार ने सख्त कदम उठाएं हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट मीटिंग में कड़े फैसले लिए गए। भारत ने सिंधु जल समझौता रोक दिया है, वहीं पाकिस्तान दूतावास और अटारी बॉर्डर को बंद करने का निर्णय लिया है। इस बीच, केंद्र सरकार ने गुरुवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को स्थिति का जायजा लेने और सरकार की रणनीति पर विचार-विमर्श करने के लिए सुरक्षा संबंधी कैबिनेट समिति की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में प्रधानमंत्री के अलावा गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल और वरिष्ठ नौकरशाह मौजूद थे। शाह ने प्रधानमंत्री को हमले के बारे में जानकारी दी तथा इस घटना के बाद उठाए गए कदमों पर चर्चा की।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी सीसीएस का हिस्सा हैं लेकिन वह बैठक में शामिल नहीं हो सकीं, क्योंकि वह देश में नहीं है। बैठक में कैबिनेट सचिव टी वी सोमनाथन, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह, विदेश सचिव विक्रम मिस्री के अलावा प्रधानमंत्री के दो प्रधान सचिव पी के मिश्रा और शक्तिकांत दास भी उपस्थित थे। प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को सऊदी अरब से सुबह-सुबह वापस आ गए। प्रधानमंत्री ने अपने आगमन के तुरंत बाद हवाई अड्डे पर एक बैठक की, जिसमें उन्होंने जयशंकर और डोभाल के साथ जम्मू-कश्मीर आतंकी हमले पर चर्चा की। विदेश सचिव विक्रम मिस्री भी बैठक में मौजूद थे। इससे पहले, शाह ने पहलगाम के बैसरन का दौरा किया, जहां आतंकवादियों ने हमला किया था। साथ ही उन्होंने उस अस्पताल का भी दौरा किया जहां कुछ घायलों को भर्ती कराया गया।

खास बातें

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सुरक्षा मामलों की कैबिनेट मीटिंग
- केंद्र सरकार ने गुरुवार को बुलाई सर्वदलीय बैठक
- मृतकों में छत्तीसगढ़, यूपी, गुजरात, मप्र, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, ओडिशा के पर्यटक
- नेपाल और यूएई के एक-एक पर्यटक और दो स्थानीय भी मारे गए
- जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा बलों ने पूछताछ के लिए सैकड़ों हिरासत में

छह दिन में सुहाग उजड़ा... नेवी अफसर की पत्नी अंतिम विदाई पर बिलखती रहीं

भारतीय नौसेना के अधिकारी विनय नरवाल की पत्नी हिमांशी ने तिरंगे में लिपटे अपने पति के ताबूत को गले लगाकर अंतिम विदाई दी। अंतिम विदाई समारोह में उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति की आंखों में आंसू थे। विनय और हिमांशी का विवाह 16 अप्रैल को हुआ था और दोनों जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 'हनीमून' के लिए गये थे। हिमांशी ने कहा, भगवान उनकी (विनय नरवाल) आत्मा को शांति दे। हमें उन पर हर तरह से गर्व होना चाहिए। और हम उन्हें हर तरह से गौरवान्वित करेंगे। हिमांशी ने आईजीआई पर अपने पति नरवाल को सलाम करते हुए कहा, 'जय हिंद।

रायपुर पहुंचा कारोबारी का शव

राजधानी रायपुर के स्टील कारोबारी दिनेश मिरानिया का शव दिल्ली से फ्लाइट के जरिए रायपुर लाया गया। एयरपोर्ट से घर पहुंचने पर डिप्टी सीएम अरुण साव, मंत्री ओपी चौधरी, टंकराम वर्मा समेत कई नेताओं ने श्रद्धांजलि दी। समता कॉलोनी स्थित उनके घर के अंदर और बाहर लोगों की भीड़ जुटी रही।

आपदा में अवसर ...

श्रीनगर से फ्लाइट का किराया तीन गुना तक बढ़ाया

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद एयरलाइंस ने किराया तीन गुना तक बढ़ा दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर यूजर्स इसकी शिकायत कर रहे हैं। वहीं इस मामले में भी सरकार हरकत में आ गई है । उसके बाद किराए मे कटौती की गई।

सीएम साय मुंबई दौरा बीच में ही रद्द कर लौटेंगे रायपुर

रायपुर। पहलगाम आतंकी हमले के बाद दो दिवसीय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय गुरुवार की सुबह लौटेंगे। मुख्यमंत्री गुरुवार को मुंबई में इंडिया स्टील-2025 के समारोह में हिस्सा लेने गए थे। मुख्यमंत्री वहां से गुरुवार देर रात लौटने वाले थे। अब वे सुबह 5.30 बजे इंडिगो की फ्लाइट से रवाना होकर सुबह 8.20 बजे रायपुर पहुंचेंगे। बताया जाता है कि लौटने के बाद आतंकी हमले में मारे गए समता कॉलोनी निवासी दिनेश मिरानिया के श्रद्धांजलि कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। मुख्यमंत्री मुंबई रवाना होने से पहले मृतक दिनेश की पत्नी नेहा से फोन पर बात कर ढांढस बंधाया था।

भारत के ये पांच फैसले, पाक पर ऐसा होगा असर

- पाकिस्तान को राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक मोर्चे पर चोट
- कश्मीर से लौटने वाले पर्यटकों के लिए विशेष ट्रेन और विमान सेवा

सिंधु जल समझौते पर रोक

1 अब बूंद-बूंद पानी को तरसेगा पाकिस्तान

साल 1960 में हुए सिंधु जल समझौता को तत्काल प्रभाव से स्थगित रखने का निर्णय लिया गया है। पाकिस्तान के लिए लाइफ लाइन कही जाने वाली सिंधु और सहायक नदियों के पानी पर हिंदुस्तान का नियंत्रण होते ही वहां के लोग पानी के लिए तरस जाएंगे। सिंधु और सहायक नदियां चार देशों से गुजरती हैं। इतना ही नहीं 21 करोड़ से ज्यादा जनसंख्या की जल जरूरतों की पूर्ति इन्हीं नदियों पर निर्भर करती है। भारत के उपयोग के बाद बचा हुआ पानी पाकिस्तान चला जाता है, जबकि पश्चिमी नदियां जैसे सिंधु, झेलम और चिनाब का लगभग 135 मिलियन एकड़ फीट वार्षिक जल पाकिस्तान को आवंटित किया गया है।

2 इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट अटारी बंद होगा

इंटीग्रेटेड चेक पोस्ट अटारी को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है। वैध अनुमति के साथ जो लोग इस रास्ते से भारत आए हैं। वे 1 मई से पहले इसी रास्ते से वापस जा सकते हैं। अबतक भारत से जो छोटे-छोटे सामानों की आवाजाही भारत से होती थी वह भी पूरी तरह से बंद हो जाएगी।

3 पाक नागरिकों के लिए वीजा पाबंदी

भारत में रह रहे सभी पाकिस्तानियों का वीजा रद्द कर दिया है। पाकिस्तानी नागरिकों को अब एसएएआरसी वीजा छूट योजना के तहत भारत यात्रा की इजाजत नहीं दी जाएगी। पहले जारी सभी एसवीईएस वीजा निरस्त माने जाएंगे। किसी भी पाकिस्तानी नागरिक को 48 घंटों के भीतर भारत छोड़ना होगा।

4 रक्षा सलाहकारों को देश छोड़ने का आदेश

नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में रक्षा-सेना, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को पर्सोना नॉन ग्राटा घोषित किया गया है। उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक हफ्ते का वक्त दिया गया है। भारत इस्लामाबाद स्थित अपने उच्चायोग से भी रक्षा/नौसेना/वायुसेना सलाहकारों को वापस बुलाएगा।

5 उच्चायोग कर्मचारियों में कटौती का फैसला

दोनों उच्चायोगों में कर्मचारियों की संख्या 55 से घटाकर 30 करने का फैसला लिया गया है। ये फैसला 1 मई तक लागू किया जाएगा। पाकिस्तानी रक्षा सलाहकारों को निष्कासित करना और भारत के रक्षा सलाहकारों को वापस बुलाना दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक संबंधों को न्यूनतम स्तर पर ला देगा।

INDIAN PREMIER LEAGUE स्कोर बोर्ड

हैदराबाद 143/8 VS मुंबई 146/3

7 विकेट से जीता मुंबई

4 विकेट : ट्रेंड बोल्ट

प्लेयर ऑफ द मैच

आज का मैच

बेंगलुरु VS राजस्थान

समय : शाम 7.30 बजे

आतंकी तहव्वुर की याचिका पर एनआईए का विरोध

नई दिल्ली। मुंबई आतंकी हमलों का मास्टरमाइंड तहव्वुर राणा ने परिवार से बात करने के लिए एनआईए की स्पेशल कोर्ट में याचिका दाखिल की। बुधवार को इस याचिका पर सुनवाई हुई। इस दौरान जांच एजेंसी एनआईए ने याचिका का विरोध किया।

मां की हत्या देख रोए थे मासूम, अदालत से मिला इंसाफ

मासूमों की गवाही से मिला न्याय, पिता को उम्रकैद

हरिभूमि न्यूज ⏩ जशपुरनगर

कुनकुरी के तुमला गांव में वर्ष 2023 में हुई एक दर्दनाक पारिवारिक हत्या के मामले में आखिरकार दो साल बाद न्यायालय ने कड़ा और ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। आरोपी पूरन मुण्डा को अपनी पत्नी अनिता मुण्डा की नृशंस हत्या के आरोप में आजीवन सश्रम कारावास की सजा दी गई है। यह फैसला द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश बलराम कुमार देवांगन की अदालत ने सोमवार को सुनाया। फैसले में अदालत ने कहा मामूली घरेलू विवाद के चलते एक निर्दोष महिला की हत्या न केवल घोर ⏩शेष पेज 6 पर

घर में ही मची थी हैवानियत

घटना 3 अप्रैल 2023 की है, जब तुमला फोकटपारा निवासी पूरन मुण्डा (40 वर्ष) ने शाम करीब 5:30 बजे घरेलू विवाद के दौरान अपनी पत्नी पर लोहे की टांगी से हमला कर दिया था। यह हमला इतना बेरहम था कि पत्नी अनिता की मौके पर ही मौत हो गई। इस वीभत्स घटना के चश्मदीद उनके दो मासूम बच्चे सलीमा मुण्डा और समीर मुण्डा रहे, जिन्होंने बाद में पुलिस और अदालत में गवाही देकर अपराधी पिता को सजा दिलवाने में अहम भूमिका निभाई।

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अजीबोगरीब मामला

जिस महिला की हत्या का आरोप, वह जिंदा मिली सात साल बाद जमानत

एजेंसी ⏩ नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने एक अजीबोगरीब मामले में एक व्यक्ति को जमानत दे दी जिसने हत्या के आरोप में लगभग 7 साल जेल में बिताए, जबकि मृतक की पहचान एक रहस्य बनी हुई है। इस व्यक्ति को जिस महिला की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, वह कुछ वक्त बाद ही जिंदा मिल गई। जबकि जिसकी लाश बरामद हुई थी, उसकी अबतक पहचान नहीं हो सकी है। जस्टिस गिरीश कठपालिया ने 21 अप्रैल को शख्स को जमानत देते हुए कहा, इस मामले की जांच से इस अदालत की अंतरात्मा को झटका लगा है। अभी तक मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। जहां तक 'अंतिम बार देखे जाने' की परिकल्पना का सवाल है, शख्स को अंतिम बार सोनी उर्फ छोटी के साथ देखा गया था, जो जीवित पाई गई है।

आखिरकार शख्स को मिला न्याय

सरकारी वकील ने जमानत याचिका का विरोध किया और कहा कि 'अंतिम बार देखे जाने' के साक्ष्य आरोपी को हत्या से जोड़ते हैं। इसके विपरीत, व्यक्ति के वकील ने कहा कि उसकी उपस्थिति मोबाइल फोन टावरों से ली गई थी, जो एक बड़े क्षेत्र को कवर करते हैं और यह नहीं कहा जा सकता कि वह हत्या के समय सटीक अपराध स्थल पर मौजूद था। अदालत ने कहा कि केवल इसलिए आरोपी को स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जा सकता कि मृतक की पहचान सुनिश्चित नहीं हो पाई है। इसने कहा, अतः, आवेदन स्वीकार किया जाता है और निर्देश दिया जाता है कि आरोपी-आवेदक को तत्काल जमानत पर रिहा किया जाए, बशर्ते वह 10,000 रुपये का निजी मुचलके और इतनी ही राशि की जमानत राशि प्रस्तुत करे।

क्या है पूरा मामला?

यह घटना 2018 में हुई थी और मृतक की पहचान सोनी उर्फ छोटी के रूप में हुई थी। 17 मई, 2018 को आरोपी की गिरफ्तारी के बाद सोनी को जीवित पाया गया था और मृत व्यक्ति की पहचान आज तक नहीं हो पाई है। हत्या के मामले में आरोपी मंजीत करकेट्टा ने इस आधार पर जमानत मांगी कि हालांकि वह 2018 से जेल में बंद है, लेकिन किसी को नहीं पता कि किसकी हत्या हुई। जज ने कहा, यह बेहद दुखद है कि एक इंसान ने वर्ष 2018 में इतने वीभत्स तरीके से जान गंवा दी और उसके शरीर को टुकड़ों में काट दिया गया, लेकिन आज तक मृतक की पहचान भी नहीं हो पाई है।

हमर-प्रदेश

बिलासपुर, गुरुवार, 24 अप्रैल 2025 haribhoomi.com

हरिभूमि

कश्मीर के पहलगाम में 23 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में निर्दोष पर्यटकों के मारे जाने वाली घटना का आक्रोश पूरे देश के साथ प्रदेश में भी दिखाई दिया। बिलासपुर में नागरिकों और युवाओं ने इसके विरोध में आतंकवादी संगठन टीआरएफ जिसने इस घटना की जिम्मेदारी ली है और आतंकवादी संगठनों को पूरी मदद पहुंचाने वाले पाकिस्तान का झंडा जलाया। इधर भिलाई, धमतरी, राजनांदगांव सहित अन्य जगहों पर भी पुतला फूंका गया।

प्रदेश में गुस्सा

भिलाई

जगह- जगह हुए विरोध प्रदर्शन

कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तानी आतंकवादियों द्वारा निहत्थे हिन्दू पर्यटकों की नृशंस हत्या के विरोध में दुर्ग-भिलाई में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हुए। पाकिस्तानी आतंकियों का पुतला फूंका गया। शाम 7 बजे सिविक सेंटर स्थिति अर्जुन रथ के करीब श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

पहलगाम हमले के विरोध में पाकिस्तान और आतंकवादी संगठन टर्फ का झंडा जलाया गया

धमतरी

आतंकवाद का फूंका पुतला

पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में हिंदू जागरण मंच के द्वारा बुधवार को शाम 7.30 बजे घड़ी चौक में आतंकवाद का पुतला जलाया गया। साथ ही हमले में शहीद हुए भारत देश के हिंदू पर्यटकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाजपाई और भाजयुमो ने भी पुतला दहन किया है।

राजनांदगांव

विद्यार्थी परिषद ने जलाया पुतला

आतंकवादी हमले का विरोध करते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के द्वारा शहर के शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय के सामने आतंकवाद का पुतला दहन किया गया। इस दौरान अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आतंकवाद के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक करने के मांग की है।

खबर संक्षेप

ई-रिक्शा की टक्कर से घायल की मौत, केस दर्ज

रायपुर। सिविल लाइन पुलिस ने एक्सीडेंट में घायल व्यक्ति की मौत के मामले में एक ई-रिक्शा चालक के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध किया है। घटना 13 अप्रैल की है। एक ई-रिक्शा ने दूसरे ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे राजेंद्र सिंह 41 वर्ष निवासी कृष्णा नगर को गंभीर चोट लगने से डीकेएस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस मामले में जांच के बाद पुलिस ने आरोपी ई-रिक्शा चालक के विरुद्ध धारा 106 बीएसएन के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

साढ़े आठ लाख का फूटा चना लेकर ट्रक ड्राइवर फरार

रायपुर। विधानसभा पुलिस ने एक ट्रक ड्राइवर के खिलाफ लाखों रुपए कीमत का फूटा चना लेकर फरार होने के मामले में अपराध पंजीबद्ध किया है। प्रार्थी संतोष राजपाल निवासी ग्राम जरौदा ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसने अपने ट्रक में 383 बैग फूटा चना को लोड कराकर प्रतापगढ़ यूपी के लिए रवाना किया था। चना की कीमत 8 लाख 52 हजार 240 रुपए है। ट्रक चालक सैयद फरहात ने यह चना गंतव्य स्थान तक नहीं पहुंचाकर उसे लेकर फरार हो गया। पुलिस ने इस मामले में आरोपी के विरुद्ध धारा 316-3 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने सीएमएआई के साथ एमओयू भी साइन किया

देश का नया टेक्सटाइल हब बनेगा छत्तीसगढ़ करोड़ों के निवेश से मिलेगा 1000 को रोजगार

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बुधवार को मुंबई के बॉम्बे एग्जिबिशन सेंटर में आयोजित सीएमएआई फैब शो में भाग लेकर राज्य में वस्त्र एवं परिधान क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ने निवेशकों और टेक्सटाइल क्षेत्र से जुड़े उद्योगपतियों से संवाद कर छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा, हमने वस्त्र उद्योग क्षेत्र में निवेश के नए द्वार खोले हैं। छत्तीसगढ़ सरकार ने सीएमएआई (क्लोदिंग मैन्यूफैक्चरर एसोसिएशन ऑफ इंडिया) के साथ एमओयू भी साइन किया। साथ ही छत्तीसगढ़ ने वस्त्र, गारमेंट और हैंडलूम सेक्टर में एक उभरता हुआ केंद्र बनने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खास खबर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने उद्योगपतियों को संबोधित करते हुए कहा, हाल ही में हमने कैबिनेट में नेशनल इंस्टिट्यूट आफ फैशन डिजाइन के संस्थान को नवा रायपुर में खोलने की मंजूरी दी है। 271 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाले इस संस्थान से छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। सीएमएआई से एमओयू और निफ्ट की स्थापना से चांपा के कोसा जैसे वस्त्रों की ब्रांडिंग, प्रमोशन में बड़ी मदद मिलेगी। कपड़ा उद्योग प्रत्यक्ष रूप से ग्रामीण स्वरोजगार, तकनीक और कौशल विकास से जुड़ा है। नई औद्योगिक नीति में सभी सुविधाओं का ख्याल रखते हुए टैक्सटाइल सेक्टर से जुड़े एमएसएमई को बढ़ावा देने का प्रयास किया है। हम 1000 से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार देने वाले उद्यमों को विशेष अनुदान दे रहे हैं। 100 करोड़ के इन्वेस्टमेंट में 252 करोड़ की प्रतिपूर्ति हमारी सरकार द्वारा की जा रही है।

सेंट्रल इंडिया की लोकेशन बेहतर कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री ने बताया सेंट्रल इंडिया की हमारी लोकेशन आपको देशभर में सबसे अच्छी कनेक्टिविटी उपलब्ध कराती है। इसी साल से रायपुर एयरपोर्ट में कार्गो की सुविधा आरंभ हो गई है। हमारे यहां 48 हजार करोड़ रुपये की कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं पर काम चल रहा है। रेलवे नेटवर्क के विस्तार का सबसे अधिक लाभ उद्योग जगत को मिलेगा। रायपुर से विशाखापट्नम तक एक्सप्रेस-वे का निर्माण तेजी से हो रहा है। विशाखापट्नम जैसे पोर्ट से हमारी सीधी कनेक्टिविटी रायपुर में बिजनेस को बहुत विस्तार देगी।

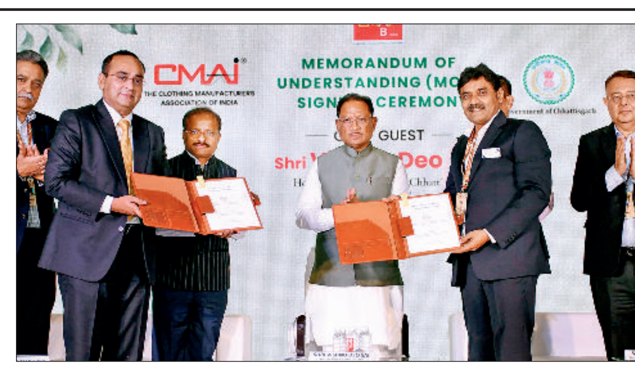

टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए प्रशिक्षित युवा हो रहे तैयार

मुख्यमंत्री ने कहा टेक्सटाइल इंडस्ट्री को स्किल्ड मैनपावर भी चाहिए। प्रदेश के आईटीआई में टेक्नालॉजी और इनोवेशन पर आधारित एडवांस कोर्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं। टेक्सटाइल इंडस्ट्री के लिए भी प्रशिक्षित युवा तैयार हो रहे हैं। हमारे यहां आईआईटी, आईआईएम, ट्रिपल आईटी तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी जैसे संस्थान हैं, जिससे दक्ष मानव संसाधन इंडस्ट्री के लिए उपलब्ध हैं।

तेजी से निवेश प्रस्तावों को दी जा रही स्वीकृति

टेक्सटाइल के क्षेत्र में देश में इतनी अच्छी पॉलिसी किसी भी राज्य में नहीं है, इसका लाभ कपड़ा उद्योग से जुड़े छोटे और मझोले उद्यमों को मिल रहा है। उन्होंने बताया कि बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में उद्यम शुरू करने पर विशेष रियायतें दी गई हैं। उन्होंने कहा सिंगल विंडो सिस्टम, इज ऑफ डूइंग बिजनेस और स्पीड आफ डूइंग बिजनेस की नीतियों के चलते बहुत तेजी से निवेश प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा रही है। इससे अब हम स्पीड और बिजनेस की ओर बढ़ चुके हैं। हमने 350 से अधिक रिफार्म्स किए हैं और निवेश का वातावरण बेहद सहज कर दिया है।

संयुक्त खाते की जमीन को फर्जी तरीके से कराई रजिस्ट्री

भूमाफिया की प्रताड़ना से तंग आकर पहाड़ी कोरवा ग्रामीण ने की आत्महत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबिकापुर

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले पहाड़ी कोरवा ग्रामीण ने भूमाफिया की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। भूमाफिया ने पहाड़ी कोरवा की 6 एकड़ भूमि को फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करा ली। ठगी का शिकार युवक पुलिस और प्रशासन के दरवाजे पर मदद की गुहार लगाता रहा लेकिन जब उसकी कोई सुनवाई नहीं हुई तो अन्ततः प्रताड़ना और धमकियों से तंग आकर ग्रामीण ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। युवक द्वारा आत्म हत्या किए जाने के बाद सर्व आदिवासी समाज के साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने मामले में रोष जताते हुए आंदोलन की चेतावनी दी जिसके बाद पुलिस ने मामले में उप पंजीयक, पटवारी, भूमाफियाओं समेत सात लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। फिलहाल पुलिस द्वारा इस मामले की जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि राजपुर के बरियों चौकी अंतर्गत ग्राम भेस्की निवासी भईरा पहाड़ी कोरवा नामक ग्रामीण ने 22 अप्रैल की दोपहर अपने घर के गौठान में फांसी लगाकर आत्म हत्या कर ली थी। पहाड़ी कोरवा ग्रामीण द्वारा आत्महत्या किए जाने की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा शव को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द करने के साथ ही मर्ग कायम कर घटना की जांच की जा रही थी।

MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR
OFFICE OF THE COMMISSIONER MUNICIPAL CORPORATION
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in (2nd Call)

NIT NO: 03/PWD/ Zone-2 /2025 **RAIPUR DATED: 22.04.2025**

Online bids are invited for the following works of works up to **Date 08.05.2025 at 17:30 hours.**

Sr. No	System Tender No.	Name of Work	Amount of the Estimate (Rupees in Lakh)	Earnest Money Deposit	Eligible class of contractor /firm	Time allowed for Completion
1	167363	हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड क्र. 36 अंतर्गत शहीद स्मारक भवन के पास से मौदहापारा तक भाजपा कार्यालय होते हुए पुलिया एवं नाला निर्माण कार्य ।	75.00	75000.00	Class D & above	07 Months

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal **https://eproc.cgstate.gov.in** in from **23.04.2025 10:30 Hours** (IST) on wards.

For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.

NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.,
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. **Help Desk at Toll Free No. 18004199140** or through Email ID **helpdesk.eproc@cgswan.gov.in**

घरो से निकलने वाले गीला और सुखा कचरे को सफाई मित्र (वाहन) को देवें

ZONE COMMISSIONER
ZONE - 2
MUNICIPAL CORPORATION RAIPUR (C.G.)

कार्यालय कलेक्टर, जिला-गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही (छत्तीसगढ़) एवं पदेन उप सचिव, छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

प्रारंभिक अधिसूचना

प्रकरण क्रमांक 03 / अ – 82 / 2021–22 / 982 गौरेला – पेण्ड्रा – मरवाही दिनांक 04/04/2025

चूंकि राज्य शासन को यह प्रतीत होता है कि नीचे संलग्न अनुसूची के कॉलम (1) से (5) में दर्शित भूमि की अनुसूची के कॉलम (7) में दर्शित सार्वजनिक प्रयोजन के लिए आवश्यकता है अथवा आवश्यकता पड़ने की संभावना है। अत: भूमि अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकार और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 (जिसे एतद् पश्चात अधिनियम 2013 कहा जायेगा) की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबंधो के अनुसार सर्व संबंधित व्यक्तियों को इसके द्वारा इस आशय की सूचना दी जाती है, कि राज्य शासन एतद् द्वारा अनुसूची के कॉलम (6) में उल्लेखित प्राधिकारी को उक्त भूमि के संबंध में धारा (12) के अन्तर्गत दी गई शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करता है:-

अनुसूची							
भूमि का प्रकार							
जिला	तहसील	ग्राम/ प.ह.नं.	धारा 12 द्वारा प्राधिकृत अधिकारी			सार्वजनिक प्रयोजन का विवरण	
गौरेला–पेण्ड्रा–मरवाही	सकोला	गोढ़ा प.ह.नं. 07	कार्यपालन अभियंता जल संसाधन संभाग मरवाही मु. पेण्ड्रारोड			गोढ़ा जलाशय योजना शीर्ष/ नहर निर्माण कार्य हेतु	
खसरा नं.	रकबा	खसरा नं.	रकबा	खसरा नं.	रकबा	खसरा नं.	रकबा
114/3	0.202	115/4	0.494	116/2	0.049	116/4	0.049
115/1	0.498	115/2	0.060	117/1	0.069	117/2	0.073
117/3	0.142	123/1	0.080	138	0.194	136	0.061
122	0.191	116/1	0.031	137/2	0.146	42/3	0.069
कुल खसरा 16 कुल रकबा 2.508							

(2) यह भी सूचित किया जाता है कि उपरोक्त भूमि में कोई भी हितबद्ध व्यक्ति इस अधिसूचना के प्रकाशन की तिथि के 60 दिवस के भीतर अर्जित की जाने वाली भूमि के क्षेत्रफल एवं उपयुक्तता, लोक प्रयोजन के औचित्य तथा सामाजिक समाघात निर्धारण के निष्कर्ष के बारे में अपना दावा / आपत्ति लिखित में कलेक्टर को स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अधिनियम, 2013 की धारा 15 की उप–धारा (1) के अंतर्गत प्रस्तुत कर सकेगा। (3) भूमि का नक्शा (प्लान) का निरीक्षण अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड़ के कार्यालय में किया जा सकता है। (4) प्रस्तावित भू–अर्जन से किसी भी प्रभावित परिवार का विस्थापन निहित नही है। (5) प्रस्तावित प्रयोजना के लिए भू–अर्जन के लिए कराये गये सामाजिक समाघात अध्ययन के अनुसार भूमि का अर्जन अंतिम विकल्प के रूप में किया जाना प्रस्तावित है तथा भूमि अर्जन से सामाजिक समाघात की तुलना में सामाजिक लाभ अधिक होना पाया गया है। (6) प्रस्तावित भू–अर्जन के लिए अधिनियम 2013 की धारा 43 के तहत अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पेण्ड्रारोड़, जिला – गौरेला – पेण्ड्रा – मरवाही को पुनर्वास और पुनर्व्यवस्थापन प्रशासक नियुक्त किया गया है।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से तथा आदेशानुसार
लीना कमलेश मंडावी (आई.ए.एस.) कलेक्टर गौरेला - पेण्ड्रा - मरवाही
एवं पदेन उपसचिव छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग

जी. 252600437/1

उज्जैन के महाकाल लोक की तर्ज पर खारुन नदी तट पर बनेगा भव्य महादेव कॉरिडोर

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

राजधानी के रायपुरा स्थित महादेवघाट के शिव मंदिर और खारुन नदी तट पर मंदिर के पीछे भव्य कॉरिडोर बनाया जायेगा। यह कारिडोर उज्जैन के प्रसिद्ध महाकाल कॉरिडोर की तर्ज पर होगा। इसकी खूबसूरती पर्यटकों को बरबस ही लुभाएगी। नगर निगम के इस प्रोजेक्ट के लिए राज्य शासन ने 10 करोड़ की स्वीकृति दी है। महादेव कॉरिडोर के लिए आसपास की दुकानों को व्यवस्थित किया जायेगा, ताकि शहर के ऐतिहासिक व प्राचीन हटकेश्वर महादेव का मंदिर दूर से लोगों को आसानी से नजर आये।

शहर के महादेवघाट को सुंदर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने दो फेज में कार्य किया जाएगा। प्रथम फेज में महादेव कारिडोर को लेकर आसपास की दुकानों को व्यवस्थित किया जायेगा। इन दुकानों को हटाया नहीं जायेगा, ताकि उस स्थल का आकर्षण और बढ़ सके। इस दिशा में नगर निगम के अधिकारियों ने काम शुरू कर दिया है। महादेवघाट रायपुर का महत्वपूर्ण स्थान है, इसलिए यहां पर्यटन स्थल बनेगा। महादेव कारिडोर के बाद विसर्जन कुंड से होते हुए टाटीबंध के आगे चंदनीडीह की तरफ डबल लेन रोड का प्रस्ताव है। इसके लिए लोक निर्माण विभाग की तरफ से सर्वे होगा।

NOTICE INVITING e-tender

Planning, Designing, Engineering, Procurement and Construction (EPC Mode-1) including one year of operation and maintenance of services of Govt. Medical College at Geedam in Chhattisgarh.

Chhattisgarh Medical Services Corporation LTD. (CGMSCL), 4th Floor, CGHB Commercial Complex, South-East Corner, sector 27, Nava Raipur Atal Nagar Chhattisgarh 492015, as Executing Agency for the Construction Of Government Medical Colleges And Allied Infrastructure Development With Services At Four Locations In Chhattisgarh for this Project, invites online bids for Planning, Designing, Engineering, Procurement and Construction **(EPC Mode-1)** including one year of operation and maintenance of services of Govt. Medical College at Geedam in Chhattisgarh through e-tendering from eligible contractors/firms in two bid system for the following work:-

Name and Description of work	Estimated cost (Rs.)	Completion period of Work	Last date to fill/ upload the bid through e- biding	Bid Security amount
Planning, Designing, Engineering, Procurement and Construction (EPC Mode-1) including one year of operation and maintenance of services of Govt. Medical College at Geedam in Chhattisgarh	Rs. 255.15 Crs	24 Months	16.05.2025 Up to 17:00Hrs.	Rs.255.15 Lakhs

The bid document shall be available online from 24.04.2025
Date of Pre-bid Meeting - 05.05.2025 at CGMSC Ltd. Head Office, Nava Raipur Atal Nagar On 11.00 AM
Bid Opening Date - 19.05.2025
For submission & other bid details, please refer detailed NIT available on websites
www.eproc.cgstate.gov.in, e-Procurement System

Corrigendum/amendments etc., if any, will be notified on these websites only and separate advertisement will not be made for the same CGMSCL reserves the right to accept or reject any application without assigning any reason or incurring any liability whatsoever.

Sd/-
Superintending Engineer

S.- 43623

सड़कों पर बिना अनुमति के पंडाल, हाईकोर्ट ने शासन से मांगा जवाब

बिलासपुर। सड़कों पर और सड़कों के किनारे त्यौहारी सीजन में सैकड़ों की संख्या में पंडाल और स्वागत द्वार लगाने से आमजन को हो रही दिक्कतों को लेकर दायर की गई जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान बुधवार को हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव और रायपुर नगर निगम के कमिश्नर से शपथ पत्र मांगा है। शासन की तरफ से बताया गया कि सभी कार्यवाहियां म्युनिसिपल कारपोरेशन द्वारा की जाती हैं। अगली सुनवाई 16 जून को होगी। विभिन्न संस्थाओं, संगठनों के द्वारा आयोजन अब जिला प्रशासन की पूर्व अनुमति प्राप्त किए बिना ही आयोजित किया जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में एक ओर आम नागरिक के दैनिक कार्यों में बाधा पहुंचती है एवं व्यवसायिक गतिविधियां भी प्रभावित होती है। वहीं दूसरी ओर कानून व्यवस्था बिगड़ जाने की प्रबल संभावना रहती है। इसलिए शासन ने अनुमति लेना अनिवार्य कर अनुमति की शर्तें निर्धारित की थी।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर (छ.ग.)

क्रमांक/330/01/विज्ञापन / 2025 नवा रायपुर, दिनांक : 22/04/2025

संक्षिप्त विज्ञापन

(1) छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत विभिन्न रिक्त पदों की पूर्ति हेतु छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग द्वारा उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित करने के लिए विज्ञापन क्रमांक 02/2025/परीक्षा/दिनांक 22/04/2025 जारी किए गए हैं, जो छत्तीसगढ़ संवाद के समाचार पत्र "रोजगार और नियोजन" के अंक दिनांक 30/04/2025 में विज्ञापन एवं अन्य जानकारी प्रकाशित है। उक्त विज्ञापन में दर्शित शर्तों के अनुसार रिक्त पदों, जिसका विवरण नीचे की तालिका में दर्शित है, के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं:-

स.क्र.	पद का नाम	कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से केवल छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी महिलाओं के लिए आरक्षित पद				कुल रिक्तियों की वर्गवार संख्या में से छत्तीसगढ़ के स्थानीय निवासी नि:शक्तजनों के लिए आरक्षित पद	योग	वेतन मेट्रिक्स
		अनारक्षित	अजा	अजजा	अपिव	अनारक्षित	अजा	अजजा	अपिव			
1	मनोरोग विशेषज्ञ (बैकलॉग)	-	1	3	2	-	-	-	-	-	06	67300 (स्तर-13)
2	पैथोलॉजी विशेषज्ञ (बैकलॉग)	-	-	-	1	-	-	-	-	-	01	
3	क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट	5	1	4	2	1	-	1	-	-	12	56100 (स्तर-12)
4	काउंसलर मनोरोग	1	-	1	-	-	-	-	-	-	02	

(2) विज्ञापित पदों की आवश्यक अर्हताएं, आयु सीमा, शुल्क, निर्देश, परीक्षा योजना, पाठ्यक्रम आदि के संबंध में विस्तृत जानकारी "रोजगार और नियोजन" के अंक दिनांक 30/04/2025 में देखे जा सकते हैं।
(3) योग्यता धारण करने पर अभ्यर्थी एक से अधिक पदों के लिए आवेदन कर सकते हैं।
(4) एक से अधिक पदों हेतु ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत करने वाले अभ्यर्थी को अंतिम चयन हेतु आवेदित पदों के लिए अग्रमान्यता प्रस्तुत करनी होगी।
(5) एक अभ्यर्थी द्वारा एक से अधिक पदों हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की स्थिति में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि सभी आवेदन एक हीं User ID का प्रयोग कर प्रस्तुत किए जाएं।
(6) उपर्युक्त पद हेतु आवेदकों की अर्हता निर्धारण के लिए उच्चतर आयु एवं आयु में छूट की गणना की निर्धारित तिथि 1 जनवरी 2025 है, जिसके संदर्भ में ही आयु की गणना की जाएगी।
(7) ऑनलाइन आवेदन दिनांक 28/04/2025 मध्यान्ह 12:00 बजे से दिनांक 27/05/2025 रात्रि 11:59 बजे तक किया जा सकता है।
(8) आयोग के वेब-साईट www.psc.cg.gov.in में भी विज्ञापन एवं विस्तृत जानकारी देखी जा सकती है।
(9) आवदेक, उपरोक्त पदों हेतु आयोग के विज्ञापन क्रमांक 02/2025/परीक्षा/ दिनांक 22/04/2025 में उल्लेखित कंडिकाओं के अनुसार ही ऑनलाइन आवेदन करें।
(10) रोजगार और नियोजन का उक्त अंक छत्तीसगढ़ संवाद के निम्न पते से भी प्राप्त किया जा सकता है:- संपादक, रोजगार और नियोजन, छत्तीसगढ़ संवाद, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, अटल नगर, नवा रायपुर, छत्तीसगढ़ दूरभाष 0771-2512567

सही/-
सचिव, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग
नवा रायपुर अटल नगर

जी. 252600433/2

बिलासपुर, गुरुवार 24 अप्रैल 2025 | वैशाख कृष्ण पक्ष एकादशी | वर्ष : 25, अंक : 33 | पृष्ठ : 10+6 = 16 मूल्य : 5.00*** | haribhoomi.com

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

छग की डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा व सीआरपीएफ के अलावा तेलगांना की ग्रेहाउड्स व महाराष्ट्र की सी 60 कमाण्डोज भी मौके पर

माड़वी हिड़मा, कई सीसी मेंबर समेत सौ से अधिक टॉप कैडर नक्सलियों की मौजूदगी की खबर

सुरक्षाबलों के 10 हजार से अधिक जवानों के अलावा फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस व बख्तरबंद वाहन भी मौके पर

नक्सलियों पर सबसे बड़ा प्रहार, तीन राज्यों की फोर्स ने 'ठिकाना' घेरा, सेना का

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

खास खबर

नक्सलियों पर अंतिम प्रहार करने तीन स्टेट की फोर्स पिछले 48 घंटे से डटी हुई है। विश्वस्त सूत्रों के मुताबिक स्टेट कमेटी मेंबर समेत सौ से अधिक टॉप कैडर नक्सलियों की मौजूदगी बीजापुर जिले के उसूर ब्लाक स्थित करेंगुट्टा के पहाड़ियों में होने की खूफिया इनपुट के बाद पिछले ▶▶|शेष पेज 6 पर

ड्रोन से बमबारी की खबर

जानकारी मिल रही की पहाड़ की चोटी पर मौजूद नक्सलियों पर ड्रोन से नजर रखते हुए चौपर से गोलियां दागी जा रही है। नक्सलियों के भागने की स्थित पर नीचे जवानों ने पूरे पहाड़ को घेरकर रखा है। हालांकि बहुत बड़ी और अंतर्राज्यीय सीमा होने से एरियल डिस्टेंस और लोकेशन पूरी तरह से कन्फर्म नहीं हो पा रहा है, लेकिन मौके पर तीनों राज्य के आला अधिकारी मौजूद है, जो पूरी तरह स्थिति पर नजर रखे हुए है।

इसी रेंज में बीजापुर का नम्बी व नाडपल्ली पहाड़ भी

जवानों ने करेंगुट्टा की पहाड़ियों को टॉरगेट करते हुए घेराबंदी कर रखी है। अंतर्राज्यीय सीमा होने से महाराष्ट्र व तेलगांना की फोर्स भी नक्सलियों को घेरने मौके पर मौजूद है। बताया जा रहा है कि तेलंगाना के चेरला, वेंकटपुरम और एक अन्य थाना क्षेत्र से नक्सलियों को घेरने फोर्स रवाना हुई थी। फोर्स पिछले दो दिनों से लगातार जंगल में दाखिल हो रहे है।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

सूर्य किरण ने लोगों को किया मंत्रमुग्ध

पटना। भारतीय वायु सेनाकी सूर्य किरण एरोबेटिक टीम ने बुधवार को बिहार में अपने एयर शो से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। शौर्य दिवस के अवसर पर सूर्य किरण टीम के नौ हॉक-132 विमानों ने पटना के आसमान में हतप्रभ कर देने वाली कलाबाजियां दिखाईं।

कैंसर की जांच के लिए एचपीवी डायग्नोस्टिक किट

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि गर्भाशय-ग्रीवा कैंसर की जांच के लिए स्वदेशी रूप से विकसित 'एचपीवी डायग्नोस्टिक किट' तैयार है। यह भारतीय महिलाओं में दूसरे सबसे आम कैंसर की जांच के लिए किफायती तरीका साबित होगा।

गेल के संयंत्र से प्राकृतिक गैस का रिसाव

रायसेन। मप्र के रायसेन जिले में सरकारी कंपनी गेल गैस लिमिटेड के एक संयंत्र से बुधवार तड़के प्राकृतिक गैस का रिसाव हो गया। इससे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। एहतियात के तौर पर भोपाल के पास स्थित संयंत्र की ओर जाने वाली सड़क पर यातायात रोक दिया गया।

कई घरों में आग लगाई गई, दो गांवों में कर्फ्यू

इंफाल। मणिपुर के कामजोंग जिले के दो गांवों में अज्ञात हथियारबंद लोगों ने कई घरों में आग लगा दी। यह घटना उस समय घटी जब जिले के सहामफुंग सब-डिवीजन के गम्पाल और हैयांग गांवों के अधिकांश निवासी कृषि संबंधी कार्यों के लिए खेतों में गए थे।

छत्तीसगढ़ में तापमान 44 डिग्री के करीब पहुंचा, राष्ट्रीय राजधानी में लू का कहर

तप रही धरती, देश के कई राज्यों में हीटवेव और वॉर्म नाइट का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अप्रैल के महीने में ही इस बार भीषण गर्मी पड़ने लगी है। मौसम विभान ने आज भी कई राज्यों में लू का अलर्ट जारी किया है। इसके साथ ही कई राज्य दिन के अलावा गर्म रातों से भी जूझ रहे हैं। राजधानी दिल्ली में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। आज यहां का न्यूनतम तापमान 3 प्वाइंट बढ़कर 23 डिग्री पहुंचने की संभावना है। अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस हो सकता है।

वहीं मौसम विभाग ने कल (24 अप्रैल) से 26 अप्रैल तक के लिए हीटवेव का अलर्ट जारी किया है। इन दिनों अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचेगा यानी रात के वक्त गर्मी ज्यादा बढ़ने के आसार हैं। मध्य प्रदेश में भयंकर गर्मी का दौर जारी है। बुधवार को भी प्रदेश के कई जिलों में तापमान 40 डिग्री के पार रहा। सड़क पर लोग धूप से बचते नजर आए। भोपाल में तो गर्मी ▶▶|शेष पेज 6 पर

अप्रैल का महीना खूब तप रहा है। देश के कई राज्यों में लू के थपेड़ों ने लोगों को परेशान कर रखा है। राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, ओडिशा से लेकर पश्चिम बंगाल तक गर्मी का कहर है। तापमान इस रफ्तार से बढ़ रहा है मानो ये मई या जून का महीना हो। मौसम विभाग ने कई राज्यों में हीटवेव और वॉर्म नाइट का अलर्ट जारी किया है। छत्तीसगढ़ में भी पारा 44 के करीब पहुंच गया है।

इन राज्यों में लू का ऑरेंज अलर्ट
- पूर्वी उत्तर प्रदेश
- बिहार
- ओडिशा
- विदर्भ

यहां येलो अलर्ट
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश
- पूर्वी मध्य प्रदेश
- झारखंड
- गंगीय पश्चिमी बंगाल
- तेलंगाना
- छत्तीसगढ़

वॉर्म नाइट का अलर्ट
- बिहार
- गंगीय पश्चिम बंगाल
- ओडिशा

»» यूपी-बिहार से लेकर पश्चिम बंगाल तक गर्मी

»» अप्रैल में मई और गर्मी का होने लगा अहसास

मौसम विभाग ने दी सलाह

बता दें कि गर्मी बढ़ने से लोगों को परेशानी हो रही है। दोपहर में सड़कों पर कम लोग दिखाई दे रहे हैं। लोग गर्मी से बचने के लिए तरह-तरह के उपाय कर रहे हैं। वे ठंडा पानी पी रहे हैं और छाते का इस्तेमाल कर रहे हैं। मौसम विभाग ने लोगों को गर्मी से बचने की सलाह दी है। उन्होंने कहा है कि दोपहर में घर से बाहर न निकलें। अगर निकलना जरूरी हो तो छाता लेकर जाएं और खूब पानी पिएं।

आंधी-बारिश की संभावना

मौसम का पूर्वानुमान लगाने वाली एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक अगले 2 से 3 दिनों के दौरान पूर्वोत्तर भारत में गरज-चमक और आंधी के साथ हल्की से मध्यम बारिश, कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, केरल और तमिलनाडु में छिटपुट बारिश हो सकती है। विदर्भ, तेलंगाना, दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश और उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश में लू की स्थिति बनी रह सकती है।

तीन भर्ती 'घोटालों' का मामला

प. बंगाल में ईडी ने कुर्क की 600 करोड़ की अधिक संपत्ति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को बताया कि उसने पश्चिम बंगाल में तीन अलग-अलग शिक्षक और कर्मचारी भर्ती 'घोटालों' से जुड़े धन शोधन मामले की जांच के तहत 609 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की है। संघीय एजेंसी ने कहा कि स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) द्वारा समूह 'सी' और 'डी' कर्मचारियों की भर्ती से संबंधित मामले में 56.50 करोड़ रुपये ▶▶|शेष पेज 6 पर

163.66 करोड़ का पहला मामला

बयान के मुताबिक ईडी ने पहले इस मामले में रॉय और उनके 'मुख्य एजेंट' चंदन मंडल के नाम पर दर्ज 163.66 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की थी।

238.78 करोड़ का केस

ईडी ने बताया कि पश्चिम बंगाल का दूसरा भर्ती 'घोटाला' मामला नौवीं से 12वीं कक्षाओं में पढ़ाने के लिए सहायक शिक्षकों की भर्ती से जुड़ी है। उसने बताया कि इस मामले में कुल 238.78 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क की गई है।

151 करोड़ की जब्ती

एजेंसी ने बताया कि तीसरा मामला प्राथमिक शिक्षक भर्ती का है, जिसमें 151 करोड़ रुपए की संपत्ति जब्त की गई है।

25 से अधिक लोग थे सवार

चौथी भोज से लौट रहे ग्रामीणों का पिकअप पलटा, दो बच्चों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

सूरजपुर जिले में बीती रात बारातियों से भरा पिकअप अनियंत्रित होकर पत्थर से टकराने के बाद पलट गया। घटना चेन्द्रा चौकी क्षेत्र के ग्राम बिसाही पोड़ी में हुई। इस हादसे में दो मासूम बच्चों की मौत हो गई जबकि एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है जबकि पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है। घटना के बाद लोगों के शादी की खुशियां मातम में बदल गई। बताया जा रहा है कि सूरजपुर जिले के लटोरी चौकी अंतर्गत ग्राम भंडारपारा निवासी तलिन्दर राजवाड़े के बेटी की शादी 5 दिनों पूर्व ▶▶|शेष पेज 6 पर

■ दर्जनभर से अधिक घायल

अस्तपाल में तोड़ा दम

पिकअप पलटने से घायलों को भटगांव अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने लटोरी भंडारपारा निवासी 12 वर्षीय दिगम्बर राजवाड़े आ. मनोज राजवाड़े और 13 वर्षीय कुन्नु चेरवा आ. खगेश चेरवा को मृत घोषित कर दिया इसके साथ ही 45 वर्षीया समकलिया राजवाड़े पति बाल्साय और 60 वर्षीय ▶▶|शेष पेज 6 पर

डिजिटल उल्लंघन का आरोप

एप्प-मेटा पर ईयू ने लगाया 6823 करोड़ का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

यूरोपियन यूनियन ने एप्पल और मेटा पर बड़ा जुर्माना लगाया है। दोनों कंपनियों पर ईयू ने 70 करोड़ यूरो (लगभग 6823 करोड़ रुपए) का फाइन लगाया है। ऐपल पर 50 करोड़ यूरो (लगभग 4874.25 करोड़ रुपए) और मेटा पर 20 करोड़ यूरो (लगभग 1949.70 करोड़ रुपए) का फाइन लगाया गया है। ये फाइन यूरोपियन यूनियन एंटीट्रस्ट रेगुलेटर की ओर से लगाया गया है। उन पर डिजिटल उल्लंघन का आरोप है। बड़ी टेक कंपनियों के पंख कतरने की दिशा में ये एक बड़ा कदम है। यूरोपियन यूनियन के फाइन के बाद अमेरिका और यूरोप के रिश्ते प्रभावित भी हो सकते हैं।

क्या है ऐपल का कहना?

ये फाइन डिजिटल मार्केट ऐट के तहत लगाया गया है। ये कानून मार्केट में मौजूद बड़ी कंपनियों की धाक के बीच छोटे प्लेयर्स की एंट्री को सुनिश्चित करता है। इस मामले में ऐपल ने कहा है कि वो ईयू के फाइन को चुनौती देंगे। 'आज का फैसला यूरोपीय कमीशन की ओर से ऐप्पल को गलत तरीके से टार्गेट किए जाने का एक और उदाहरण है। यह एक ऐसी सीरीज का हिस्सा है जो हमारे यूजर्स की प्राइवेसी और सिक्योरिटी के लिए नुकसानदायक है, हमारे प्रोडक्ट्स के लिए खराब है।

खरीफ 2025 के लिए बीज निगम ने बढाए दाम

महंगी होगी खेती

डीएपी और पोटाश में राहत, धान बीज के कीमत में 150 रुपए तक इजाफा

राहुल शर्मा ▶▶| दुर्ग

हरिभूमि सरोकार

आगामी खरीफ सीजन के लिए छग बीज निगम ने इस बार किसानों की कमर तोड़ने की तैयारी कर ली है। निगम द्वारा वर्ष 2025 खरीफ सीजन के लिए जारी किए गए बीज के दाम में 150 से एक हजार रुपए तक की बढोत्तरी कर प्रदेश के किसानों को सख्ते में डाल दिया है। आने वाले दिनों में किसानों को खरीफ सीजन में खेती करनी महंगी ▶▶|शेष पेज 6 पर

ऐसे समझें बीज के दाम

किस्म	2024	2025
धान मोटा	3400	3550
धान पतला	3900	4030
धान सुगंधित	4500	4650
कोदो	7200	7300
मूंग	11200	11400
कुल्थी	7600	7750

डीएपी व यूरिया में राहत, पोटाश सस्ता

इस बार किसानों को डीएपी में राहत मिली है। डीएपी पचास केजी का दाम पिछले साल की तरह 1350 रुपए है। खेती में इसकी उपयोगिता शुरूआत से आखिर समय तक रहती है। बहरहाल सोसायटी में इसका भंडारण शुरू हो गया है। वहीं यूरिया भी पिछले साल की तरह 266 रुपए पर है। वहीं पोटाश 1650 से कम होकर 1555 हो गया हैं।

रेट निर्धारित

छग राज्य बीज निगम द्वारा खरीफ 2025 के लिए प्रमाणित बीज के दर निर्धारित कर दिए गए हैं। दर निर्धारण के बाद सोसायटियों में भंडारण का कार्य शुरू हो गया है।
-एसके बेहरा, प्रक्रिया प्रभारी, दुर्ग

दो साल से कम दर पर सोयाबीन मिलेगा

धान के बाद खरीफ में सोयाबीन की डिमांड अधिक होती है। पिछले दो साल में सोयाबीन ▶▶|शेष पेज 6 पर

23- APR- COR- MAIN- Pg- 4 SAMPADKI_Layout 1 4/23/2025 10:08 PM Page 1

चिंतन

बांग्लादेश की यूनुस सरकार को सबक देना बहुत जरूरी

बांग्लादेश में जो हो रहा है, वो भारत के हित में तो कतई नहीं है। वहां की अंतरिम सरकार एक के बाद एक ऐसे फैसले ले रही है जिसके चलते दोनों देशों के रिश्ते बुरे दौर से गुजर रहे हैं। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस चिकन नेक पर बयान देकर नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। बांग्लादेश में जिस तरह की बयानबाजी हो रही है,उससे साफ जाहिर होता है कि वहां पाकिस्तान की खुफिया जांच एजेंसी आईएसआई धीरे-धीरे अपने पांव पसार रही है। मोहम्मद यूनुस इस खेल में सिर्फ एक मोहरा हैं, जिसका मकसद भारत के पूर्वी हिस्से, खासकर पूर्वोत्तर राज्यों में शांति भंग करना है। ये पाकिस्तान की पुरानी आदत है, जिसमें वो सामाजिक हिंसा और अस्थिरता को बढ़ावा देकर भारत को परेशान करता है। उसका हर संभव प्रयास रहता है कि किसी भी तरह से भारत में अशांति का माहौल पैदा किया जा सके। हालांकि अपने इन प्रयासों के चलते पाकिस्तान कंगाली के हालात में पहुंच गया है, लेकिन अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा। पाकिस्तान की इन कोशिशों में हमेशा की तरह चीन खुलकर उसका साथ दे रहा है। वैसे भी यह चीन के लिए बांग्लादेश में पांव पसारने का मौका है। सत्ता बदलने के बाद से बांग्लादेश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। निवेश के लिए बांग्लादेश चीन पर निर्भर हो गया है। चीन ये बात अच्छी तरह समझता है। इसीलिए चीन ने बांग्लादेश में तेजी से निवेश बढ़ाया है। उसे लगता है कि बांग्लादेश में अपनी जड़ें जमाकर वो भारत पर धौंस जमा सकता है। जबकि यह उसकी भूल है। सच्चाई ये है कि बांग्लादेश में सरकार चला रहे यूनुस अभी कूटनीति के मंझे खिलाड़ी नहीं हैं। वो भावनाओं में बहकर बांग्लादेश को बंगाल की खाड़ी का इकलौता संरक्षक बता गए। आज भी बांग्लादेश की निर्भरता भारत पर सबसे ज्यादा है। खाद्यान्न से लेकर तकनीक तक बांग्लादेश भारत पर निर्भर है। बांग्लादेश से मेडिकल इमरजेंसी में इलाज कराने के लिए लोग भारत ही आते हैं। सभी लोग चाहते हैं कि बांग्लादेश के साथ रिश्तों में सुधार हो, लेकिन वहां की अंतरिम सरकार फिलहाल बाहरी हाथों में खेल रही है। ये बात मोहम्मद यूनुस भी जानते हैं कि अगर भारत भी उसी रवैये पर उतरा जिस पर बांग्लादेश है तो उनके लिए बहुत मुश्किल हो जाएगी। उन्हें पता है कि चाहे चीन कितना भी निवेश बढ़ाए, लेकिन बांग्लादेश और चीन की संस्कृति में कोई मेल नहीं है। ऐसा ही पाकिस्तान के साथ भी है। आम बांग्लादेशी के मन में आज भी पाकिस्तान के प्रति घृणा का भाव है। बांग्लादेश के गठन को लेकर पाक सरकार ने जिस तरह से नरसंहार किया और आंदोलन को कुचला उसे आज भी वहां के लोग नहीं भूले हैं। यही कारण है कि दो पक्षीय वार्ता के दौरान बांग्लादेश ने पाकिस्तान से माफी की भी मांग की है। जहां तक बात चिकन नेक की है तो मोहम्मद यूनुस ने चीन से बांग्लादेश के लालमोनिरहाट में एयरबेस बनाने में मदद मांगी है। ये एयरबेस चिकन नेक इलाके के काफी पास है। अभी तक के हालात से तो ऐसा कतई नहीं लगता कि चीन वहां पर अपना सैन्य बेस बनाएगा, हां! ये जरूर हो सकता है कि वो इसका उपयोग खुफिया तंत्र के रूप में करे। बांग्लादेश में चीन की रणनीति क्या है, इसका अभी खुलासा होना बाकी है। भारत को इससे बहुत ज्यादा सतर्क रहने की जरूरत है। जिस तरह से बांग्लादेश की अंतरिम सरकार हमारे विरोधियों से गलबहियां कर रही है, उसे सही मौके पर सही सबक सिखाना बहुत जरूरी है।

दो टूक
योगेश कुमार गोयल

> यह वही रक्तरंजित मानसिकता है, जो 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के साथ देखने को मिली थी। नाम पूछकर की गई हत्याएं केवल शारीरिक हत्या नहीं हैं बल्कि वे सीधे तौर पर इस देश के बहुलतावादी ताने-बाने पर हमला हैं। यह आतंकवाद की सबसे गिरी हुई, विभाजनकारी और असभ्य शक्ल है, जो मानवीय गरिमा, धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक सहिष्णुता को सीधा चुनौती देती है। इस पाशविक कृत्य ने यह प्रमाणित कर दिया कि आतंकवादी अब केवल सैनिक लक्ष्यों को नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक लक्ष्यों को भी निशाना बना रहे हैं और यह संकेत है कि हमें अपने सुरक्षा दृष्टिकोण को और व्यापक व गहन बनाना होगा।

आतंक का कठोर जवाब देगा भारत

कश्मीर की वादियां एक बार फिर निर्दोषों के खून से रंगी हैं। पहलगाम क्षेत्र में दशहतगर्दों ने अंधाधुंध गोलियां चलाकर दो दर्जन से भी अधिक पर्यटकों की नृशंस हत्या कर दी। दिल दहला देने वाला यह आतंकी हमला एक बार फिर इस यक्ष प्रश्न को जन्म देता है कि आखिर कब तक भारत की संप्रभुता, एकता और नागरिकों की सुरक्षा पर ऐसे कायराना हमलों का साया मंडराता रहेगा? यह हमला न केवल हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा की संवेदनशीलता को रेखांकित करता है बल्कि यह भी दर्शाता है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद की जड़ें अब भी घाटी में जहर उगल रही हैं। यह घटना ऐसे समय हुई है, जब घाटी में पर्यटन का सीजन चरम पर है और पहलगाम की बेहद खूबसूरत वादियां लाखों सैलानियों का स्वागत कर रही थी। ऐसे में इस आतंकी कृत्य ने न केवल जानमाल की अपूरणीय क्षति पहुंचाई है बल्कि भारत की सामरिक संप्रभुता और मानवीय चेतना पर भी गहरा आघात किया है।

कहा जाता है कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता लेकिन इस हमले ने कुछ और ही तस्वीर पेश की। आतंकियों ने अपने कुकृत्य की पराकाष्ठा पार करते हुए नाम पूछ-पूछकर पर्यटकों को गोली मारी। यह कोई सामान्य गोलीबारी नहीं थी बल्कि चयनात्मक हत्या थी। आतंकियों ने पहले पर्यटकों को रोका, उनसे नाम, पहचान और यहां तक कि धर्म भी पूछा और उसके आधार पर उन पर गोलियां चलाईं। यह क्रिया स्पष्ट रूप से सांप्रदायिक घृणा से प्रेरित थी, जो पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के मूल एजेंडे का हिस्सा रही है। यह वही रक्तरंजित मानसिकता है, जो 1990 में कश्मीरी हिंदुओं के साथ देखने को मिली थी और अब एक बार फिर भयावह रूप में प्रकट हुई है। नाम पूछकर की गई हत्याएं केवल शारीरिक हत्या नहीं हैं बल्कि वे सीधे तौर पर इस देश के बहुलतावादी ताने-बाने पर हमला हैं। यह आतंकवाद की सबसे गिरी हुई, विभाजनकारी और असभ्य शक्ल है, जो मानवीय गरिमा, धार्मिक स्वतंत्रता और सांस्कृतिक सहिष्णुता को सीधा चुनौती देती है। इस पाशविक कृत्य ने यह प्रमाणित कर दिया कि आतंकवादी अब केवल सैनिक लक्ष्यों को नहीं बल्कि सांस्कृतिक और सामाजिक लक्ष्यों को भी निशाना बना रहे हैं और यह संकेत है कि हमें अपने सुरक्षा दृष्टिकोण को और व्यापक व गहन बनाना होगा। देश एक ओर जहां तकनीकी, आर्थिक और वैश्विक मंचों पर निरंतर मजबूत हो रहा है, ऐसे में आतंकवादियों द्वारा लक्षित नागरिकों, सुरक्षाबलों और सैलानियों को निशाना बनाया जाना इस बात का प्रमाण है कि दुश्मन की मानसिकता कितनी नीच, विद्वेषपूर्ण और छायायुद्ध की शैली में विकृत हो चुकी है। पाकिस्तान की आईएसआई और उससे पोषित आतंकी गुट, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठन प्रमुख हैं, भारत की प्रगति और लोकतांत्रिक मजबूती को सहन नहीं कर पा रहे हैं। इस नृशंस हमले की रणनीति को देखें तो स्पष्ट हो जाता है कि आतंकियों का लक्ष्य केवल खून-खराबा नहीं बल्कि भारत की सुरक्षा रणनीति को चुनौती देना था। जिस प्रकार से जंगलों में छिपकर घात लगाकर हमला किया गया, वह गुरिल्ला युद्धनीति की उस शैली की ओर संकेत करता है, जिसे सीमा पार से प्रशिक्षित किया जाता है। यह न तो स्वतः स्फूर्त था, न ही किसी लोकल

रिएक्शन का परिणाम था बल्कि यह एक पूर्णतः योजनाबद्ध और निर्देशित हमला था, जिसमें तकनीकी सहायता, हथियारों की आपूर्ति और खुफिया जानकारी सब कुछ शामिल था।

भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से आक्रामक और उत्तरदायी बनी है, यह हमला उसके प्रतिकार के रूप में भी देखा जा सकता है। धारा 370 हटने के बाद जिस प्रकार से इंफ्रास्ट्रक्चर का विकास, आतंकियों पर कड़ा शिकंजा और नागरिक संवाद को पुनः स्थापित करने की कोशिशों जैसे जम्मू-कश्मीर में शांति स्थापना की दिशा में अनेक सफल प्रयास हुए हैं, वे लंबे समय से पाकिस्तान और उसके आकाओं को चुभ रहे थे। इसीलिए ऐसे हमलों के जरिये घाटी में एक बार फिर भय और भ्रम का वातावरण बनाना उनके एजेंडे का अहम हिस्सा है लेकिन अब समय आ गया है कि हम केवल निंदा या औपचारिक विरोध से आगे बढ़ते हुए हर आतंकी घटना के बाद शोक, संवेदना और कड़ी प्रतिक्रियाओं की परिपाटी को ठोस सैन्य और कूटनीतिक रणनीतियों से बदल डालें और इजराइल तथा अमेरिका की तर्ज पर अपने नागरिकों के विरुद्ध हुए प्रत्येक हमले का निर्णायक और दीर्घकालिक जवाब दें। पाकिस्तान की रणनीतिक गहराई में बैठे उन आकाओं को अब यह समझाने का समय आ गया है कि भारत केवल सहन करने वाला राष्ट्र नहीं है बल्कि निर्णायक प्रतिशोध लेने में भी सक्षम है। यह हमला सामरिक दृष्टि से भी हमारे लिए एक गंभीर चेतावनी है कि चाहे सीमा पर कंटीले तार हों या एलओसी पर निगरानी ड्रोन, यदि भीतर बैठे स्लीपर सेल सक्रिय हैं तो सुरक्षा व्यवस्था को पुनः पूर्णरूपेण अभेद्य बनाने की सख्त आवश्यकता है। हमें अपने इंटेलीजेंस नेटवर्क को भी अब इतना तीव्र, तीक्ष्ण और सतर्क बनाना होगा कि आतंकी योजना अपने आरंभिक चरण में ही निष्फल कर दी जाए। सेना, अर्धसैनिक बलों और स्थानीय पुलिस को एकीकृत कमांड संरचना के अंतर्गत प्रशिक्षित करना होगा ताकि प्रतिक्रिया केवल हथियारबंद ही नहीं बल्कि रणनीतिक भी हो। इस हमले ने मानवीय दृष्टिकोण से एक बार फिर आम नागरिकों की पीड़ा को उजागर किया है। जिन सैलानियों ने पर्यटन को घाटी की बहाली का जरिया माना, जो स्थानीय दुकानदार अपने रोजगार की उम्मीद से दुकानें खोले बैठे थे और वे बच्चे, जो शांत माहौल में शिक्षा ग्रहण कर रहे थे, सभी के सपनों पर इस हमले ने भय की कालिमा पोत दी। ऐसे हमलों की आड़ में कुछ मानवाधिकार संगठनों और तथाकथित बुद्धिजीवियों का मुखर होना अब एक शातिर रणनीति बन चुकी है। जब सुरक्षाबल आतंकियों को निष्क्रिय करते हैं तो यही वर्ग उन्हें 'नागरिक' या 'क्रांतिकारी' बता देता है। इस दोहरेपन पर भी सख्ती से लगाम कसने की जरूरत है।

बहरहाल, यह आवश्यक है कि इस हमले की तह तक जाकर उसकी पृष्ठभूमि, योजना, वित्त पोषण और संलिप्त तत्वों को उजागर किया जाए। उन्हें 'कानून, सैन्य शक्ति और कूटनीति के त्रिशूल' से जवाब मिलना चाहिए। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी भारत को इस मुद्दे को और आक्रामक रूप से उठाना होगा कि पाकिस्तान आज भी आतंक का सबसे बड़ा निर्यातक है। उसके विरुद्ध आर्थिक, राजनीतिक और सैन्य प्रतिबंधों का माहौल बनाना होगा। बहरहाल, पहलगाम का यह हमला केवल एक आतंकी हमला नहीं है बल्कि हमारे धैर्य, शक्ति और चेतना की परीक्षा है। यह देश की संप्रभुता पर हमला है और इसका जवाब इतना कठोर, स्पष्ट और निर्णायक होना चाहिए कि भविष्य में कोई आतंकी या उसका पालक भारत की ओर आंख उठाकर देखने का साहस न कर सके। भारत को पूरी दुनिया को अब यह साबित कर दिखाना होगा कि वह आतंक के विरुद्ध केवल एक पीड़ित राष्ट्र नहीं है बल्कि एक प्रचंड प्रतिकारक शक्ति भी है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **edit@haribhoomi.com** पर दे सकते हैं।

पहलगाम अटैक
डॉ. घनश्याम बादल

हर हाल में नोचने होंगे आतंक के पंख

आतंकवाद का एक और घिनौना चेहरा पहलगाम में सामने आया है जब से कश्मीर से धारा 370 हटाई गई है एवं नई विधानसभा का गठन हुआ है तभी से आतंकवाद लगातार सर उठाने का प्रयास करता रहा है। सच यह भी है कि वहां आतंकवाद को प्रेशर देने के लिए पाकिस्तानी ख़ुफ़िया एजेंसियां और वहां की राजनीतिक मजबूरियां इसके पीछे सबसे बड़े जिम्मेदार तत्व हैं। लंबे समय से उन्हें वहां ज्यादा कुछ करने का मौका नहीं मिला था, ऐसे में उन्होंने पहलगाम की उस घाटी को चुना जो अमरनाथ यात्रा का भी एक मुख्य बिंदु है और अमरनाथ यात्रा के दौरान इस क्षेत्र का बहुत अच्छे से सेना एवं स्थानीय सुरक्षा बलों द्वारा सैनिटाइजेशन किया जाता रहा है लेकिन अभी अमरनाथ यात्रा दूर है इसलिए संभव है वहां की सतर्कता कम हुई हो और इसका फायदा आतंकवादियों ने उठाकर पर्यटकों की बड़ी संख्या में जान ले ली। ऐसे हमलों के पीछे आमतौर पर कई कारण और ताकतें होती शामिल हैं । यदि पहलगाम के आतंकी हमले पर एक निगाह डाली जाए तो साफ पता चलता है कि इस हमले में पाकिस्तान आधारित आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा, और हिज्बुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठन कश्मीर घाटी में अस्थिरता फैलाने को आतुर जिम्मेदार हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि इन संगठनों को पाकिस्तान की ख़ुफ़िया एजेंसीज का हमेशा समर्थन मिलता रहा है। दरअसल पिछले लंबे समय से जम्मू कश्मीर शांत क्षेत्र के रूप में तरक्की की सीढ़ियां चढ़ता हुआ नजर आ रहा था और वहां पर पर्यटन उद्योग भी बहुत फल फूल रहा था और यह बात हमारे ईर्ष्यालु पड़ोसी को निराश आनी थी। आतंकवादी संगठन भारत में सांप्रदायिक तनाव और अस्थिरता फैलाना चाहते हैं ताकि देश की एकता और अखंडता को चोट पहुंचाई जा सके। पाकिस्तान का हमेशा से ही कश्मीर मुद्दे का अंतरराष्ट्रीयकरण करने का प्रयास जग जाहिर है। अब वह सीधे-सीधे तो भारत पर हमला करने की स्थिति में है नहीं क्योंकि उसकी एवं भारत की सैन्य ताक़त में ज़मीन आसमान का अंतर है। ऐसे में वह अपने पाले हुए आतंकी संगठनों का सहारा लेता रहा है। हमलों के ज़रिए ये संगठन दुनिया का ध्यान कश्मीर की ओर खींचना चाहते हैं ताकि उसे एक विवादित क्षेत्र के रूप में प्रस्तुत किया जा सके। यह संगठन अपने आका के कहने पर कश्मीर के पर्यटन और अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करते रहते हैं। पहलगाम जैसे स्थान, अमरनाथ यात्रा और अन्य पर्यटन केंद्र आतंकियों के निशाने पर इसलिए होते हैं क्योंकि वे कश्मीर की अर्थव्यवस्था में योगदान करते हैं। हमलों से पर्यटन प्रभावित होता है।

अपनी स्लीपिंग सेल्स के माध्यम से यह संगठन स्थानीय युवाओं का कट्टरपंथीकरण और ब्रेन वाश भी लगातार करते रहे हैं जिससे उन्हें वहां के कुछ गिने-चुने स्थानीय लोगों का समर्थन भी मिल जाता है। ऐसे हमलों के ज़रिए ये ताकतें स्थानीय युवाओं को प्रभावित कर उन्हें उग्रवाद की ओर मोड़ना चाहती हैं। सेना, सीआरपीएफ और पुलिस बलों को निशाना बनाकर आतंकवादी उनके मनोबल को तोड़ने और जनता में भय का माहौल बनाने का प्रयास करते हैं। इस हमले में जिस टीआरएफ का नाम आया है जो एक नया लेकिन बेहद सक्रिय आतंकवादी संगठन है, जो विशेष रूप से कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए सक्रिय रहता है। वास्तव में यह संगठन लश्कर ए तैयबा की ही एक छद्म शाखा है जो 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के कुछ ही समय बाद बना था। अंतरराष्ट्रीय दबाव और प्रतिबंधों के कारण इसका नाम बदलकर एक नया चेहरा दिया गया। यह संगठन कितना चालाक है कि इसके सदस्य विभिन्न कंपनियों तक में कर्मचारियों के रूप में काम करते हैं। टीआरएफ सोशल मीडिया और साइबर स्पेस में भी सक्रिय रहता है, जहां ये युवाओं को कट्टरपंथी बनाने का काम करता है। बेशक, वर्तमान सरकार आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति पर चलती है और उसे इस पर शक्ति से चलना भी होगा। लेकिन बिना सोचे समझे और बिना रणनीति के कार्रवाई करना भी एक ग़लत संदेश देगा वहीं ऐसी हरकतों को चुपचाप सहना या इसमें बहुत देरी करना भी खतरनाक है। कुल मिलाकर अब बारी राज्य एवं केंद्र सरकार की है और उसे अपनी भूमिका बहुत अच्छे से निभाते हुए सिद्ध करना होगा कि भारत अब ऐसी गतिविधियों को किसी भी हाल में सहन करने वाला नहीं है। सभी राजनीतिक दलों को भी आगे बढ़कर बजाय राजनीति करने के आतंकियों के ख़िलाफ़ एकजुट होकर सरकार के साथ खड़ा होना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सत्य की अनुभूति से जाग्रत होता है मन

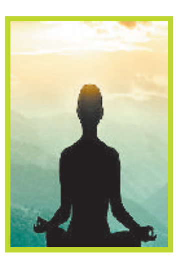

संकलित
दर्शन

इच्छा आकाश के समान अनंत है'- यह मैं भी जानता हूं और आप भी जानते हैं। सब जानते हैं कि इच्छा पूर्ण नहीं होती, अपूर्ण बनी-की-बनी रहती है। पर सच्चाई का साक्षात्कार करने वाले विरल व्यक्ति ही मिलेंगे। साक्षात्कार वही व्यक्ति कर पाता है, जिसका शुक्ल पक्ष जाग गया है। इसे समझने के लिए एक प्रसंग है। कपिल दो मासे सोने के लिए राजा के पास गया। राजा ने कहा- मांगो। अब इच्छा को खेलने के लिए अनंत आकाश मिल गया। इच्छा बढ़ती गई और पूरे राज्य को पा लेने और राजा को रंक बनाने की बात सोचकर ही शांत हुई । मोड़ आया। सच्चाई का भान हुआ। शुक्ल पक्ष जाग गया। राजा ने कहा- मांगो। कपिल बोला- क्या मांगू? कुछ है ही नहीं इस संसार में। अब मैं जा रहा हूं, उस देश में जहां मांग नहीं है, चाह नहीं है। कपिल संन्यासी बन गया। सच्चाई का साक्षात्कार होते ही मांग पूरी हो जाती है, चाह समाप्त हो जाती है। जब तक सच्चाई का अवबोध नहीं होता, तब तक मांग कभी पूरी होती ही नहीं, चाह मिटती ही नहीं। सिद्ध पुरुष ने अपने भक्त से कहा- प्रसन्न हूं। कुछ मांगो। भक्त बोला- कुछ नहीं चाहिए। सिद्ध पुरुष ने देखा, यह कैसा भक्त! अमूल्य क्षण को खो रहा है। मांगने के लिए आग्रह किया। भक्त बोला- यदि आप देना ही चाहते हैं तो यह वरदान दें कि मेरे मन में चाह उत्पन्न ही न हो, मांग रहे ही नहीं। यह तब संभव है, जब सत्य का साक्षात्कार हो जाता है। अन्यथा लोग मांग को पूरी करने के चक्कर में कितने देवी-देवताओं की मनौतियां मनाते हैं, पूजा-अर्चना करते हैं।

साधु प्रकृति के लोगों का साधन है भक्ति

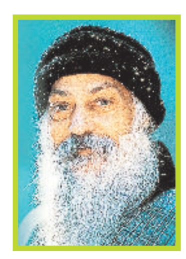

संकलित
प्रेरणा

'भक्ति के प्रतिपादन के लिए ब्रह्म विषय के उत्तरकांड से ज्ञानकांड की सामान्यता दिखाई गई है।' शांडिल्य कहते हैं- वेदों में पहले क्रियाकांड है, कर्मवाद है; फिर दूसरे चरण में ब्रह्मज्ञान की बात है, ज्ञानवाद है; और फिर अंतिम चरण में ईश्वर की चर्चा है, भक्ति और भाव की बात है। नुष्य का अस्तित्व तीन तलों में विभाजित है- शरीर, बुद्धि, हृदय। या दूसरी तरह से कहें तो कर्म, विचार और भाव। इन तीनों तलों से स्वयं की यात्रा हो सकती है। स्थूलतम यात्रा होगी कर्मवाद की। इसलिए धर्म के जगत में कर्मकांड स्थूलतम प्रक्रिया है। दूसरा द्वार होगा ज्ञान का, विचार का, चिंतन-मनन। दूसरा द्वार पहले से ज्यादा सूक्ष्म है। दूसरे द्वार का नाम है- ज्ञान योग। तीसरा द्वार सूक्ष्मातिसूक्ष्म है- भाव का, प्रीति का, प्रार्थना का। उस तीसरे द्वार का नाम भक्ति योग है। कर्म से भी लोग पहुंचते हैं। लेकिन बड़ी लंबी यात्रा है। ज्ञान से भी लोग पहुंचते हैं। पर यात्रा संक्षिप्त नहीं है। बहुत सीढ़ियां पार करनी पड़ती हैं। पहले से कम, लेकिन तीसरे की दृष्टि में बहुत ज्यादा। भक्ति छलांग है। सीढ़ियां भी नहीं हैं, दूरी भी नहीं है। भक्ति एक क्षण में घट सकती है! भक्ति तत्क्षण घट सकती है। भक्ति केवल भाव की बात है। इधर भाव, उधर रूपांतरण। कर्म में तो कुछ करना होगा, विचार में कुछ सोचना होगा, भक्ति में न सोचना है, न करना है, होना है। इसलिए भक्ति को सर्वश्रेष्ठ कहा है। आज के सूत्रों में इसी की चर्चा है। शांडिल्य कहते हैं- ब्रह्माकांडं तु भक्तौ तस्य अनुज्ञानाया सामान्यात।

अंतर्मन

आज की पाती

अनिद्रा की बीमारी महामारी का रूप धारण कर लेगी

भारत सारी दुनिया में विश्व गुरु बनने की राह पर प्रगतिशील है, मगर विकास यात्रा के नाम पर विदेशों का कचरा भी भरा जा रहा है। इस बदलते हुए वातावरण में आदमी का जीवन स्तर पहले से ज्यादा बेहतर हुआ, मगर हम असली-नकली का अंतर करने में फेल हो रहे हैं। हर माल का डुप्लीकेट पहुंच गया है। आज के दौर में हर इनसान का आहार तक नकली हो गया है, फिर धर्म की रक्षा कौन करेगा? नई-नई बीमारियां फैल रही हैं, कोरोना के बाद अब आशंका है कि अनिद्रा की बीमारी वैश्विक महामारी का रूप धारण कर लेगी। वर्ष 2037 तक भारत भी इससे प्रभावित होगा, अतः इसकी रोकथाम के लिए अभी से कारगर योजना का निर्माण शुरू हो जाना चाहिए। *-जगन सिंह, ठाकुर*

करंट अफेयर

दुनियाभर में फैल रहे पूर्व दक्षिणपूर्वी एशिया के स्कैम

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार दक्षिण पूर्वी एशिया में दिन-पर-दिन साइबरस्कैम सेंटर बढ़ रहे हैं और ये दुनियाभर में भी फैल रहे हैं। गैंग के लोग कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए लगातार जगह बदलते रहते हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी एशिया में अंतर्राष्ट्रीय संगठित अपराध समूह दुनियाभर में अपने स्कैम का जाल फैला रहे हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि जहां ये स्कैम सेंटर मौजूद थे, वहां सरकार और अधिकारी इन पर लगाम कसने के लिए कानूनी कार्रवाई शुरू कर रहे हैं। इससे बचने के लिए वे इलाके तलाश रहे हैं। ऐसे स्कैम सेंटर दक्षिण पूर्वी एशिया में कई सालों से चल रहे है। कंबोडिया,लाओस और

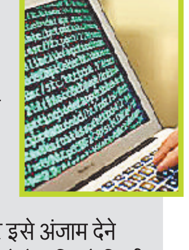

म्यांमार, साथ ही फिलीपीन्स, इनका गढ़ माने जाते हैं और इसे अंजाम देने वाली अलग अलग गैंग एक बॉर्डर से दूसरे बॉर्डर घूमती रहते हैं ताकि वो किसी एक देश के कानून की गिरफ्त में ना आ सकें। यह स्कैम दुनिया में कई नए इलाकों तक भी पहुंच गए हैं। अफ्रीका और यहां तक कि लैटिन अमेरिका से भी ऐसी धोखाधड़ियों की खबरें आ रही हैं जहां स्कैमरों ने किसी को झूठे प्यार के जाल में फंसा लिया, या कोई झूठा निवेश और व्यापार का वादा कर के पैसे ऐंठ लिए या फिर गैरकानूनी सट्टेबाजी में लोगों को फंसा दिया हो।

ऑफ बीट

'स्लीपिंग प्रिंस', कोमा में रहते मनाया 36 वां जन्मदिन

सऊदी अरब के शाही परिवार के सदस्य प्रिंस अल-वालीद बिन खालिद बिन तलाल ने कोमा में रहते हुए 36 साल पूरे कर लिए हैं। दुनिया भर में वो

'स्लीपिंग प्रिंस' के नाम से जाने जाते है। उन्होंने कोमा में रहते हुए अपना जन्मदिन मनाया। वे पिछले लगभग दो दशकों से ऐसी ही हालत में हैं। प्रिंस अल-वालीद सऊदी अरब के संस्थापक किंग अब्दुलअज़ीज़ के परपोते हैं और प्रिंस तलाल बिन अब्दुलअज़ीज़ के पोते। वर्तमान सऊदी किंग सलमान बिन अब्दुलअज़ीज़ उनके दादा के भाई हैं, यानी प्रिंस के ग्रेट-अंकल। प्रिंस अल-वालीद 2005 में एक सैन्य कॉलेज में छात्र थे और एक सड़क दुर्घटना में उन्हें सिर पर गंभीर चोट आ गई। इसके बाद से वे कोमा में हैं और रियाद के किंग अब्दुलअज़ीज़ मेडिकल सिटी में वेंटिलेटर और फीडिंग ट्यूब के सहारे जीवित हैं। डॉक्टरों ने कई बार सुझाव दिया कि जीवन रक्षक उपकरणों को हटाया जाए, लेकिन प्रिंस के पिता, प्रिंस खालिद बिन तलाल ने इस सलाह को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा, अगर अल्लाह चाहते कि वह दुर्घटना में मर जाए, तो वह कब्र में होता। प्रिंस अल-वालीद अब भी मेडिकल उपकरणों के सहारे जीवन से जुड़े हुए हैं। उनका परिवार अब भी हर दिन एक चमत्कार की उम्मीद में है।

ट्रेंड

आतंकियों को छोड़ेंगे नहीं

पहलगाम के आतंकी हमले में अपनों को खोने का दर्द हर भारतीय को है। इस दुःख को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। मैं अपने इन सभी परिवारों और पूरे देश को विश्वास दिलाता हूँ कि बेगुनाह मासूम लोगों को मारने वाले इन आतंकियों को बिल्कुल बख्शा नहीं जाएगा।
-अमित शाह, केंद्रीय गृहमंत्री

विशेष उड़ान के निर्देश

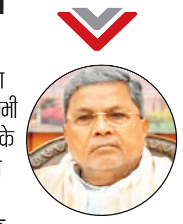

कश्मीर की यात्रा पर गए 40 से अधिक कन्नड़ लोग आतंकवादी हमले के कारण फंस गए हैं। मैंने अधिकारियों को उन सभी को सुरक्षित रूप से राज्य में वापस लाने के लिए एक विशेष उड़ान की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।
- सिद्धरमैया, सीएम, कर्नाटक

अमित शाह इस्तीफा दें

एक ही जगह पर 2,000 से ज़्यादा टूरिस्ट मौजूद थे, लेकिन वहां एक भी सुरक्षा कर्मी नहीं था, ये एक गंभीर सुरक्षा चूक है, अमित शाह जिनके हाथ में वहां की सुरक्षा व्यवस्था है, को अपनी इस नाकामी के लिए पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।
-अखिलेश यादव, सपा सांसद

इंसाफ सुनिश्चित करें

पहलगाम में हुई हिंसा पर दुख एवं गुस्से को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हम एक राष्ट्र के रूप में एकजुट होकर मजबूत बनें और इस जघन्य कृत्य के खिलाफ इंसाफ सुनिश्चित करें।
-शाहरुख खान, अभिनेता

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

23- APR- COR- MAIN- Pg- 5 SARA SANSAR_Layout 1 4/23/2025 10:37 PM Page 1

जानवरों से इंसानों में फैली एक और बीमारी, इस बार निशाना बना अमेरिका का पड़ोसी, क्या फिर आएगी महामारी?

मेक्सिको सिटी।मेक्सिको के स्वास्थ्य मंत्रालय ने देश में स्क्रूवर्म के कारण माइयासिस के पहले मानव मामले की पुष्टि की है। मेक्सिको अमेरिका का पड़ोसी देश है। हालांकि, अभी तक यह पुष्टि नहीं हो सकी है कि क्या यह बीमारी इंसानों से इंसानों में फैल सकती है। नया मामला मेक्सिको के दक्षिणी राज्य चियापास के अकाकोयागुआ की नगर पालिका की 77 वर्षीय महिला में पाया गया। अधिकारियों ने कहा कि उसकी हालत स्थिर है और उसे एंटीबायोटिक उपचार दिया जा रहा है।

क्या इंसानों को स्क्रूवर्म मिल सकता है?

न्यू वर्ल्ड स्क्रूवॉर्म मायियासिस आम तौर पर पशुओं की बीमारी है, लेकिन यह मनुष्यों को भी प्रभावित कर सकती है । मध्य अमेरिका के वे देश जहां पहले एनडब्ल्यूएस को नियंत्रित किया गया था, वहां पशुओं और मनुष्यों में इसके मामलों में वृद्धि देखी जा रही है। एनडब्ल्यूएस दक्षिण अमेरिका और कैरिबियन में स्थानिक बीमारी है। हालांकि, इसके केस बहुत कम पाए जाते हैं। अभी तक इस बीमारी का प्रसार दूसरे महाद्वीपों पर कम ही देखा गया है।

क्या मायियासिस जानलेवा बीमारी है?

मक्खियां जब लार्वा को फैलाती हैं, तो व्यक्ति को मायियासिस हो सकता है, जो निम्न तरीकों से हो सकता है: कुछ मक्खियां अपने अंडे किसी व्यक्ति के घाव, नाक या कान पर या उसके आस-पास गिराती हैं, जिससे लार्वा व्यक्ति की त्वचा पर चिपक जाता है। कुछ प्रजातियों के लार्वा शरीर में गहराई तक चले जाते हैं और गंभीर क्षति पहुंचा सकते हैं, हालांकि इनसे मौत की संभावना बेहद कम होती है।

दुनिया को नई महामारी का कितना खतरा

सेंटर फॉर ग्लोबल डेवलपमेंट के अनुसार, महामारी की वार्षिक संभावना 2-3% है, जिसका अर्थ है कि अगले 25 वर्षों में एक और घातक महामारी की संभावना 47-57% है। सौभाग्य से, कोविड ने हमें कुछ सबक सिखाए हैं - अगर हम उन पर ध्यान दें - तो हमें अगली महामारी से निपटने में मदद मिलेगी। हालांकि, यह किसी भी प्रकार के रोगजनक में आ सकता है, लेकिन कुछ समूह दूसरों की तुलना में तेजी से प्रकोप पैदा करने की अधिक संभावना रखते हैं।

रोचक खबरें

ऊपर छात्र करते थे पढ़ाई, नीचे था कब्रिस्तान खुदाई में मिले 250 इंसानी कंकाल!

लंदन। इतिहास वही है, जो हमारे होने से पहले से मौजूद है। हम इसके बारे में ज्यादा नहीं जानते। लेकिन. किताबों और किस्सों में ज़रूर सुनते हैं। कुछ घटनाएं तो इतिहास में वर्णित होती हैं । लेकिन. कुछ घटनाएं ऐसी भी हैं, जो कहीं दफ्न हो जाती हैं और हमें उनके बारे में पता ही नहीं होता। जब कभी उस जगह की खुदाई होती है, तो जमींदोज़ हुए सच भी सामने आने लगते हैं। कुछ ऐसा ही हुआ ब्रिटेन में। पुरातत्व एजेंसी की ओर से एक बहुत ही अनोखी खोज की गई है। उन्होंने ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोसेस्टरशायर के सिटी कैंपस के नीचे से इंसानी कंकालों की पूरी खेप बरामद की है। पहले इस कैंपस को डेबेनहैम्स डिपार्टमेंट स्टोर की ओर से कब्ज़े में रखा गया था, जहां से इतिहास का महत्वपूर्ण टुकड़ा खोज निकाला गया है। यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोसेस्टरशायर के सिटी कैंपस को बढ़ाने की कवायद साल 2023 से चल रही है। यहां जब खुदाई हुई, तो नीचे से मध्यकालीन युग की एक चर्च मिली और बहुत सी कब्रें भी मिलीं। ये कब्रें सेंट एल्डेट्स चर्च से जुड़ी हुई मानी जा रही हैं, जो 1650 तक वहां मौजूद थी। यहां लाइमस्टोन और ब्रिक फाउंडेशन भी मिली हैं। ज़मीन के अंदर करीब 150 कब्रें हैं, जिनमें 317 कंकाल पाए गए हैं। सबसे हैरानी की बात ये है कि इनमें से इंसानों के कुल 250 कंकाल मिले हैं।

बाघ ने अजगर खाया, फिर घास खाकर पेट किया ठीक

लखनऊ। इंटरनेट और सोशल मीडिया के ज़माने में हमें बहुत कुछ देखने को मिल जाता है। इनमें से कुछ ऐसा भी होता है, जिसे हम देखना चाहते हैं तो कुछ ऐसी भी चीज़ें होती हैं, जिनमें दिलचस्पी नहीं होने के बाद भी हम देख लेते हैं। इस वक्त एक ऐसा वीडियो वायरल हो रहा है, जो वाइल्डलाइफ से जुड़े हुए एक बड़े मिथक को तोड़ने वाला है आपने लोगों को ये कहते हुए तो सुना होगा कि शेर और बाघ कभी घास नहीं खाते। हालांकि, आज हम आपको जो वीडियो दिखा रहे हैं, उसे देखने के बाद तो आप इस पर यकीन नहीं करेंगे। यहां पर आपको एक टाइगर बाकायदा घास चरते हुए दिखाई दे रहा है और ये नज़ारा किसी को भी चौंकाने के लिए काफी है।

COURTYARD BY MARRIOTT Bilaspur

Courtyard by Marriott Bilaspur
City Mall 36, Mangla Chowk,
Bilaspur Chhattisgarh 495001
Contact No. 9826008030

TENDER NOTICE

Sealed tenders are invited for Annual supply contract in the following categories to courtyard by Marriott located in Bilaspur, Chhattisgarh 495001 for the period of 12 months (Twelve months) commencing from -- 01st of June 2024 to 31st of May 2025.

FOOD & BEVERAGE ITEMS:
1. Provision, Spices and Groceries & Dry Fruits 2. Tinned, Canned & Bottled Food Products 3. Fresh Vegetables and Fruits 4. Exotic Vegetable and Fruits 5. Mutton & Mutton Products, 6. Frozen Veg & Meat Products 7. Fresh Milk & Dairy Products 8. Indian & Imported Cut Meats 9. Fish and Seafood Products 10. Chicken and Poultry Products and Farm Eggs 11. Indian and Imported Cheese 12. Sweets and Savories 13. Ice-cream and Kulfi 14. Bread and Bakery Products

GENRAL ITEMS & SERVICES:
1. Office General Printing & Stationery / Flex printing 2. Housekeeping. Laundry and Cleaning Supplies 3. Gel Fuel/Charcoal 4. Gas/HSD. 5. Florist and Flower Arrangement 6. Hiring of AV Equipment 7. Safety Equipment 8. Courier Services 9. Electrical, Plumbing & Hardware consumables 10. Manpower Security Guards, Valet Drivers, KST/HK/ODC Boys. Carpenter, Painter, Courier Services, Gas Service, Pest Control 11. Housekeeping Guest Amenities 12. Paper Napkins & Paper Products 13. Hiring of Banquet Equipment (Crockery, Cutlery, Glassware, Kitchen Utensils, Table, Chair) 14. Uniform Supplies

Tender forms are available in the **Purchase Office, Courtyard by Marriott | City Mall36 Chhattisgarh -495001**, from the **Monday to Friday between 10:00 AM to 05:00 PM** with the payment of **INR 500/-** for each Category (Non-Refundable). Sealed tenders must be addressed to "The Tender Committee **'CITY MALL VIKASH PVT LTD'**. The last date for submission of filled tender forms was **25th May 2024**.
All Tenders proposing to apply should be compliant with FSSAI Act/Rules and other Govt. regulations as applicable. Please also attach copy of the FSSAI license along your offer.
THE TENDER COMMITTEE RESERVES THE RIGHT TO ACCEPT/REJECT THE TENDERS IN FULL OR IN THE PART WITHOUT ASSIGNING ANY REASON WHATSOEVER.

दुनिया के सबसे अजीबोगरीब अंधविश्वास! जिंदगी मौत से जुड़ती हैं चीजें, करोड़ों लोग करते हैं फॉलो!

लंदन। लोग बचपन से ही कुछ ऐसा करते आए हैं, जिसे शुभ-अशुभ से जोड़ा जाता है।उस काम को करने का लॉजिक भी शायद सोचा या पूछा जाता होगा। बस दुनिया कर रही है, इसलिए हम कर रहे हैं या बड़े बूढ़े करते आए हैं तो हम भी फॉलो करने लगे। अधिकांश काम हम बिना सोचे-समझे करते हैं- जैसे रात में नाखून न काटना, सौभाग्य की कामना के लिए 'टच वुड' बोलते हुए लकड़ी को छूने जैसी अनगिनत चीजें किसी न किसी मान्यता का हिस्सा होती है। अंधविश्वास हो या गुड लक की उम्मीद, हो सकता है कि ऐसा करने से दिमाग को वाकई कुछ सुकून मिल जाता हो। लेकिन, वैज्ञानिक और तर्कशास्त्री इसे अंधविश्वास बताते हैं।

दूध उबलकर जमीन पर गिरना

भारत में दूध के गिरने से जुड़ी तमाम मान्यताएं हैं। खासकर दूध उबलकर

जमीन पर गिरने को आमतौर पर अशुभ माना जाता है, खासकर अगर ऐसा बार-बार हो. वास्तु शास्त्र के अनुसार, दूध चंद्रमा का प्रतीक है और उबलकर गिरने से चंद्र दोष लग सकता है, जिससे मानसिक और आर्थिक परेशानियां हो सकती हैं। हालांकि, अगर भगौने में से दूध उबलकर बाहर गिर जाए तो यह भी घर में सुख-शांति, संपत्ति, मान और वैभव के संकेत हैं।

सीढ़ी से शगुन-अपशगुन

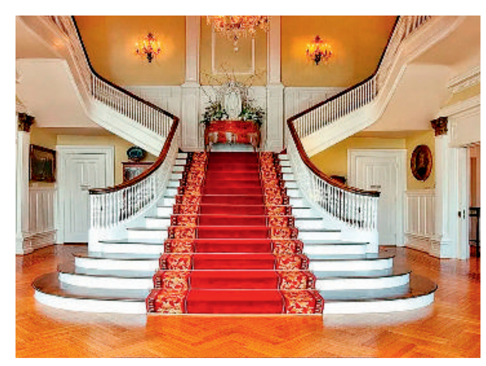

कभी भी सीढ़ी के नीचे न चलें. ये अंधविश्वास प्राचीनकाल से मिस्रवासियों के बीच मशहूर रहा है। वे लोग त्रिभुजों को पवित्र मानते थे, दीवार के सहारे खड़ी सीढ़ी त्रिभुज बनाती थी। इसलिए, ऐसा मानना था कि इसके बीच से गुजरने से पवित्र आकृति टूट जाती है तो दुर्भाग्य आता है। बहुत पहले, फांसी की सजा पाए लोगों को सीढ़ी पर चढ़ने को कहा जाता था और फिर माना जाता था कि मृत्यु के बाद उनकी आत्माएं उसी सीढ़ी से नीचे उतरती थीं। इसलिए किसी सीढ़ी के नीचे से गुजरने का मतलब था कि आप भूत से टकरा सकते हैं। ऐसे में आपको सीढ़ी के नीचे से न जाने की सलाह दी जाती है।

काली बिल्लियां और दुर्भाग्य

अमेरिका और कुछ अन्य पश्चिमी देशों में, काली बिल्ली का आपके रास्ते में आना अभी भी दुर्भाग्य का संकेत माना जाता है। लेकिन, हमेशा ऐसा नहीं था। प्राचीन मिस्र में के लोग बिल्लियों को प्यार करते थे। यहां तक कि उनकी पूजा भी की जाती थी।

सीटी बजाना

दक्षिण कोरिया में माना जाता है कि रात में सीटी बजाने से भूत या बुरी आत्माएं आकर्षित होती हैं। इसलिए, लोग अंधेरा होने के बाद शोर मचाने खासकर सीटी बजाने से बचते हैं। इसके साथ ही आप किसी भी काम को करते समय किसी का नाम लाल स्याही से न लिखें।

एडवांस में बर्थडे विश न करें!

जर्मनी में, किसी को जन्मदिन से पहले जन्मदिन की बधाई देना अपशकुन माना जाता है, क्यों? दरअसल बहुत पहले, लोगों का मानना था कि बुरी आत्माएं शुभकामनाएं सुन सकती हैं। ऐसे में वह उन्हें बर्बाद करने की कोशिश करेंगी। यहां तक कि किसी के जन्मदिन पर भी उन्हें सावधान रहना पड़ता है। खासकर टोस्ट बनाते समय और ग्लास टकराते समय लोगों की आंखों में सीधे देखना चाहिए। अगर ऐसा नहीं किया तो माना जाता है कि आपकी लव लाइफ सात साल के लिए शापित हो जाती है। जर्मनी में ही बहुत पहले, माना जाता था कि ये टोटका, जहर की जांच करने में मददगार हो सकता है।

स्वीडन में मेनहोल का ध्यान रखें : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक स्वीडन में मेनहोल के ढक्कन को भी शुभ-अशुभ से जोड़कर देखा जाता है।

एक कॉस्मेटिक से बची आज के इंसानों की जान!

41 हजार साल पहले आई थी कयामत बन गया था वजूद पर खतरा

न्यूयार्क। मानव इतिहास में होमोसोपियन्स ही इंसानी पूर्वजों और उनके जनदीकी संबंधियों में बचे रह गए। आज पुरातत्वविद बताते हैं कि एक समय होमोसेपियन्स के साथ ही पृथ्वी पर नियएंडरथॉल और कुछ अन्य प्रजातियां भी एक साथ रहती थीं। वहीं, इस दौर में 41 हजार साल पहले एक समय ऐसा भी आया था जब सौर विकिरण बहुत ही ज्यादा बढ़ गया था। इससे मानव जातियों पर कयामत ही आ गई थी। बचने के लिए होमोसेपियन्स ने कुछ बहुत ही कारगर तरीके अपनाए थे, जिनमें एक कॉस्मेटिक और कपड़ों का इस्तेमाल भी शामिल था। वे तो बच गए, लेकिन निएंथरथॉल दुनिया से ही खत्म हो गए थे।

ध्रुव का पलटना

पृथ्वी का उत्तरी ध्रुव हर कुछ सालों में पलटता है और ऐसा अब तक 180 बार हो चुका है। 41 हजार साल पहले भी ऐसा हुआ हथा और उस समय यह ध्रुव यूरोप के ऊपर था। यह प्रक्रिया पूरी नहीं हुई थी और इस समय पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड बहुत ही कमजोर थी। यही वजह थी की पृथ्वी के बहुत सारे हिस्से में पराबैंगनी विकिरण आने लगा था। जिससे पृथ्वी पर रहने वालों के लिए हालात बहुत ही खराब हो गए थे।

क्या था वह सन्सक्रीम

अध्ययन में पाया गया कि होमोसेपियन्स उस समय ओकरे नाम के एक खनिज खोज चुके थे जिसका एक अहम गुण हानिकारक सूर्य की किरणों से बचाव कर पाना था। यानि वे इसे एक सन्सक्रीन जैसे कॉस्मेटिक की तरह इस्तेमाल करते थे। इसके अलावा होमेसेपिन्यस ने ना केवल गुफाओं की शरण ली, बल्कि कपड़ों के इस्तेमाल से भी उन्हें काफी मदद मिली। शोध के प्रमुख लेखक अंग्नित मुखोपाध्याय ने पृथ्वी के मैग्नेटिक फील्ड और उसके सूर्य के प्लाज्मा से टकराव का अध्ययन किया जब पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ड में बदलाव हुआ था, यानी जब उत्तरी ध्रुव खिसका था, तब मैग्नेटिक फील्ड आज की तुलना में केवल 10 फीसदी थी और भूमध्य रेखा पर तो सबसे कमजोर थी। इसी समय को लासचैम्प्स एक्सकूज़न कहते हैं। उसी दौर में इंसानों में बदलाव हुए, ओकरे यानी सन्सक्रीन्स का इस्तेमाल बढ़ा। सिले हुए कपड़े ज्यादा पहने जाने लगे।

क्या हुआ था 41 हजार साल पहले

41 हजार साल पहले पृथ्वी पर एक बड़ी घटना हुआ थी। उस समय पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव में बदलाव देखने को मिला था। इसकी वजह से पृथ्वी की मैग्नेटिक फील्ट बहुत ही कमजोर हो गई थी, जिससे सूर्य की हानिकारक किरणें पृथ्वी के वायुमडंल के भेद कर उसकी सतह पर आने में सफल हो गईं थीं। **कॉस्मेटिक ने बचाया** : साइंस एडवांसेस में प्रकाशित अध्ययन में मिशिगन इंजिनियरिंग और एंथ्रोपोलॉजी के यू-एम विभाग के मुताबिक उस भायनक दौर में होमोसेपियन्स सिर्फ इसलिए बच पाए, क्योंकि वे सनस्क्रीन और कपड़ों का इस्तेमाल करना जानते थे और इस विकिरण से बचने के लिए गुफाओं का भी सही से इस्तेमाल कर सके थे।

डॉक्टर्स सजेशन
डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

लॉन्ग सिटिंग जॉब से जब हो कमर में दर्द

मेरी उम्र 29 वर्ष है। मेरी सिटिंग जॉब है। पिछले कुछ दिनों से मेरी कमर में दर्द हो रहा है। यह दर्द खड़े होने और चलने-फिरने पर अधिक बढ़ जाता है। कृपया मेरी इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-केतन, रोहतक

जैसा आप बता रहे हैं कि आपकी लंबी सीटिंग वाली जॉब है। इस तरह की जॉब वाले कई लोगों को ऐसी समस्या से रूबरू होना पड़ता है। इसका स्थाई समाधान पाने का तरीका है कि सबसे पहले आप एक साथ लंबी सिटिंग ना करें। सिटिंग के दौरान कुछ-कुछ समय के गैप पर सीट से उठकर चलते-फिरते रहें। साथ ही आप किसी फिजियोथैरेपिस्ट से संपर्क कर लें। वह आपको कुछ कमर की एक्सरसाइज बताएंगे, उसे नियमित रूप में आप सुबह-शाम करिए। एक्सरसाइज से ही स्थायी समाधान मिल पाएगा। वजन उठाने वाला और आगे झुकने वाला काम बिल्कुल ना करें। ज्यादा समस्या हो रही हो तो जरूर आप एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क कर सकते हैं।

मेरी उम्र 24 वर्ष है। गर्मी आते ही मेरे चेहरे पर कील-मुंहासे, दाने निकलने लगते हैं। कृपया कुछ ऐसा उपाय बताएं, जिससे इस बार मेरी स्किन कील-मुंहासों से बची रहे।

-सूरज, रायपुर

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपको धूप और गर्मी से एलर्जी है। जिस वजह से आपको ऐसी समस्या होती है। कोशिश करें कि आप धूप और गर्मी में कम से कम बाहर निकलें। एक बार आप त्वचा रोग विशेषज्ञ से भी संपर्क कर लें। वह आपको कोई क्रीम और साबुन बता देंगे, जिनका उपयोग आप नियमित रूप में करें। बगैर डॉक्टर से सलाह लिए बाजार से कोई भी क्रीम या साबुन का इस्तेमाल ना करें।

मेरी उम्र 53 वर्ष है। तीन साल पहले मैंने पाइल्स का ऑपरेशन करवाया था। पहले तो ठीक था, लेकिन पिछले कुछ दिनों से मुझे फिर दर्द हो रहा है। क्या मुझे फिर से इसका ऑपरेशन करवाना पड़ सकता है?

-एक पाठक, ईमेल से

एक बार आपको सर्जन से संपर्क करना चाहिए क्योंकि बगैर जांच किए कुछ भी कहना ठीक नहीं है। कई बार ऑपरेट किए गए मस्से में फिर से परेशानी हो जाती है। जिस डॉक्टर ने ऑपरेशन किया था उसी से संपर्क करें तो बेहतर होगा।

मेरी उम्र 60 वर्ष है। मेरा पेट हमेशा भरा-भरा सा महसूस होता है। तय समय के हिसाब से खाना खा तो लेता हूं, लेकिन ठीक से भूख नहीं लगती। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए?

-राज किशोर, बेमेतरा

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आपकी पाचन क्रिया प्रभावित है। सबसे पहले आप अपना खान-पान सुधारें। खाने में अधिक तला-भुना और मिर्च-मसाले वाला खाना ना खाएं। दोपहर के खाने में सलाद, दही और पपीता जरूर शामिल करें। रात का खाना हल्का लें। पानी भी पर्याप्त मात्रा में पिएं। इससे आपको राहत मिलेगी। इससे भी राहत ना मिले तो एक बार गेस्ट्रोएंटरोलॉजिस्ट डॉक्टर से कंसल्ट कर लें।

मेरी उम्र 45 वर्ष है। मेरे पेट में दाईं तरफ अकसर बहुत तेज दर्द होने लगता है। पेनकिलर लेने पर तत्काल राहत तो मिल जाती है, लेकिन फिर यह दर्द कभी भी शुरू हो जाता है। कृपया बताएं कि ऐसा क्यों होता है?

-अक्षय, बिलासपुर

बगैर जांच किए इस संबंध में कुछ भी कहना ठीक नहीं है। आप डॉक्टर से संपर्क करें और पेट का अल्ट्रासाउंड करा लें, जिससे इस दर्द का कारण पता चलेगा। क्योंकि कई बार स्टोन की वजह से भी इस तरह की समस्या आती है। इसलिए बेहतर होगा कि आप डॉक्टर से संपर्क कर लें। कारण जानने के बाद ही इलाज करना संभव होगा। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल
sehatharibhoomi@gmail.com **पर ई-मेल कर सकते हैं।**

डॉक्टर एडवाइस
डॉ. नरेश कुमार
सीनियर फिजीशियन
एलएनजेपी अस्पताल, दिल्ली

गर्मी के मौसम में मच्छरों का प्रकोप बढ़ जाता है। उनमें से कुछ मच्छरों के काटने से खतरनाक बीमारियां हो सकती हैं। जिनके उपचार में कोताही बरतने पर ये बीमारियां जानलेवा भी साबित होती हैं। मादा एनोफिलीज मच्छर के काटने से होने वाली एक संक्रामक बीमारी है-मलेरिया। सही समय पर उपचार ना कराने से यह रोग भी जानलेवा साबित हो सकता है।

स्पेशलः वर्ल्ड मलेरिया डे, 25 अप्रैल

हालांकि पहले के मुकाबले देश-दुनिया में मलेरिया का प्रकोप कम हुआ है लेकिन अभी भी हर साल लाखों लोग इससे ग्रसित होते हैं। इसके प्रति जागरूकता फैलाने के लिए ही हर वर्ष मलेरिया दिवस मनाते हैं। इस अवसर पर हम आपको यहां विस्तार से बता रहे हैं कि यह रोग कैसे होता है, इसके लक्षण क्या हैं, इसका उपचार कैसे होता है और इससे बचने के क्या तरीके हैं?

मच्छरजनित खतरनाक रोग मलेरिया
बरतें पूरी सावधानी-रहें सुरक्षित

ऐसे होता है मलेरिया संक्रमण

मलेरिया रोग, मादा एनोफिलीज मच्छर के सलाइवा में मौजूद प्लाज्मोडियम परजीवी के संक्रमण से होता है। प्लाज्मोडियम की कई किस्में होती हैं- प्लाज्मोडियम वाइवेक्स, प्लाज्मोडियम फैल्सीफेरम, प्लाज्मोडियम ओवेल, प्लाज्मोडियम मलेरी। इनमें प्लाज्मोडियम फैल्सीफेरम से होने वाला मलेरिया बहुत खतरनाक और जानलेवा हो सकता है। मलेरिया के इन परजीवियों के संक्रमण का एक निश्चित चक्र होता है। मलेरिया पीड़ित व्यक्ति से एनोफिलीज मच्छर में और संक्रमित मच्छर से स्वस्थ व्यक्ति में। मादा एनोफिलीज मच्छर जब किसी मलेरिया के रोगी को काटती है तो उस व्यक्ति के खून में मौजूद मलेरिया के प्लाज्मोडियम परजीवियों को भी चूस लेती है और खुद भी संक्रमित हो जाती है। मच्छर के शरीर में पहुंचे मलेरिया के परजीवी 8-10 दिन में मलेरिया फैलाने में सक्षम हो जाते हैं। जब ये संक्रमित मच्छर किसी स्वस्थ व्यक्ति को काटते हैं, तो अपनी लार के साथ मलेरिया परजीवी उस व्यक्ति को संक्रमित कर देते हैं। ये परजीवी स्वस्थ व्यक्ति के लीवर में पहुंच कर तेजी से फैलने लगते हैं और ब्लड में पहुंच कर रेड ब्लड सेल्स को प्रभावित कर नष्ट करने लगते हैं। जिससे ब्लड प्लेटलेट्स कम होने लगते हैं और संक्रमित व्यक्ति मलेरिया की चपेट में आ जाता है। मच्छरों के काटने के अलावा मलेरिया के ये परजीवी गर्भवती महिलाओं के ब्लड से नवजात शिशुओं को भी संक्रमित कर सकते हैं। ब्लड ट्रांसप्लांट या डिस्पोजेबल इंजेक्शन का इस्तेमाल ना करने की स्थिति में भी एक स्वस्थ व्यक्ति को अपना शिकार बना सकते हैं।

प्रमुख लक्षणः मलेरिया के लक्षण इस बात पर निर्भर करते हैं कि पीड़ित व्यक्ति को इंफेक्शन किस मच्छर से और किस लेवल का हुआ है? अपने देश में ज्यादातर मलेरिया, प्लाज्मोडियम वाइवेक्स से फैलता है। एनोफिलीज मच्छर के काटने के 10 से 14 दिन बाद मलेरिया के लक्षण दिखने शुरू हो जाते हैं। ये लक्षण फ्लू से मिलते-जुलते हो सकते हैं। इनमें शामिल हैं-

- बहुत तेज बुखार आना, विशेषकर ठंड लगकर कंपकंपी के साथ 3-4 घंटे के लिए 102-103 डिग्री फारेनहाइट तक बुखार आना। बुखार उतरते समय मरीज को बहुत अधिक पसीना आना। यह साइकिल 24 घंटे में दो-तीन बार रिपीट होता है और कुछ को 48 घंटे में। इस तरह बुखार का उतार-चढ़ाव व्यक्ति के इम्यून सिस्टम को प्रभावित करता है।
- शरीर में खून की कमी होना।
- बहुत ज्यादा कमजोरी और थकान महसूस होना।
- शरीर की मांसपेशियों में दर्द होना।
- पेट में दर्द होना और उल्टी आना।
- हाथ-पैर में ऐंठन होना।
- स्थिति गंभीर होने पर तेज सिर दर्द होना।
- उल्टी, दस्त, डायरिया होना।
- सांस लेने में दिक्कत होना।
- बेहोशी आना।
- लो ब्लड शुगर और यूरिन में खून आना।
- दिमागी सूजन से झटके आना, दौरे पड़ना, बेहोश होना।

ना बरतें लापरवाहीः अकसर मलेरिया के बुखार को साधारण फ्लू समझकर अनदेखा कर दिया जाता है। इससे मलेरिया का पता तब चलता है, जब इंफेक्शन बहुत ज्यादा बढ़ चुका होता है। ऐसे में शुरुआती लक्षणों को नजरअंदाज करने पर मलेरिया जानलेवा हो सकता है।

जांच का तरीकाः मलेरिया की जांच के लिए मूलतया माइक्रोस्कोपिक ब्लड टेस्ट किया जाता है। मरीज की मलेरिया स्क्रीनिंग के लिए रैपिड डायग्नोस्टिक टेस्ट किया जाता है, जिससे मलेरिया कंफर्म हो जाता है। ब्लड पैरीफेरल स्मीयर टेस्ट किया जाता है यानी माइक्रोस्कोप के माध्यम से ब्लड में मलेरिया पैरासाइट की किस्म की जांच की जाती है, जिसके मुताबिक इलाज किया जाता है। मलेरिया की जांच के लिए कार्ड टेस्ट (गर्भवती महिलाओं), पॉलीमेरास चेन रिएक्शन टेस्ट (डीएनए की जांच), कंप्लीट ब्लड काउंट टेस्ट (ब्लड प्लेटलेट्स की जांच), इम्यून-लॉजिकल ऑप्टिमल टेस्ट (परजीवी द्वारा बनाए गए एंटीजेन) भी कराए जाते हैं। अगर रोगी के ब्लड प्लेटलेट्स डेढ़ लाख से कम हैं और मलेरिया के लक्षण हैं, तो ट्रीटमेंट तुरंत शुरू कर दिया जाता है।

कैसे किया जाता है ट्रीटमेंटः अगर समय रहते उपचार शुरू कर दिया जाए, तो मलेरिया पर काबू पाना मुश्किल नहीं है। स्थिति के आधार पर मरीज को मेडिसिन दी जाती हैं। शुरुआती अवस्था में 3-5 दिन के लिए एंटी मलेरियल मेडिसिन दी जाती हैं, जैसे- क्लोरोक्विन, प्राइमाक्विन, डोक्सीसीलाइन एमेफ्लोक्विन। स्थिति गंभीर होने पर मरीज को आईसीयू में एडमिट करना पड़ सकता है और एसिंप्टोमैटिक उपचार किया जाता है। मलेरिया के लिए आरटीसुनेट और क्विनिन मेडिसिन दी जाती हैं। सेरेब्रल मलेरिया के कारण दिमाग में सूजन और झटकों को कम करने की दवाइयां भी दी जाती हैं। गर्भवती महिला को मलेरिया की पुष्टि होने पर स्त्री रोग विशेषज्ञ की सलाह पर तुरंत उपचार शुरू कर दिया जाता है। इम्यूनिटी मजबूत करने के लिए उन्हें आयरन और विटामिंस की अतिरिक्त खुराक देनी पड़ती है।

कैसे करें बचावः चूंकि मलेरिया से बचने के लिए फिलहाल कोई वैक्सीन उपलब्ध नहीं है। जरूरी है, मलेरिया के कारक मच्छरों से बचा जाए और मच्छरों से बचाव के लिए खुद पर ध्यान देने के साथ आस-पास के वातावरण पर भी ध्यान देना जरूरी है-

- मलेरिया फैलाने वाले मच्छर गंदे पानी में पनपते हैं। इसलिए गमलों, कूलर में या घर के आस-पास पानी इकट्ठा न होने दें और साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। गड्ढे वगैरह हों तो मिट्टी, पत्थर से भर दें। जमा हुए पानी में मच्छरों को पनपने से रोकने के लिए ऑयल स्प्रिंकल करें। नालियों, गटर में नियमित तौर पर डीडीटी, बीएचसी पाउडर जैसे कीटनाशक दवाइयों या फिर केरोसिन का छिड़काव करें।
- दरवाजे, खिड़कियों, रोशनदानों या एग्जॉस्ट फैन चिमनियों पर जाली वाले दरवाजें लगवाएं ताकि मच्छर घर में ना आ सकें।
- मॉस्किटो-रेप्लेंट, कॉयल या वेपराइजर्स का इस्तेमाल करें।
- फुल स्लीव्स और फुल लेंथ के कपड़े पहनें। बच्चों का खास ध्यान रखें। शाम को बाहर या पार्क में खेलते समय ऐसे ही कपड़े पहनाएं।
- मुंह, हाथों या शरीर के दूसरे खुले अंगों पर एंटी मॉस्किटो क्रीम या सरसों, नीम, नीबू, लैवेंडर जैसे तेल लगाएं।
- सोते समय केमिकलयुक्त मॉस्किटो-कॉयल या रेप्लेंट इस्तेमाल करने के बजाय यथासंभव मच्छरदानी का इस्तेमाल करें। छोटे-बड़े सभी को मच्छरदानी लगाकर सोने की आदत डालें।
- घर के अंदर तुलसी, पुदीना, अजवायन, मेहंदी, लेमनग्रास, गेंदा, चमेली जैसे औषधीय पौधे लगाएं। इनकी महक से मच्छर दूर भागते हैं।
- ऐसी जगह पर जाने से बचें, जहां पर मच्छर ज्यादा हों। *

प्रस्तुतिः रजनी अरोड़ा

कारगर घरेलू उपचार

मलेरिया होने पर शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए कई किस्म की जड़ी-बूटियों का सेवन कारगर होता है।

नीम की पत्तियों का काढ़ाः 4-5 नीम की पत्तियों को पानी में उबालकर पीएं। यह संक्रमण से लड़ने में मदद करता है।

गिलोय का रसः यह रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है, दिन में एक बार 10-15 एमएल गिलोय का रस पी सकते हैं।

तुलसी-अदरक की चायः तुलसी, अदरक और काली मिर्च डालकर बनी चाय मलेरिया में बहुत लाभकारी होती है।

पपीते के पत्तों का रसः पपीते के पत्तों का रस, प्लेटलेट्स बढ़ाने और शरीर को डिटॉक्स करने में मदद करता है। **-डॉ. माजिद अलीम**

आहार
शिवचरण चौहान

वैसे तो दही और छाछ का सेवन स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता ही है। लेकिन गर्मी के मौसम में दही का सेवन पाचन के लिए विशेष रूप से फायदेमंद होता है। पाचक, शीतल दही के स्वास्थ्यकर गुणों के बारे में जानिए।

इस मौसम में खाएं दही आपका पेट रहेगा सही

आमतौर पर गाय या भैंस के दूध से दही जमाया जाता है। दही को मथकर मही यानी मट्ठा या छाछ बनता है। गर्मी के मौसम में दही और मट्ठा दोनों का सेवन हमारे स्वास्थ्य, विशेष रूप से पाचन तंत्र के लिए बहुत लाभप्रद होता है।

उपस्थित पोषक तत्वः वैज्ञानिकों के अनुसार दही के रासायनिक संगठन में 89.1 प्रतिशत पानी तथा 9 प्रतिशत ठोस भाग होता है। ठोस हिस्से में फैट 4%, लेक्टोज 2.9 प्रतिशत, प्रोटीन 0.8 प्रतिशत तथा कैल्शियम, फॉस्फोरस, आयरन, विटामिन ए, बी और सी के भी पर्याप्त अंश पाए जाते हैं।

गुणों का भंडारः दही एक पूर्ण पौष्टिक आहार है और हर कहीं आसानी से उपलब्ध हो सकता है। आयुर्वेद के अनुसार दही रुचिकर, भूख बढ़ाने वाला, स्निग्धता प्रदान करने वाला, पाचन में सहायक, वात नाशक, विषनाशक, यकृत की शक्ति बढ़ाने वाला, बवासीर और अन्य उदर रोगों के लिए लाभप्रद होता है। दही, हृदय और मस्तिष्क को शक्ति प्रदान करने वाला और आंतों की सफाई करने में भी सहायक होता है। अमेरिका के प्रो. जार्ज बी. मान ने अनेक शोधों के बाद निष्कर्ष निकाला कि दही में एक ऐसा तत्व भी मौजूद होता है, जो रक्त में कोलेस्ट्रॉल को कम करके दिल के दौरे को रोकता है। इसीलिए हृदयरोगियों को प्रो. जार्ज सलाह देते हैं कि दही पर्याप्त मात्रा में नियमित खाना चाहिए।

पाचन रखे सहीः दही में दूध के सभी गुण मौजूद रहते हैं। दूध में पाए जाने वाले जीवाणु ही गर्मी पाकर जब बढ़ने लगते हैं। वे दूध में उपस्थित शर्करा को लैक्टिक अम्ल में तब्दील कर देते हैं। इससे दूध का प्राकृतिक मीठा स्वाद तो खट्टे स्वाद में परिवर्तित हो जाता है। लेकिन दूध में मौजूद अन्य गुण जैसे चिकनाहट और उसमें मौजूद पोषक तत्व जैसे- विटामिन ए और बी, प्रोटीन, कैल्शियम, फॉस्फोरस आदि विद्यमान रहते हैं। एक शक्तिदायक खाद्य पदार्थ होने के बावजूद यह मोटापा नहीं बढ़ाता। दही वीर्यवर्धक होता है और इससे पुरुषों के शुक्राणु पुष्ट होते हैं। यह हृदय, मस्तिष्क के समान ही यकृत को भी मजबूत बनाने में सहायक होता है। हमारा शरीर दही का 91 प्रतिशत भाग एक घंटे में सहजता से पचा लेता है। इस तरह यह अत्यंत पाचक है। वैज्ञानिकों के मुताबिक, आंतों के निचले हिस्से में ऐसे बैक्टीरिया होते हैं, जिनका भोजन पचाने में बड़ा योगदान होता है। ऐलोपैथी की अधिक दवाएं खाने से इन बैक्टीरिया की सक्रियता में कमी आ जाती है। इससे भोजन का पाचन सही रूप से नहीं हो पाता। दही में यह गुण होता है कि वह इन बैक्टीरिया को पुनः सक्रिय बना देता है, जिससे पाचन तंत्र सुचारु रूप से कार्य करने लगता है। दही शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी सहायक होता है। कुछ वैज्ञानिकों का तो ऐसा भी कहना है कि दही के नियमित सेवन करने से कैंसर को प्रारंभिक अवस्था में ही रोका जा सकता है।

स्वस्थ-दीर्घायु जीवनः माना जाता है कि दही के नियमित सेवन से व्यक्ति दीर्घायु होता है। रूस के जॉर्जिया प्रदेश की 50 लाख की आबादी में कई हजार लोग सौ वर्ष से अधिक की आयु में भी स्वस्थ-प्रसन्नचित्त रहते हैं। बुल्गारिया में भी हजारों लोग वृद्धावस्था में पूरे तौर पर सेहतमंद रहते हैं। माना जाता है कि वहां के लोग अनुशासित जीवनशैली, पौष्टिक आहार अपनाने के अलावा भरपूर मात्रा में दही का नियमित सेवन भी करते हैं।

ये भी हैं फायदेः दही को बहुत प्राचीनकाल से सिर धोने के लिए भी इस्तेमाल किया जाता रहा है। इससे केश मुलायम, घने, काले और लंबे होते हैं। बालों की जड़ों में दही को अच्छी तरह लगाकर स्नान करना चाहिए। दही की ठंडी मलाई पलकों पर लेप करने से गर्मी और जलन कम होती है। वजन कम होने की शिकायत होने पर दही में छुहारा, किशमिश, बादाम, पिस्ता, चिरौंजी आदि मिलाकर नियमित रूप से सेवन करने से वजन में पर्याप्त वृद्धि होती है। दही की इतनी उपयोगिता को देखते हुए दही का सेवन नियमित रूप से किया जाना बहुत ही फायदेमंद है। लेकिन मिलावटी दूध से बना दही नुकसान करता है, इसलिए दही की गुणवत्ता की जांच परख कर इसका सेवन करना चाहिए। *

छाछ भी है लाभदायक

गर्मियों में दही की लस्सी या छाछ का सेवन करना भी लाभकारी है। यह तृप्तिदायक शीतल पेय है। छाछ में दही के समान ही स्वास्थ्यवर्धक गुण पाए जाते हैं। छाछ के विभिन्न रोग-निवारक गुणों के कारण ही आयुर्वेद और यूनानी उपचार चिकित्सा पद्धति में इससे मंदाग्नि, आंतों की कमजोरी, पेचिश और दस्त आदि रोगों का उपचार किया जाता है। कब्जियत से छुटकारा पाने के लिए दही से बनी छाछ का नियमित रूप से सेवन करना चाहिए। इस छाछ में चुटकी भर काला नमक और पिसी अजवाइन भी डाला जा सकता है।

मेंटल हेल्थ

आज की जीवनशैली ऐसी हो गई है कि बच्चे, किशोर, युवा और वृद्ध हर उम्र के लोग तनाव और अवसाद से ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसे में इसकी वजहें और इनसे बचने के तरीकों के बारे में जानना बहुत जरूरी है।

हर उम्र के लोगों में बढ़ रही मेंटल प्रॉब्लम्स

आज के दौर में दुनिया भर में हर उम्र के लोगों में मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम्स लगातार बढ़ती जा रही हैं। इसकी प्रमुख वजहों के बारे में अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-काउंसिल एंड साइकोथेरेपी, **डॉ. नीलशा भेरवानी** बताती हैं, 'मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ने की प्रमुख वजहें तनाव, अनियमित दिनचर्या, सामाजिक दबाव, आर्थिक अस्थिरता, डिजिटल ओवरलोड और अकेलापन हैं। नींद की कमी, असंतुलित आहार, नशे की लत और शारीरिक गतिविधियों की कमी भी मानसिक बीमारियों को बढ़ावा देती हैं।' मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना आवश्यक है, इसके लिए सही दिनचर्या, योग-ध्यान, संतुलित आहार और संवाद को बढ़ावा देना जरूरी है। जागरूकता और समय पर इलाज से मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाया जा सकता है।

कॉमन मेंटल प्रॉब्लम्सः आजकल लोग कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रहे हैं, जिनमें प्रमुख रूप से डिप्रेशन, एंग्जायटी डिसऑर्डर, बाइपोलर डिसऑर्डर, ओसीडी (ऑब्सेसिव कंपल्सिव डिसऑर्डर), पोस्ट-ट्रॉमेटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर (पीटीएसडी) और इंसोम्निया (अनिद्रा) शामिल हैं। लंबे समय तक तनाव, अकेलापन, असंतुलित जीवनशैली और डिजिटल एडिक्शन इन समस्याओं को बढ़ा रहे हैं। युवाओं में सोशल मीडिया की वजह से आत्मविश्वास की कमी और एंग्जायटी बढ़ रही है, जबकि वयस्कों में वर्क-प्रेशर और आर्थिक चिंताओं से डिप्रेशन आम होता जा रहा है।

प्रमुख लक्षणः कोई व्यक्ति किसी मेंटल हेल्थ प्रॉब्लम से ग्रस्त है, इसकी पहचान के बारे में मेरठ स्थित छत्रपति शिवाजी सुभारती हॉस्पिटल में कंसल्टेंट-साइकेट्रिस्ट, **डॉ. रितिका** बताती हैं- किसी व्यक्ति के मानसिक रूप से अस्वस्थ होने की पहचान उनके व्यवहार, भावनाओं और शारीरिक लक्षणों से की जा सकती है। लगातार उदासी, चिंता, चिड़चिड़ापन, आत्मविश्वास में कमी, बिना कारण डर लगना, अत्यधिक नकारात्मक सोच, एकांतवास पसंद करना आदि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के संकेत हो सकते हैं। नींद न आना या ज्यादा सोना, भूख में कमी या वृद्धि, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और रोजमर्रा के कार्यों में रुचि खत्म होना भी लक्षण हो सकते हैं। बार-बार सिरदर्द, थकान और दिल की धड़कन तेज होना भी संकेत देते हैं। अगर ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें, तो तुरंत विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।

बचाव के तरीकेः मेंटली हेल्दी रहने के लिए संतुलित जीवनशैली अपनाना बेहद जरूरी है। नियमित योग, ध्यान और एक्सरसाइज मानसिक तनाव को कम करने में मदद करते हैं। संतुलित और पौष्टिक आहार शरीर के साथ दिमाग को भी स्वस्थ रखता है। पर्याप्त नींद (7-8 घंटे), सोशल कनेक्शन बनाए रखना, स्क्रीन टाइम कम करना और अपने शौक के लिए समय निकालना, मानसिक शांति बढ़ाता है। नकारात्मक सोच से बचें और जरूरत पड़ने पर दोस्तों, परिवार या मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से बात करें। अत्यधिक कैफीन, नशे और जंक फूड से दूरी बनाना भी मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

ऐसे करें उपचारः मेंटल प्रॉब्लम्स के उपचार के लिए श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली में सीनियर कंसल्टेंट-साइकोलॉजी, **डॉ. प्रशांत गोयल** सलाह देते हैं, 'मेंटली अनफिट व्यक्ति के उपचार में थेरेपी जैसे काउंसलिंग, मेडिटेशन, दवाएं और लाइफस्टाइल चेंज मददगार हो सकते हैं। परिवार और दोस्तों का सहयोग बेहद जरूरी है। वे भावनात्मक सहारा देकर, बिना जज किए बात सुनकर और सकारात्मक माहौल देकर मरीज की रिकवरी में मदद कर सकते हैं। अगर कोई व्यक्ति लगातार उदास, चिंतित, अकेला महसूस कर रहा हो, रोजमर्रा के काम करने में असमर्थ हो या आत्मघाती विचार आ रहे हों, तो तुरंत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ से परामर्श लेना चाहिए।' मेंटल हेल्थ समस्या भी शारीरिक बीमारी की तरह गंभीर हो सकती है, इसलिए इलाज में देरी नहीं करनी चाहिए।

बच्चे-किशोर भी हो रहे ग्रस्तः आज के दौर में बच्चे और किशोर भी स्ट्रेस और डिप्रेशन का खूब शिकार हो रहे हैं। दरअसल, पढ़ाई का दबाव, सोशल मीडिया की तुलना, करियर की चिंता और पारिवारिक तनाव के कारण उनमें स्ट्रेस और डिप्रेशन बढ़ रहा है। इससे बचाने के लिए खुला संवाद, संतुलित दिनचर्या और भावनात्मक सहयोग जरूरी है। माता-पिता को बच्चों पर अत्यधिक प्रेशर डालने के बजाय उनकी भावनाओं को समझना चाहिए। डिजिटल डिटॉक्स, फिजिकल एक्टिविटी और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने से मानसिक स्वास्थ्य बेहतर होता है। स्कूल और समाज में मेंटल हेल्थ को लेकर जागरूकता बढ़ाई जानी चाहिए, ताकि बच्चे बिना डर अपने मन की बात साझा कर सकें और समय रहते मदद मिल सके। *

प्रस्तुतिः सेहत फीचर्स

पहलगाम में आतंकी अटैक के खिलाफ उठी आवाज

पहली फोटो) पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले से देशभर में गुस्सा है। बुधवार को देशभर में विरोध-प्रदर्शन हुए। कहीं कैंडल मार्च निकाला गया तो कहीं पाकिस्तान का, आतंकवाद का पुतला फूंका गया। अमृतसर, पंजाब में आतंकवादी हमले के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए लोग। गौरतलब है, इस आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई जबकि 13 लोग घायल हो गए।

कोलकाता

अगरतला

अनंतनाग

मुंबई

श्रीनगर

घाटी में 35 वर्ष में पहली बार इतना बड़ा शटर डाउन

जम्मू-कश्मीर के मिनी स्विट्जरलैंड कहे जाने वाले पहलगाम में हुए आतंकी हमलों ने 28 पर्यटकों की जान ले ली। पर्यटकों पर हुए वीभत्स हमले से स्थानीय लोगों में खासी नाराजगी देखी जा रही है। हमले के खिलाफ घाटी में आज बुधवार को बंद बुलाया गया है। अधिकारियों का कहना है कि घाटी में 35 साल में पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का ऐलान किया गया है। दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के विरोध में बंद का आह्वान का सभी क्षेत्रों के संगठनों ने समर्थन किया। इस हमले में कई पर्यटक घायल भी हुए हैं। आतंकी वारदात के बाद पूरी घाटी में सुरक्षा बढ़ा दी गई है, खासकर महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों पर।

हमले के विरोध में पूरा जम्मू-कश्मीर बंद

ज्यादातर दुकानें और प्रतिष्ठान बंद रहे- अधिकारियों ने बताया कि राजधानी श्रीनगर में ज्यादातर दुकानें, फ्यूल स्टेशन और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठान बंद रहे। उन्होंने बताया कि शहर भर में सिर्फ जरूरी वस्तुओं की दुकानें ही खुली रहीं। सड़कों पर पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी कम दिख रहा है लेकिन प्राइवेट गाड़ियां सामान्य रूप से चल रही हैं। हमले के असर स्कूलों पर भी पड़ा. अधिकारियों ने बताया कि पूरी घाटी में प्राइवेट स्कूल बंद कर दिए गए, हालांकि लेकिन सरकारी स्कूल खुले रहे।

मेधा पाटकर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी

आगरा। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत ने बुधवार को 'नर्मदा बचाओ आंदोलन' (एनबीए) की नेता मेधा पाटकर के खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया। अदालत ने दिल्ली के उपराज्यपाल वी के सक्सेना द्वारा दायर मानहानि के मामले में उन्हें परिवीक्षा बॉण्ड और एक लाख रुपये का जुर्माना जमा करने के लिए कहा था।

पहलगाम अटैक में बाल बाल बचे असम के प्रोफेसर

'मैं कलमा पढ़ सकता था, इसलिए बच गया'

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 घायल हो गए। आतंकवादियों ने पहलगाम घूमने आए पर्यटकों से उनके धर्म पूछकर गोलियां बरसाईं। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्हें कलमा पढ़ने के लिए भी कहा गया, जिससे उनके धर्म की पहचान हो सके। जिन्होंने कलमा पढ़ा, उन्हें आतंकियों ने छोड़ दिया। इसी तरह असम के एक हिंदू प्रोफेसर को भी आतंकियों ने गोली नहीं मारी, क्योंकि वह कलमा पढ़ सकते थे। इसके चलते असम यूनिवर्सिटी में बंगाली डिपार्टमेंट में एसोसिएट प्रोफेसर देबाशीष भट्टाचार्य की जान बच सकी।

देबाशीष भट्टाचार्य भी उस समय पहलगाम की बेसरन घाटी में अपने परिवार के साथ मौजूद थे, जिस समय आतंकी हमला हुआ। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए उन्होंने बताया, 'मैं अपने परिवार के साथ एक पेड़ के नीचे लेटा हुआ था। तभी मैंने सुना कि मेरे आसपास के लोग कलमा पढ़ रहे थे। यह सुनकर मैंने भी पढ़ना शुरू कर दिया। कुछ देर में आतंकी मेरी ओर बढ़ा और मेरे बगल में लेटे व्यक्ति के सिर में गोली मार दी।'

आतंकी ने पूछा क्या कर रहे हो?

देबाशीष ने बताया, 'इसके बाद आतंकी ने मेरी ओर देखा और पूछा कि क्या कर रहे हो? मैं और तेजी से कलमा पढ़ने लगा। इसके बाद वह किसी वजह से वहां से मुड़कर चला गया।' इसके बाद मौका पाते ही प्रोफेसर ने चुपचाप अपनी पत्नी और बेटे के साथ वहां से छिपकर निकल गए। लगभग दो घंटे तक चलते हुए और घोड़ों के पैरों के निशान को फॉलो करते हुए आखिरकार वह वहां से निकलने और होटल पहुंचने में कामयाब हो सके। भट्टाचार्य ने बताया कि उन्हें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है कि वह जिंदा हैं।

मां-बाप ने की इंसाफ की मांग

टट्टू चलाने वाले कश्मीरी आदिल ने भी गंवाई जान

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में कश्मीर के युवक सैयद आदिल हुसैन शाह की भी मौत हुई है। पहलगाम के पास अशमुकाम का रहने वाला सैयद आदिल हुसैन शाह वहां घोड़े (टट्टू) चलाया करता था। वह पर्यटकों को अपने घोड़े पर घुमाता और मजदूरी करता था। एएनआई से बात करते हुए उसके पिता सैयद हैदर शाह ने बताया कि मंगलवार को भी वह पहलगाम घोड़े चलाने के लिए ही गया हुआ था। तीन बजे उन्हें पता चला कि आतंकी हमला हुआ है। हमने जब (सैयद हुसैन शाह को) फोन किया तो फोन नहीं लगा। हमने थाने में जाकर शिकायत दर्ज करवाई। बाद में पता चला कि बेटे को भी गोली लगी है। आदिल के पिता ने कहा, हमें इंसाफ चाहिए... दोषियों को सजा मिलनी चाहिए। वो तो बेगुनाह था, आतंकियों ने बेगुनाह मार दिया। घर में सबसे बड़ा था, वो अकेला कमाने वाला था।

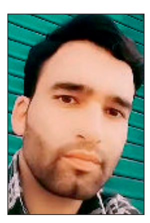

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)
द्वितीय निविदा विज्ञप्ति

नि.क्र.02/न.पा.नि./जोन क्र.08/2025-26 बिलासपुर दिनांक 22.04.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु मैन्युअल निविदा दिनांक 07/05/25 को सायं 4:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	प्राक्कलन राशि राशि (लाखों में)
1	वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु वार्ड क्र. 59 से 68 हेतु साउंड सिस्टम/ मुनादी आदि। (वार्षिक निविदा)	4.00
2	वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु वार्ड क्र. 59 से 68 हेतु टेंट व्यवस्था आदि। (वार्षिक निविदा)	8.00

निविदा से संबंधित अन्य जानकारी ज़ोन क्र.08 कार्यालय भवन सिटी बस डिपो प्रथम तल कोनी से अथवा निगम की वेबसाईट www.bilaspurnagarnigam.com से प्राप्त की जा सकती है।

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

ज़ोन आयुक्त, ज़ोन कार्यालय क्र.08
न.पा.नि. बिलासपुर (छ.ग.)

Public Works Department
Sector-19, North Block, Naya Raipur (C.G.)

E-Procurement Tender Notice
E-mail: tenders-pwd.cg@gov.in

NIT No. 040/TC/EinC/ PWD/2025-26 Dated- 21.04.2025

The Engineer-in-Chief, Public Works Department on behalf of **Governor of Chhattisgarh invites percentage rate bids** on electronic tendering system under **RCPLWE RRP-II** in the district of **Bijapur & Narayanpur** for construction of **02 High Level Bridges and** 01 road with estimated cost amounting **Rs 1405.30 Lacs** including their maintenance for five years from the contractors registered with unified registration system (e-registration) in Chhattisgarh. Non registered bidders may submit bid; however the successful bidder must get registered in appropriate class under ₹Unified Registration System (e-Registration) of Chhattisgarh before signing the agreement.

The bid document shall be available to bidders online free of cost and should be submitted online e-procurement system of government of Chhattisgarh in https://eproc.cgstate.gov.in. Bids form will be available on the website from 22.04.2025 and may be submitted up to 17:00 Hrs. on 05.05.2025

For participating in bidding process, bidders are required to register in the above web-site with nominal fee of Rs 500/- to be paid onine to service provider. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from authorized certifying authorities.

The bidders are required to submit (a) original bid security in approved form and (b) original affidavit duly verified and notarized as per clause 4.4 B (a) (ii) and 4.4 B (c) to **Chief Engineer, Tender Cell, First Floor, Nirman Bhawan, PWD, North Block, Sector-19, Naya Raipur Atal Nagar (C.G.) 492-002** as per provisions of bid document through Speed/ Registered post, failing which the bids shall be declared non-responsive. Detailed schedule of important dates may be seen on notice board of offices and also available on website of Public Works Department **http://pwd.cg.nic.in**

Chief Engineer
(Central Tender Cell)
Office of Engineer-In-Chief
P.W.D. Nava Raipur Atal Nagar (C.G.)

G.- 252600448/4

कार्यालय, नगर पालिक निगम, कोरबा (छत्तीसगढ़)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

क्र. 264/निर्माण/2025 दिनांक 15.04.2025

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु (Online) आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है:-

क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
1	वार्ड क्र. 24 दशहरा मैदान सामुदायिक भवन के पास शेड निर्माण व अन्य विस्तार कार्य (प्रभारी मंत्री मद) (प्रथम निविदा)	10.00	07.05.2025 (T.No. 167053)

उपरोक्त कार्यों की निविदा की जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है, साथ ही निगम के वेब साईट www.korbamunicipal.in पर भी देखी जा सकती है।

।। स्वच्छ भारत निर्माण में योगदान दें ।।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

राशिफल

मेष — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।

कन्या — मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च बढ़ेंगे।

तुला — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु — आशा-निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन-सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

बेल्जियम में चोकसी को झटका कोर्ट ने खारिज की जमानत याचिका

ब्रसेल्स। पंजाब नेशनल बैंक को लगभग 13,500 करोड़ रुपये का चूना लगाकर वर्ष 2018 से भारत से फरार हुआ घोटालेबाज मेहुल चोकसी की जमानत याचिका बेल्जियम की एक अदालत ने खारिज कर दी है। तीन जजों की पीठ ने सुनवाई के बाद जमानत न देने का फैसला सुनाया। इससे पहले चोकसी के भारतीय वकील विजय अग्रवाल ने जमानत की सुनवाई से पहले एंटवर्प में जेल में चोकसी से मुलाकात की। भारतीय अधिकारियों के अनुरोध पर चोकसी को पिछले सप्ताह बेल्जियम की पुलिस ने एंटवर्प में गिरफ्तार किया था। चोकसी बेल्जियम के एक अस्पताल में इलाज करा रहा था, जहां उसकी गिरफ्तारी हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत चोकसी के प्रत्यर्पण के लिए प्रयास कर रहा है।

शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद्
लोक शिक्षण संचालनालय ब्लॉक-सी, प्रथम तल, इन्द्रावती भवन
नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़ ई-मेल - cg.dpi.dir@gmail.com
फेक्स नं. 0771-242521, दूरभाष क्रं. 0771-2331385

क्रं. शी.मु.क.कौ.प.प./मु.कौ.प./ पुर्नमु-गणना/57/2025/450
नवा रायपुर दिनांक 22/04/2025

-: सूचना ::-

शीघ्रलेखन एवं मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद् की परीक्षाओं के लिए ऑनलाईन आवेदन करने की अंतिम तिथी 27.04.2025 तक वृद्धि किये जाने बाबत परिषद द्वारा वर्ष 2025-26 में आयोजित की जाने वाली हिन्दी / अंग्रेजी शीघ्रलेखन तथा हिन्दी / अंग्रेजी कम्प्यूटर मुद्रलेखन कौशल गति 5000, 8000 एवं 10000 की डिप्रेशन प्रतिघण्टा के मान से आयोजित की जाने वाली परीक्षाओं के विज्ञापन जारी किये जा चुके है। जिसमें उक्त परीक्षाओं के लिए ऑनलाईन आवेदन पत्र के लिए दिनांक 02/04/2025 से 22/4/2025 तक ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किये गये थे। सूदूर क्षेत्रों के अभ्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करने हेतु तिथि में वृद्धि करते हुए अब अंतिम तिथि 27/4/2025 तक निर्धारित की गई है।

परीक्षार्थी ऑनलाईन फार्म भरने संबंधी अन्य जानकारी के लिए वेबसाईट https://ctsp.cg.nic.in उपलब्ध है।

सचिव,
शीघ्रलेखन मुद्रलेखन कम्प्यूटर कौशल परीक्षा परिषद्
लोक शिक्षण संचालनालय
नवा रायपुर अटल नगर, छत्तीसगढ़

जी. 252600432/2

कार्यालय नगर पंचायत बलौदा, जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)

क्रमांक/145/ लो.नि.वि./ न.पं.ब./2025-26 बलौदा, दिनांक 22.04.2025

ई-प्रोक्योरमेंट प्रथम निविदा सूचना

नगर पंचायत बलौदा अंतर्गत 15 वें वित्त आयोग मद अंतर्गत टाईट ग्राण्ट मद से स्वीकृत कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रू. लाख में)	निविदा डाउनलोड / सबमिट करने की अंतिम तिथि
1	167284	Construction of C.C. Road At Ward Number 04 in Bandhwa Pond to Chotiya Bhantha. (15 Finance Fund).	37.74	13.05.2025 17:30 PM
2	167289	पुरैना तालाब का वर्षा जल संचयन एवं जल का पुर्नचक्रण कार्य।	49.80	13.05.2025 17:30 PM

निविदा की विस्तृत जानकारी UAD Portal: http://uad.cg.gov.in एवं Main Portal: https://eproc.cgstate.gov.in में अवलोकन एवं डाउनलोड किया जा सकता है।

1. Physical Doc. Submission End Date 16-05-2025 Time 15.30 PM

इस निविदा एवं निर्माण/विस्तार कार्य के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो सप्रमाणपत्र प्रकाशन से 15 दिवस के भीतर प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि में आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर नियमानुसार निर्माण कार्य कराया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत बलौदा

शब्द पहेली - 5846

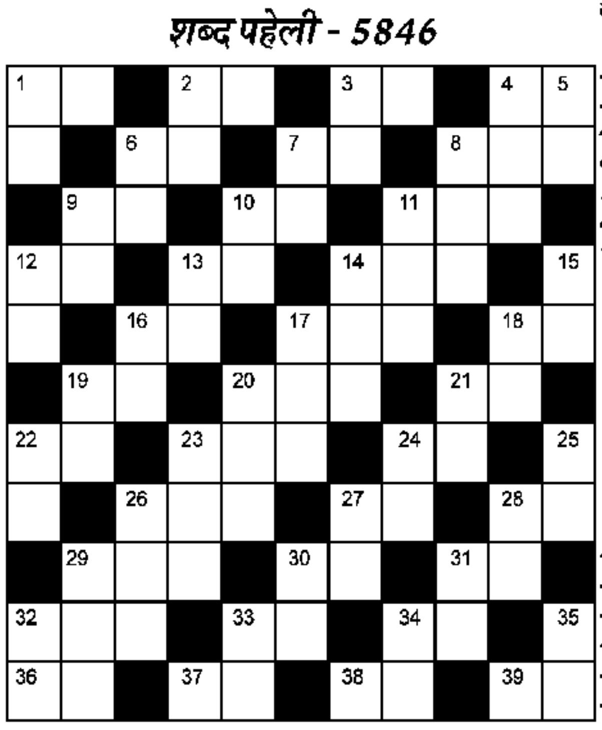

बाएँ से दाएँ
1. कार्य, काम-2
2. अग्नि, अनल-2
3. संग, संगत-2
4. मदिरा, शराब-2
6. चुटीली बात-2
7. उम्मीद-2
8. समाचार, सूचना-3
9. भगवान कृष्ण के खेल-2
10. छाया, परछाई-2
11. कहासुनी-3
12. जी, चित-2
13. निशा-2
14. पासों का खेल-3
16. करीना की फिल्म-2
17. आगे वाला-3
18. सीधा, सरल-2
19. वीर, बहादुर-2
20. दलदल, गाद-3
21. तांत, टेलीग्राम -2
22. वंश, खानदान-2
23. नशा, नशापानी-3
24. चिट्ठी, पत्र-2
26. सही का विलोम-3
27. ठिकाना-2
28. प्राण, दम-2
29. नरक (उर्दू-3)
30. बीता हुआ दिन-2
31. पोखर, तालाब-2
32. हताहत-3
33. दर, मूल्य-2
34. आयु-2
36. अंधकार-2
37. पांव, पैर-2
38. कान्हा-2
39. टैक्स, हाथ-2

ऊपर से नीचे
1. समय, वक्त-2
2. आगमन-2
3. पति की मां-2
4. भोर, सवेरा-3
5. झगड़ा-2
6. लॉक, द्वारयंत्र-2
7. धाय, नर्स, दाई-2
8. अवरोध, रुकावट-3
9. मगन, मग्न-2
10. सप्त, सप्तम-2
11. लक्ष्मी, रमा-3
12. मौज, मजा-2
13. महाराजा-2
14. घिसन, रगस-3
15. गमन, जाना-2
16. पुनः, वापस-2
17. स्थिर-3
18. निष्कर्ष-2
19. कांटा-2
20. मूल्य, दाम-3
21. पितामह-2
22. मजदूर-2
23. ईश्वर-3
24. भूल, गलती-2
25. मछली-2
26. नगमा-3
27. क्षण-2
28. पाश-2
29. दूसरा-3
30. थोड़ा-2
31. तांबा-2
32. हमला-2
33. कलंक-2
34. गरम-2
35. मयूर-2

शब्द पहेली -5845 का हल

सूडोकु नवताल 5856

★★★★★ कठिनतम

				5	1	4		
			7				2	
		8						3
	1							8
5				4				9
7							6	
4						7		
	2				6			
		3	9	8				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 5855 का हल

4	7	6	3	5	2	9	1	8
5	9	8	6	7	1	4	3	2
2	3	1	8	9	4	7	6	5
6	8	5	7	3	9	2	4	1
3	2	4	5	1	6	8	7	9
7	1	9	4	2	8	3	5	6
8	4	3	2	6	5	1	9	7
1	5	2	9	4	7	6	8	3
9	6	7	1	8	3	5	2	4

प्रथम पृष्ठ का शेष

रायपुर के कारोबारी...

करने के बाद उन्होंने 'एक्स' पर कहा भारी मन से, पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वालों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। भारत आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा। इस नृशंस आतंकी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।

मासूमों की गवाही ...

निंदनीय है, बल्कि सामाजिक व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती है। हालांकि अभियुक्त का पूर्व कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं होने और मामला 'विरलतम से विरल' की श्रेणी में न आने के कारण मृत्युदंड नहीं दिया गया। **बच्चों को मिलेगा मुआवजा**-न्यायालय ने मामले में गवाही देने वाले मासूम बच्चों की बहादुरी की सराहना की और दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 357 (ए) के अंतर्गत पीड़ित प्रतिकर योजना के तहत उन्हें आर्थिक मुआवजा देने के आदेश जारी किए हैं।

नक्सलियों पर सबसे ...

48 घंटे से तीन राज्यों की फोर्स तेलगांना के रास्ते जाकर करेंगुट्टा पहाड़ को घेरे हुए हैं। इनमें छग की डीआरजी, एसटीएफ, कोबरा व सीआरपीएफ के अलावा तेलगांना की ग्रेहाउड्स व महाराष्ट्र की सी 60 कमाण्डोज की भी मौजूदगी बताई जा रही है। सुरक्षाबलों द्वारा लगातार करेंगुट्टा की पहाड़ियों पर ड्रोन से नजर रखी जा रही है। गौरतलब है कि करेंगुट्टा पहाड़ तेलगांना के मुलुगु जिले के वेंकटपुरम से बीजापुर जिले के उसूर तक लगभग 150 किलोमीटर की दूरी में फैली हुई है तथा तेलंगाना की सीमा से महज 8 किमी दूर है करेगुट्टा पहाड़, जहां नक्सलियों की मौजूदगी की खूफिया इनपुट के बाद आपरेशन लांच किया गया है। नक्सलियों को घेरने के लिए मुलुगु जिले के वेंकटपुरम और वाजेडु इलाकों में सुरक्षा बल पहले ही तैनात कर दिए गए हैं। तेलंगाना और छत्तीसगढ़ दोनों राज्यों से लगभग 10 हजार सुरक्षा बलों को पहले ही करें गुट्टाला में तैनात किया जा चुका है। सूत्रों की माने तो नक्सलियों से मुठभेड़ योजना के अनुसार हुई तो यह देश की सबसे बड़ी मुठभेड़ होगी।

तप रही धरती,...

से सड़क पर डामर पिघल गया। वहीं इंदौर में गर्मी से बचने के लिए सड़कों पर टेंट लगाए गए हैं। उज्जैन महाकाल मंदिर में पैर जलने से बचाने के लिए मैट बिछाया गया है।

प. बंगाल में...

मूल्य की भूमि, वाणिज्यिक स्थल, फ्लैट और विला कुर्क करने के लिए नया आदेश जारी किया गया है। ईडी ने एक बयान में कहा कि ये संपत्तियां कथित 'मुख्य बिचौलिए' प्रसन्न कुमार रॉय और उनके सहयोगियों की कंपनियों और एलएलपी (सीमित देयता भागीदारी) के नाम पर हैं।

चौथी भोज से ...

ओड़गी विकासखंड के ग्राम बिलासपुर निवासी युवक से हुई थी। शादी के बाद मंगलवार को चौथी भोज का आयोजन किया गया था और इस भोज में शामिल होने के लिए भंडारपारा के महिला, पुरुष बच्चे समेत लगभग 25 ग्रामीण पिकअप में सवार होकर बिलासपुर गए हुए थे। चौथी कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सभी ग्रामीण पिकअप क्रमांक सीजी 29 एसी 6154 से वापस लटोरी लौट रहे थे। इस दौरान देर रात लगभग 10 बजे जब ग्रामीण ग्राम बिसाही पोड़ी के पास पहुंचे तो चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया और तेज रफ्तार पिकअप नटकी नाला के समीप मोड़पर अनियंत्रित होकर पत्थर से टकराने के बाद पलट गया। पिकअप टक्कर और पिकअप के पलटने के बाद बाराती वाहन से नीचे गिर गए और घटना स्थल ओर चीख पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचे भटगांव थाना प्रभारी सरफराज फिरदौसी और चेन्द्रा चौकी प्रभारी एलपी गुप्ता दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को उपचार के लिए एम्बुलेंस की मदद से भटगांव अस्पताल में भर्ती कराया।

अस्तपाल में तोड़ा...

साहेब राम आ. रवि राम, 60 वर्षीय रामेश्वर, 50 वर्षीय गोविन्द सहित अन्य को मेडिकल कॉलेज अस्पताल रिफर किया गया था। इस घटना के गंभीर रूप से घायलों का उपचार अस्पताल में जारी है जबकि शेष अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। मामले में भटगांव पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर शवों को पीएम उपरान्त परिजन के सुपुर्द किया गया है।

डीएपी और पोटाश...

पड़ेगी। धान के बीज में प्रति बोरी 100 से 150 तक भारी भरकम दर बढ़ाई गई है। राज्य बीज निगम द्वारा हर साल प्रमाणित बीजों का मूल्य निर्धारण करता है। वर्ष 2023 की तुलना करें तो बीज के दाम में बेतहाशा वृद्धि हुई है। दो साल में बढ़े दाम ने किसानों की कमर तोड़ कर रख दी है। जानकारी अनुसार धान मोटा बीज की कीमत पिछले साल 34 सौ रुपए क्विंटल थी, जो इस बार बढकर 3550 हो गई है, जबकि वर्ष 2023 में इसका दाम 2688 रुपए तक सीमित था। वहीं धान पतला बीज पिछले साल 39 सौ रुपए निर्धारित था, जो इस बार बढकर 4030 रुपए हो गया था। दो साल पहले यह 2882 रुपए तक था। सुगंधित धान की बात करे तो पिछले साल यह 4500 रुपए था, जो इस बार बढ़कर 4650 हो गया है।

दो साल से कम...

के दाम 8200 रुपए तक चले गए थे, लेकिन इस बार इसकी कीमत को कम कर 74 सौ रुपए कर दिया गया है। सोयाबीन के दाम में 12 सौ रुपए की गिरावट आई है।

कार्यालय नगर पंचायत पत्थलगाँव, जिला जशपुर (छ.ग.)

क्रमांक/46/लो.नि.वि./न.पं./2025-26 पत्थलगाँव, दिनांक 23/04/2025

Phone No. 07765-233823 Email ID: Cmonpp123@gmail.com

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

निकाय क्षेत्रान्तर्गत तालाबो में जल संरक्षण का कार्य, जुदेव चौक एवं पाईप लाईन विस्तार हेतु दिनांक 22/04/2025 एवं 23.04.2025 को ऑनलाईन (online) निविदा आमंत्रित किया गया है। जिनका विवरण निम्नानुसार है :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि (एफ.डी.आर.)	निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि	निविदा खोलने की तिथि
167317	22.26	22300.00	12.05.2025	14.05.2025
167337	40.98	41000.00	13.05.2025	15.05.2025
167338	22.53	22500.00	13.05.2025	15.05.2025
167365	31.13	23100.00	14.05.2025	20.05.2025

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते विस्तृत विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल htt :/eproc.cgstate.gov.in में देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। अमानत राशि (टी.डी.आर./ एफ.डी.आर. (डी.डी. वापसी योग्य नहीं) तथा दस्तावेज उपरोक्त तिथि को मुख्य नगरपालिका अधिकारी नगर पंचायत पत्थलगांव में पंजीकृत डाक से प्रेषित करें।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी,
नगर पंचायत पत्थलगांव, जिला -जशपुर (छ.ग.)

एलन दिल्ली के वैभव को एआईआर-26, टॉप-1000 में 16 स्टूडेंट्स

दिल्ली। देश की सबसे बड़ी इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा जेईई-मेन अप्रैल-2025 के परिणामों में एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट दिल्ली के स्टूडेंट्स ने श्रेष्ठता साबित की है। जोनल हेड व वाइस प्रेसीडेंट पंकज अग्रवाल ने बताया कि एलन दिल्ली के बेहतर परिणाम सामने आने लगे हैं। आल इंडिया रैंक 26 पर वन ईयर क्लासरूम स्टूडेंट वैभव वत्सल रहे। इसके साथ ही टॉप-500 में 6 स्टूडेंट शामिल हैं। टॉप-1000 में 16 स्टूडेंट्स ने जगह बनाई है। इसके साथ ही बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने 99 पर्सेंटाइल से अधिक स्कोर किया है तथा जेईई-एडवांस्ड के लिए क्वालीफाई किया है।

कार्यालय नगर पंचायत कोतबा, जिला जशपुर (छ.ग.)

क्रमांक/38/न.पं./2025-26 कोतबा, दिनाँक 23/04/2025

E-mail Id - cmonpkotba@gmail.com

निकाय क्षेत्रांतर्गत वार्ड क्रमांक 06 एवं 12 में स्थित तालाब (जल संरक्षण) कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है, जिसका विवरण निम्नानुसार है :-

// ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना //

क्र.	कार्य का नाम	सिस्टम टेंडर नम्बर	लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि (एफडीआर)	बिड सबमिशन फीस (डीडी)	बिड लगाने की अंतिम तिथि व समय	दस्तावेज प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि व समय
1	1. Rejuvenation of fittingparatalab ward no. 06 in kotba, district jashpur (19.26) 2. Rejuvenation of Asurbandhtalab ward no. 12 in kotba, district jashpur (39.11)	167303	58.37	45000/-	3000/-	12.05. 2025 17.30 PM	14.05. 2025 16.00 PM

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्ते, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी छत्तीसगढ़ शासन के ई-प्रोक्यूरमेंट पोर्टल https://eproc.csstate.gov.in देखा एवं डाउनलोड किया जा सकता है। अमानत राशि (टीडीआर/एफडीआर/डीडी वापसी योग्य नहीं) तथा दस्तावेज उपरोक्त तिथि को नगर पंचायत कोतबा में पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट से प्रेषित करें।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत कोतबा जिला-जशपुर (छ.ग.)

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं। अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

HMS साईटिका तेल
शिव सायटिका
सिरप, कैप्सुल व ऑयल उपलब्ध है
HMS देखकर खरीदें 94060-21769
लकवा, कमर दर्द, गर्दन दर्द, सायटिका, गठियावात, हड्डीदर्द, झुनझुनी वात, घुटनों का दर्द एवं सभी प्रकार के वात रोग, मोच, सूजन एवं मुठमार दर्द, एड़ी दर्द एवं सभी प्रकार के मांसपेशियों, नाड़ियों जैसे पोलियो अर्द्धांगवात, अस्थिभगन, अस्थि शूल, टूटी हुई हड्डी व कमजोर हड्डीयों को मजबूती प्रदान करता है, रक्त में संचार बढ़ा कर अस्थियों को क्रियाशील बनाता है
नकली माल से सावधान

epaper- www.haribhoomi.com

हरिभूमि Classified

Email- hbclassified375@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100, 9754263022

आवश्यकता है

आवश्यकता है- भारी संख्या में अतिशीघ्र सिक्योरिटी गार्ड, सुपरवाइजर की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार तत्काल सम्पर्क करें- ए1 जीत सिक्युरिटीज प्राइवेट लिमिटेड, मंगला चौक सीएलसी प्लाजा बिलासपुर 7247244800, 07752448013 **(37516)**

आवश्यकता है- Udyog Bazaar Ecommerce Industries को Sales Manager, Counselor, Telecaller, Development Officer, Social Media Manager, Video Editor, Content Writer की आवश्यकता है (अनुभव अनिवार्य, Age 25+) वेतन 13000-35000 सम्पर्क करें- A/216, Narayan Plaza, Bilaspur 8085045559, 9111881999 **(37524)**

आवश्यकता है- टूव्हीलर स्पेयर पार्टस दुकान में कार्य करने हेतु अनुभवी स्टाफ की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- के.सी. ऑटो जोन, दुकान नंबर C-15, नेताजी सुभाष काम्पलेक्स जरहाभाठा, बिलासपुर 95187 58725 **(37518)**

आवश्यकता है-ऑथर्स क्लीक प्रकाशन में टेली कॉलिंग हेतु लड़कियों की आवश्यकता है योग्यता ग्रेजुएट सम्पर्क करें-वासुदेव कॉम्प्लेक्स, फर्स्ट फ्लोर, विजयापुरम गेट के बगल में, सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर 8815446519, 74709 07361 **(37515)**

आवश्यकता है-खेती बाड़ी का सभी काम करने हेतु परिवार वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर काम कर सके। दोनों मिलाकर तनख्वाह 13000 रुपए सम्पर्क करें- 9754293974 **(37505)**

आवश्यकता है-प्रतिष्ठित होटल (बिलासपुर रेल्वे स्टेशन के पास) में कार्य हेतु निम्न पदों की आवश्यकता है रिसेप्शन-1, कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजर (मार्केटिंग)-1, ड्राइवर-1, गार्ड-1, लाउंड्री ब्वाय-1, पार्ट टाइम कस्टमर रिलेसनशीप मार्केटिंग-1 एवं थोक सब्जी मंडी मे बिजनेस डेवलपमेंट मैनेजर-1 की आवश्यकता है वेतन- योग्यतानुसार सम्पर्क- 9893599044 **(37493)**

आवश्यकता है-OMI कम्पनी में लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28वर्ष आय 8500 से 18000 +रहना खाना सम्पर्क करें- न्यू बस स्टैण्ड, बिलासपुर 88188 77406, 9644433021 **(37513)**

आवश्यकता है
आया बाई (हॉस्पिटल एवं घरेलु कार्य हेतु)
नर्सिंग स्टॉफ
काउंटर स्टाफ
अग्रवाल चिल्ड्रन हॉस्पिटल मगरपारा रोड, बिलासपुर
संपर्क करें:- सुबह 11 से 01 बजे तक
07752-226296, 402543

आवश्यकता है-कक्षा पहली से 12वीं तक सभी विषय एवं कक्षा 11वीं, 12वीं में फिजिक्स, कैमेस्ट्री पढ़ाने हेतु शिक्षक शिक्षिकाएं चाहिए बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- प्राचार्य गायत्री विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक शाला लालखदान मस्तूरी रोड बिलासपुर 96911 65674 **(37508)**

आवश्यकता है-प्रिंटिंग युनिट को चाहिए मैनेजर, (प्रिंटिंग का जानकार)- 1, एकाउंटेंट फीमेल-1, ग्राफिक डिजाइनर-2, सैलरी 10000 से 20000 बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- प्रिंट आइडिया, सुभाष कॉम्प्लेक्स, जरहाभाठा बिलासपुर 7999415807 **(37510)**

Requirment- Applications are invited from candidates to teach Mathematics for Middle School and Economics & Business Studies. Candidates should have postgraduation with B.Ed. and must be fluent in English. Eligible candidates may appear for an interview on **25th** April **2025** (Friday) from **9** a.m. to **11** a.m. in the Bharat Mata English Medium Higher Secondary School Bilaspur with all the credentials. Secretary Bharat Mata English Medium School Bilaspur **07752-247188 (37498)**

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 81030 72149 **(37523)**

आवश्यकता है-थोक मनिहारी दुकान में कार्य हेतु मेहनती लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। ग्रामीण एवं अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- माँ वैष्णो सुहाग भंडार मेन रोड तेलीपारा बिलासपुर 99818 46972 **(37499)**

आवश्यकता है-बुकिंग में इनोवा, क्रिस्टा कार चलाने हेतु 5वर्ष अनुभवी ड्रायवर चाहिए जो आटोमेटिक गाड़ी चलाना जानता हो फिक्स वेतन 16000 या 12000+ 100 भत्ता+ 100 नाईट, बाहरी के रहने की व्यवस्था सम्पर्क सक्षम टूर एण्ड ट्रेवल्स 97554 4037, 6264125145 **(37512)**

आवश्यकता है-आफिस में ड्राइवर एवं चपरासी चाहिए कार्य समय सुबह 9 से रात 9 बजे तक, योग्यता 10वीं/ 12वीं सम्पर्क करें- सीए दिनेश अग्रवाल मेन रोड, विद्या नगर, बिलासपुर 9981846752, 7440969033 **(37511)**

आवश्यकता है-होटल में काम करने के लिए इंडियन चाइनीज शेफ (कुक) (male, female) की आवश्यकता है आकर्षक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- जगमल चौक बिलासपुर 70000 78931 **(37514)**

आवश्यकता है-उसलापुर स्थित लॉण्ड्री में कपड़े आयरन करने के लिए युवक, युवतियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 7879021691 **(37507)**

आवश्यकता है-Farmers Pride Organic Stores में आवश्यकता है (M/F) घरेलु काम एवं साफ सफाई हेतु हेल्पर चाहिए सैलरी 6000 सम्पर्क करें- मेन रोड नेचर सिटी गेट सकरी रोड बिलासपुर 7225849081 **(37501)**

आवश्यकता है-ज्वेलरी शोरूम कार्य करने हेतु में ग्रेजुएट व्यक्ति की आवश्यकता है कार्य समय सुबह 10 बजे से रात 9.30 बजे तक वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें– सदर बाजार बिलासपुर 97705 07206 **(37506)**

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में फुल टाइम कार्य हेतु अनुभवी एकाउंटेंट की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मेलाराम हेमन्त कुमार मेडिकल कॉम्प्लेक्स, तेलीपारा बिलासपुर 7999934599 **(37522)**

आवश्यकता है-चिल्हर दवाई दुकान में कार्य करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- विनीता मेडिकल स्टोर्स सीपत चौक सरकंडा, बिलासपुर 7770838728, 9827974278 **(37497)**

आवश्यकता है- इलेक्ट्रीशियन एवं दुकान में काम करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नूतन इनवर्टर, प्रथम तल, निगम कॉम्प्लेक्स देवकीनंदन चौक, बिलासपुर 98266 77626, 9827188163 **(37415)**

आवश्यकता है-छड़, सीमेंट दुकान कार्य करने के लिए मेहनती लड़कों वेतन 12000 एवं ट्रैक्टर चलाने हेतु ड्राइवर वेतन 10000 की आवश्यकता है सम्पर्क करें- ममता ट्रेडर्स मोपका बिलासपुर 93003 07926, 9993443207 **(37256)**

आवश्यकता है- सफाई कर्मचारी नियुक्ति चंदखुरी रायपुर कुत्तों के अस्पताल में स्वीपर का झाड़ू लगाना बर्तन कपड़े धोने का काम है वेतन 10,000/- खाने रहने की सुविधा नशेड़ी संपर्क न करें 7225888800 **(6975)**

आवश्यकता है-सुरक्षा एजेंसी में कार्य करने वाले व्यक्ति संपर्क करें कार्य स्थल होंडा शोरूम, कार शोरूम अनुभवी को प्राथमिकता वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 9981630084, 94255 34940 **(061)**

आवश्यकता है-सुरक्षा गार्ड 50 उंचाई 5'-5" योग्यता 5वी से 12वीं वेतन 12000 से 19500 तक (ESIC, PF, Bonus और रहना फ्री) खाने की सुविधा दस्तावेज (आधार कार्ड, पेन कार्ड, 10वीं अंक सूची बैंक पास बुक 8 पासपोर्ट फोटो कार्या.- शाप नं-8 प्रथम तल, कमला सुपर बाजार, तेलघानी चौक, रायपुर (छ.ग.) 0771-4036689, 97703 04037, 8120957510 **(046)**

आवश्यकता है-बम्पर भर्ती OMMI मल्टीनेशनल कम्पनी को 140 से अधिक लड़के, लड़कियां की आवश्यकता है आय 10500 से 18500 प्रतिमाह आवास, खाना फ्री परमानेन्ट जॉब पता- दीपसागर कालोनी बिलासपुर 80034 02269, 9519393913 **(37283)**

आवश्यकता है-(1) कंस्ट्रक्शन ऑफिस में कार्य हेतु साइट सुपरवाइजर, साइट इंजीनियर (2) रियल एस्टेट टेलीकालिंग, सेल्स अनुभवी एक्जीक्यूटिव युवती की आवश्यकता है। अनुभवी को प्राथमिकता सैलरी योग्यता अनुसार। सम्पर्क- 97707 70000, 9827072000 **(37450)**

आवश्यकता है-सी.एस.डी. कैंटीन रायपुर के लिए मैनेजर- 22000, असिस्टेंट मैनेजर- 21000, अकाउंट क्लर्क/ ऑफिस क्लर्क- 16000 दुर्ग एवं बिलासपुर के लिए जे.सी.ओ. इंचार्ज- 21000, रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग एवं नया रायपुर के लिए स्टोर होल्डर- 18000, बिलिंग क्लर्क/ बिल चेकर/ एमटीएस- 15000, सफाई कर्मी- 10700, आवेदन Email ID- hqcosaurc1985@gmail.com पर दिनांक 25 अप्रैल 2025 तक करें। अधिक जानकारी के लिए https://www.hqcosaraipururc.in पर विजिट करें। संपर्क 96857 26593 **(048)**

आवश्यकता है- Fraud call से सावधान Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब) करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप + मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS करें - 8922962153 **(842)**

आवश्यकता है- मैट्रिमोनी ऑफिस कार्य करने हेतु लड़कियों, महिलाओं की आवश्यकता है सैलरी 10000+ कमीशन+ बोनस सम्पर्क करें- बाबजी कालोनी के पास महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 9993937575 **(37519)**

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु लड़कियों एवं महिलाओं की आवश्यकता है, उम्र 18 से 35 वर्ष, वेतन 5000/- +कमीशन +बोनस सम्पर्क करें:- नेहरू नगर साईं मंदिर के पास 78059 32585 **(064)**

आवश्यकता है- रायपुर व सभी तहसील व जिला स्तर पर आयुर्वेदिक दवाई सेल्स फील्ड ऑफिसर -20 पद (1-2 वर्ष अनुभवी) चाहिए स्वयं का वाहन अनिवार्य वेतन चर्चानुसार गीता आयुर्वेदिक अवंती विहार रायपुर मोः- 8878461810, 93993 70940 **(7310)**

आवश्यकता है- बिलासपुर, जांजगीर, रायगढ़ जिलों में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर गन मैन की आवश्यकता है। PF, ESIC, मेडिकल, आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी राजेन्द्र नगर बिलासपुर 91111 75190, 9098318675 **(37521)**

आवश्यकता है-ऑफिस में कार्य हेतु अविवाहित लडको की उम्र 18-32, 10th, 12th पास जो आगरा में रहकर काम कर सके वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस, रहना फ्री शीघ्र सम्पर्क करें- 63952 68809, 7252820491 **(319)**

आवश्यकता है-शीघ्र आवश्यकता जो बाहर रहकर कार्य कर सके अंबिकापुर में ऑफिस कार्य हेतु लड़के चाहिए वेतन 10000+ कमीशन+ बोनस के साथ 20000 रहना खाना फ्री+ गाड़ी किराया+ कोई शुल्क नहीं लगेगा सम्पर्क करें- 93033 74409, 8279232601 **(0325)**

आवश्यकता है-रायगढ़, रायपुर में गार्ड की नौकरी हेतु 5, 8, 10 पास हाईट 5'-6" इंच, 4 फोटो आधार कार्ड सहित मिले रहने खाने की सुविधा वेतन 14500 से 19000 सम्पर्क करें 81090 70600 **(7086)**

बेचना है

बेचना है- बिलासपुर में उसलापुर के पास सागर होम्स फेज-॥, कालोनी में दो साइड में रोड वाला कार्नर का डुप्लेक्स 4BHK एक अतिरिक्त किचन वाला मकान अतिशीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें 9993283308 **(37526)**

बेचना है-जूना बिलासपुर डबल स्टोरी 214 वर्गफुट मेन रोड दुकान एवं प्रताप टाकीज चौक के पास 9×6 साईज दुकान 25 लाख में बेचना है। सम्पर्क करें- राजेश श्यामनानी 9827168452 **(37500)**

बेचना है- बिलासपुर अशोक नगर बिरकोना रोड श्री राम पुरम कॉलोनी में 5-बीएचके डुप्लेक्स नया मकान बेचना है प्लॉट एरिया 1000 वर्गफीट पूर्व मुखी रेट 65-लाख रुपए मो. 9301107148, 6260944127 अमन श्रीवास सिद्धि विनायक ट्रेडर्स सरकंडा **(063)**

बेचना है-बिलासपुर सिरगिट्टी में गोविन्द नगर में 3225 वर्गफीट और व्यापार विहार में दुकान के लिए प्लॉट बेचना है सम्पर्क करें- 9630083740, 9770676030 **(37509)**

बेचना है-विद्या नगर जैन हॉस्टल के पास 15×75 का पुराना मकान, तखत- 2, आलमारी (लकड़ी) की बेचना है सम्पर्क करें- बिलासपुर 9826956859 **(37494)**

बेचना है-सकरी मेन रोड 100मी. अंदर 90×44, 50×40, 40×50 सकरी बायपास प्लॉट 50×40 30×40, 100×40 यदुनंदन नगर प्लाट 100×40, 40×40, 30×40 शुभम विहार मकान TNC, रेरा, 75लाख 3BHK सम्पर्क- 9329840400, 9039840400 **(37492)**

बेचना है-अज्ञेय नगर 30×50, अल्का एवेन्यू 45×85 शान्ती नगर 30×54, डबल स्टोरी मकान, अपोलो हास्पीटल 24×64 शुभम विहार 72×43, 24×43, 36×43 मरीमाई मेन रोड 132×82, परिजात कॉलोनी 76×76 सम्पर्क करें- 9425540759 **(37245)**

मकान बेचना है- प्लाट साइज 60x24=1440 कंशट्रक्शन एरिया 3550 किराया 30,000/- माह (तीन फ्लोर) वॉलफोर्ट के समीप रिंगरोड 01, भाटागांव रायपुर (नये बस स्टैण्ड के समीप) मूल्य 90 लाख मो. 9575086006 **(7313)**

Rent- Shop for Rent, Road facing, Imlipara Road 1st Floor, Bajrang Complex Bilaspur Contact: 96277 36796 **(47422)**

बेचना है- उसलापुर गोकुल धाम बिलासपुर में नवनिर्मित 2- बीएचके मकान 20x40, 800 वर्गफीट का मकान बेचना है। रेट 29 लाख संपर्क करें:- अमन श्रीवास 9301107148, 6260944127 **(062)**

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस।
08116592844
गुप्त रोगो का सफल ईलाज
गुप्त रोग, नामर्दी
लिंग में छोटापन।
शीघ्र पतन
पेशाब से धातू जाना।
लिंग में ढीलापन,
शुक्राणु की कमी।
शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें
स्टेशन रोड, सीमरन होटल के सामने रायपुर, छ.ग.
9826038170

बेचना है-ब्रिलियंट स्कूल के पास बहतराई बिलासपुर में सीसी रोड, नाली, बिजली, डायवर्सन, कॉलोनी में प्लॉट एवं मकान उपलब्ध हैं रेल्वे स्टेशन, अपोलो हॉस्पिटल, SECL मुख्यालय मात्र 5 मिनट की दूरी सम्पर्क- 83192 51951, 7828225044 **(054)**

किराया

किराया- फ्लैट किराये पर देना है ग्रीन गार्डन (नीलगिरी अपार्टमेंट) मुंगेली रोड में 3 बेडरूम, सर्वेंट क्वार्टर, नव पुनर्निर्मित सर्वसुविधायुक्त फ्लैट। बैंक अधिकारी को प्राथमिकता। सम्पर्क करें- 7023445244 **(37504)**

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- **जिला कार्यालय कोरबा:-** बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- **जिला कार्यालय मुंगेली:-** थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- **शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-** मो. 9993567380, 8770837744
- **एड प्रयास:-** मो. 9826701269, 9926003943
- **श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-** मो. 9827168452, 9300625174
- **रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-** मो. 9826129386, 8319503386
- **जे.जे. एडवरटाइजर्स:-** मो. 9300659628
- **भार्गव एडवरटाइजर्स:-** मो. 9827167997
- **श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-** मो. 9826705603
- **एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-** मो. 9827180896, 9131155033
- **रौनक पब्लिसिटी:-** मो. 9300328290, 9981658490
- **श्री श्याम पब्लिसिटी:-** मो. 9425540759
- **अमित पब्लिकेशन:-** मो. 9826304304, 9827124304
- **विप्रा विज्ञापन सेवा:-** मो. 9302462506
- **माधवास & कम्पनी:-** मो. 9977185123, 9893115084
- **बालाजी एडवरटाइजर्स:-** मो. 9827466133, 9907047586

23- APR- K&C- MAIN- Pg- 9 KHEL_Layout 1 4/24/2025 12:25 AM Page 1

पाकिस्तान से बंद हो खेल संबंध, सचिन-कोहली सहित खेल जगत ने जताया शोक

पहलगाम आतंकी हमला

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय खेल जगत ने भी पहलगाम आतंकी हमले पर शोक जताया है। वहीं, भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने पाकिस्तान के साथ खेल संबंध पूरी तरह समाप्त करने की मांग की है। मंगलवार को हुए इस हमले में 26 लोगों की मौत हुई है जिसमें दो विदेशी नागरिक भी शामिल हैं। भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली ने भी इस हमले पर दुख जताया और पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी है।

'प्रभावित परिवार एक अकल्पनीय परीक्षा से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया दुख की इस घड़ी में उनके साथ है। हम लोगों की मौत पर शोक मनाते हैं और न्याय के लिए प्रार्थना करते हैं।'

\- सचिन तेंदुलकर

'जम्मू-कश्मीर में हुए दुखद हमले से दिल दहल गया है। पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं।'

-नीरज चोपड़ा

'पहलगाम आतंकी हमले के पीड़ितों के लिए मेरा दिल दुखता है। इतना दर्द। इतना नुकसान। कोई भी किसी भी कारण से ऐसी क्रूरता को उचित नहीं ठहरा सकता। पीड़ित परिवारों का दुख शब्दों से परे है, लेकिन आप अकेले नहीं हैं। हम आपके साथ हैं।'

\- पीवी सिंधू

'पीड़ितों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवारों को शांति और शक्ति मिले और उन्हें क्रूर कृत्य के लिए न्याय मिले, इसके लिए प्रार्थना करता हूं।'

-विराट कोहली

'निंदा पर्याप्त नहीं है, न्याय अवश्य होना चाहिए। हमारे दिलों में पहलगाम के लिए दर्द है। आतंक की कभी जीत नहीं होनी चाहिए। पहलगाम हमले में प्रभावित सभी लोगों के लिए प्रार्थना।'

\- पीआर श्रीजेश

'धर्म के नाम पर निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना और उनकी हत्या करना पूरी तरह से बुराई है। यह कैसी लड़ाई है जहां इंसान की जान की कोई कीमत ही नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह पागलपन जल्द ही खत्म होगा और इन आतंकवादियों को दंडित किया जाएगा।'

\- मोहम्मद सिराज

'पहलगाम आतंकी हमला उन खतरों की दिल दहला देने वाली याद दिलाता है जिनका हम सामना कर रहे हैं। मेरी प्रार्थनाएं उन आत्माओं और उनके परिवारों के साथ हैं जिन्हें हमने खो दिया। डर फैलाने वाले जान लें कि भारत एकजुट है, और न्याय होगा। जय हिंद।'

\- साइना नेहवाल

खास खबर

राहुल निराशाजनक प्रदर्शन से आगे बढ़े

नई दिल्ली। दिग्गज बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को लगता है कि लोकेश राहुल लखनऊ सुपर जाइंट्स में पिछले सत्र के निराशाजनक प्रदर्शन से आगे बढ़ चुके हैं और मानसिकता में बदलाव से ना केवल उन्हें अपनी नई आईपीएल फ्रेंचाइजी में बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिली है बल्कि इससे वह भारतीय टीम के लिए भी मजबूत खिलाड़ी बनेंगे। राहुल ने मंगलवार को सत्र का तीसरा अर्धशतक जड़ा और लखनऊ में अपनी पूर्व फ्रेंचाइजी सुपर जाइंट्स के खिलाफ अपनी नई टीम दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से शानदार जीत दिलाई।

भविष्य की योजना भारत के लिए खेलना

लखनऊ। दिल्ली कैपिटल्स के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल देश के किसी भी अन्य क्रिकेटर की तरह भविष्य में भारत का प्रतिनिधित्व करने की इच्छा रखते हैं। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने 36 गेंदों में 51 रन बनाकर दिल्ली को मंगलवार को लखनऊ सुपर जायंट्स पर आठ विकेट से जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पोरेल ने कहा, 'मैं अपनी हर पारी का आनंद ले रहा हूं, हर पारी में बेहतर बनने की कोशिश कर रहा हूं। भविष्य की योजना भारत के लिए खेलना, लंबे समय तक देश के लिए खेलना है। लेकिन वर्तमान में मेरा पूरा ध्यान आईपीएल ट्रॉफी जीतने पर है।'

आईपीएल : बोल्ट के 4 शिकार के बाद रोहित ने खेली 70 रन की तूफानी पारी

मुंबई की लगातार चौथी जीत, टॉप-3 में बनाई जगह, हैदराबाद को हराया

एजेंसी ▶▶| हैदराबाद

रोहित शर्मा (70) के लगातार दूसरे अर्धशतक की मदद से मुंबई इंडियंस ने बुधवार को आईपीएल के मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को सात विकेट से हराया। मुंबई इंडियंस की यह लगातार चौथी जीत है जिसके बाद टीम अंक तालिका में छठे से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। सनराइजर्स हैदराबाद के आठ विकेट पर 143 रन के जवाब में मुंबई ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 146 रन बनाए। रोहित ने 70 रन की पारी खेली। सूर्यकुमार यादव ने नाबाद 40 रन बनाए। ट्रेंट बोल्ट ने 4 विकेट लिए।

रोहित ने तीसरे ओवर में पैट कमिंस की आफ कटर पर डीप स्कवेयर लेग के ऊपर से छक्का और फिर चौका लगाकर अपने इरादे जाहिर कर दिए थे। इंपैक्ट सब्स्टीट्यूट के रूप में खेल रहे रोहित ने हालात को बखूबी पढ़ा और उसके अनुसार खेला। उन्होंने जयदेव उनादकट को कवर के ऊपर दूसरा छक्का लगाया। इससे पहले हेनरिक क्लासेन के 44 गेंद में 71 और अभिनव मनोहर के 43 रन की मदद से सनराइजर्स हैदराबाद ने खराब शुरुआत से उबरते हुए आठ विकेट पर 143 रन बनाए।

9 साल बाद रोहित का कमाल

मुंबई इंडियंस के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा ने आईपीएल में अपनी फॉर्म हासिल कर ली है। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेलने के बाद हैदराबाद के भी खिलाफ हाफ सेंचुरी पूरी की। 9 साल बाद रोहित शर्मा ने आईपीएल में बैक-टू-बैक हाफ सेंचुरी जड़ी। साल 2016 में आखिरी बार रोहित शर्मा ने ऐसा कमाल किया था। रोहित शर्मा 46 गेंद पर 70 रन बनाकर आउट हुए।

300 विकेट टेकर भारतीय

विकेट	खिलाड़ी
373	युजवेंद्र चहल
319	पीयूष चावला
318	भुवनेश्वर
315	रवि अश्विन
300	जसप्रीत बुमराह
285	अमित मिश्रा

बुमराह ने किया 300वां शिकार

जसप्रीत बुमराह ने एक खास उपलब्धि हासिल की। तेज गेंदबाज ने टी20 क्रिकेट में अपने 300 विकेट पूरे किए। सनराइजर्स हैदराबाद के हेनरिक क्लासेन उनके टी-20 क्रिकेट करियर का 300वां शिकार बने। बुमराह आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए सर्वाधिक विकेट लेने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। साथ ही लसिथ मलिंगा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। बुमराह ने मुंबई इंडियंस के लिए कुल 170 विकेट ले लिए हैं। हरभजन सिंह ने एमआई के लिए 127 विकेट चटकाए हैं।

यूएस ओपन पिकलबॉल में खेलेंगे आंद्रे अगासी

नेपल्स। अपने जमाने के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी आंद्रे अगासी ने अपने आठ ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो यूएस ओपन में जीते और अब वह इसी नाम से एक अलग तरह की रैकेट स्पर्धा में खेलते हुए नजर आएंगे। अगासी ने फ्लशिंग मीडोज में अपना आखिरी मैच खेलने के बाद 2006 में पेशेवर टेनिस से संन्यास ले लिया था। वह अगले सप्ताह नेपल्स, फ्लोरिडा में यूएस ओपन पिकलबॉल चैंपियनशिप में मिश्रित प्रो डिवीजन में किशोरी अन्ना लेह वाटर्स के साथ जोड़ी बनाकर प्रतिस्पर्धा करेंगे। अगासी अगले सप्ताह 55 वर्ष के हो जाएंगे। उन्होंने 1994 और 1999 में टेनिस यूएस ओपन जीता था।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

जांच कार्यवाही की सूचना

ढेलवाडीह-सिंघाली-बगदेवा उपक्षेत्र के अन्तर्गत बगदेवा माइन में कार्यरत निम्नलिखित कर्मचारी को अनाधिकृत अनुपस्थिति के कारण आरोप पत्र जारी किया गया था। आरोप पत्र एवं विभागीय जॉच कार्यवाही की बैठक की सूचना नोटिस बोर्ड एवं सम्बंधित कर्मचारी के बी.फार्म में दर्ज पते पर भेजा गया किन्तु सम्बंधित कर्मचारी के विभागीय जॉच कार्यवाही में सम्मिलित न होने के कारण जॉच कार्यवाही पूर्ण नही हो पा रही है। नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के तहत मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अंतिम अवसर प्रदाय करते हुए निम्नलिखित कर्मचारी को अंतिम बैठक हेतु सूचित किया जाता है ताकि अपना बचाव संबंधी पक्ष प्रस्तुत कर सके। बैठक दिनांक एवं समय नाम के समक्ष दी गई है। अतः सम्बंधित कर्मचारी को अपने समस्त दस्तावेज, गवाहों, सहकर्मी (यदि कोई हो तो) को साथ ले कर उपस्थित होने का आदेश दिया जाता है उपस्थित न होने की स्थिति मे यह समझा जाएगा कि आरोपी कर्मचारी को अपने बचाव में कोई उपयुक्त स्पष्टीकरण नही है या जॉच कार्यवाही में भाग नही लेना चाहते है, तदनुसार प्रबंधन, आचार संहिता नियमावली के तहत एकपक्षीय निर्णय लेते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु स्वतंत्र होगा।

क्र.	नाम/पिता का नाम एवं पता	पदनाम	आरोप पत्र क्र. एवं दिनांक	अंतिम बैठक की तिथी, समय एवं स्थान
01	श्री माखन लाल आ. श्री साधराम पता-ग्राम-दुरपा, पो.आ. दुरपा, जिला-कोरबा (छ.ग.) पिन नं.- 495454	बीसीएम	1610 दिनांक 21.09.2024	दिनांक 25.04.2025 दोपहर 11.00 बजे, कार्यालय खान प्रबंधक बगदेवा

सहायक प्रबंधक (खनन)
जांच अधिकारी
बगदेवा भूमिगत खान, एसईसीएल, कोरबा क्षेत्र
SECL/25-26/18

HDFC BANK

एच.डी.एफ.सी. बैंक लिमिटेड
शाखा: अलास्का टॉवर, लोधीपारा रोड, शंकर नगर, रायपुर, फोन : 0771-4243149/240
CIN L65920MH1994PLC080618 Website: www.hdfcbank.com

मांग-सूचना

वित्तीय संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (अधिनियम) की धारा 13 (2) के तहत, सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पढ़ें।
जबकि अधोहस्ताक्षरी प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण के तहत एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती एचडीएफसी लिमिटेड का माननीय एनसीएलटी-मुंबई द्वारा दिनांक 17 मार्च 2023 के आदेश द्वारा अनुमोदित समामेलन की एक योजना के आधार पर एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ विलय हो गया है) (एचडीएफसी) का प्राधिकृत अधिकारी है। वित्तीय संपत्ति और सुरक्षा हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 और सुरक्षा हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत मांग नोटिस जारी किए गए। , यहां नीचे सूचीबद्ध उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों से संबंधित नोटिस/नोटिस की तारीख से 60 दिनों के भीतर संबंधित मांग नोटिस/नोटिस में उल्लिखित राशि का भुगतान करने का आह्वान किया गया है। नीचे दिए गए विवरण के अनुसार. अधोहस्ताक्षरी ने इन नोटिसों को उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों के अंतिम ज्ञात संबंधित पते के परिसर में चिपकाया है। उक्त नोटिस की प्रतियां अधोहस्ताक्षरी के पास उपलब्ध हैं, और उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि, यदि चाहें तो, किसी भी कार्य दिवस पर संबंधित प्रति अधोहस्ताक्षरी से प्राप्त कर सकते हैं। सामान्य कार्यालय समय.
उपरोक्त के संबंध में, एक बार फिर उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारियों/कानूनी प्रतिनिधियों को नोटिस दिया जाता है कि वे इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर एचडीएफसी को भुगतान करें। यहां नीचे दी गई राशियां उनके संबंधित नामों में अतिरिक्त ब्याज के साथ दी गई हैं। जैसा कि उक्त डिमांड नोटिस में बताया गया है, नीचे कॉलम (सी) में उल्लिखित संबंधित तारीखों से लेकर भुगतान और/या वसूली की तारीख तक, ऋण समझौते और उक्त उधारकर्ता द्वारा निष्पादित अन्य दस्तावेजों/लेखों, यदि कोई हो, के साथ पढ़ा जाए। . ऋण के उचित पुनर्भुगतान के लिए सुरक्षा के रूप में, निम्नलिखित सुरक्षित संपत्ति को क्रमशः उक्त उधारकर्ता द्वारा एचडीएफसी के पास गिरवी रखा गया है।
सुरक्षित संपत्ति को भुनाने के लिए उपलब्ध समय के संबंध में, उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि का ध्यान अधिनियम की धारा 13 की उप-धारा (8) के प्रावधानों की ओर आकर्षित किया जाता है।

क्रं.	ऋणी/जमानतदार का नाम एवं पता	बकाया राशि	मांग सूचना तिथि	बंधक संपत्ति का विवरण
(अ)	(ब)	(स)	(द)	(इ)
1.	**श्री तिवारी जीतेन्द्र श्यामधर,** फ्लैट-डी-715-अथवा-7015, फ्लोर-7, हर्षित लैंडमार्क ब्लॉक 4 (डी), स.क्र., ख. क्रमांक 563/1, 565, 567, 570571, 572, 581/21, 592, 593, 594, 595 596/3, 596/4;, प.ह.नं.103/34; ग्राम-हीरापुर, रायपुर-492001. **श्री तिवारी जितेंद्र श्यामधर,** मकान नंबर 01 ब्लॉक - 06, गोंदवारा रोड, मेला किराना स्टोर, पार्वती नगर रायपुर, रायपुर - 492001. **श्री तिवारी जीतेन्द्र श्यामधर,** मे. Njm ट्रांसपोर्ट कंपनी, रिंग रोड नंबर 2, रिलायंस पेट्रोल पंप के पास, गोंदवारा रोड, गोंदवारा, रायपुर - 492001. **श्रीमती तिवारी रंजना जीतेन्द्र,** मकान नंबर 01 ब्लॉक - 06, गोंदवारा रोड, मेला किराना स्टोर, पार्वती नगर रायपुर, रायपुर - 492001. **श्रीमती तिवारी रंजना जीतेन्द्र,** फ्लैट-डी-715-अथवा-7015, फ्लोर-7, हर्षित लैंडमार्क ब्लॉक 4 (डी), स.क्र., ख. क्रमांक 563/1, 565, 567, 570571, 572, 581/21, 592, 593, 594, 595 596/3, 596/4;, प.ह.नं.103/34; ग्राम-हीरापुर, रायपुर-492001.	₹22,25,944/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, फ्लैट-डी-715, मेंस 7015, फ्लोर-7, ब्लॉक-4/डी, सुपर बिल्ट अप एरिया-721 वर्ग फीट, कारपेट एरिया-41.85 वर्ग मीटर/450 वर्ग फीट, बिल्टअप एरिया-47.52 वर्ग मीटर/512 वर्ग फीट है। खसरा नंबर- 570, 571, 572, 593, 594, हर्षित लैंड मार्क, ब्लॉक-4 डी, वार्ड-01, वीर सावरकर नगर वार्ड, ग्राम- हीरापुर, तहसील और जिला- रायपुर के भाग में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर-सीढ़ियां, दक्षिण -फ्लैट नंबर 716 मेंस 7016, पूर्व-कॉरिडोर, पश्चिम -खुला आसमान।
2.	**श्री खान फैजान उद्दीन,** फ्लैट-जी-3/8, फ्लोर-3, लोटस टावर, प.ह.नं. 2 ब्लॉक-G, क्रमांक. 99/18(भाग)-33,316/1, 325/3 317/1-2-3(भाग), 325/20-23-92, 326/14-17-23(भाग)-24-25-36, ग्राम- मठपुरेना, रायपुर-492001. **श्री खान फैजान उद्दीन,** वार्ड नंबर 12, मस्जिद रोड, अंशू विला गर्ल्स हॉस्टल के पास, कोटा, रायपुर, बिंद्रावनगढ़, रायपुर, कोटा, रायपुर - 492001. **श्री खान फैजान उद्दीन,** सुश्री फैजान उद्दीन खान, पिता रियाज उद्दीन खान, वार्ड नंबर-12, मस्जिद रोड, कोटा, रायपुर - 492001.	₹16,79,633/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, फ्लैट-जी-3/8, फ्लोर-3 ब्लॉक-जी, क्षेत्रफल- सुबा- 820 वर्ग फीट/76.20 वर्ग मीटर, सुबा- 619 वर्ग फीट, कारपेट एरिया- 564 वर्ग फीट। ग्राम-मठपुरैना, लोटस टॉवर फेज-2, चंद्रशेखर आज़ाद वार्ड, वार्ड क्रमांक-52 तहसील और जिला -रायपुर में स्थित, जिसकी **चौहद्दी** :-उत्तर- खुली जगह, दक्षिण- फ्लैट क्रमांक जी 3/7, पूर्व - खुली जगह, पश्चिम - लॉबी, सीढ़ियाँ और सड़क।
3.	**श्री शर्मा सुशील,** फ्लैट-307 ब्लॉक 4, फ्लोर-2, ग्रीन अर्थ सिटी, प.ह.नं.-1-आर्किड 1 से 7, स.क्र. (217,218, 226-235, 242-250 ग्राम-अमलेश्वर में) एवं (1496,1503, 1504, 1516, 1517 ग्राम-सांकरा में) तहसील पाटन; जिला दुर्ग, दुर्ग-491001 का भाग। **श्री शर्मा सुशील,** क्वार्टर नं.115 स्टाफ कॉलोनी, ब्लॉक आरएमई महानदी कॉम्प्लेक्स, अरसमेटा सीमेंट प्लांट, पो.-गोपालनगर जांजगीर चांपा, चांपा - 495671. **श्री शर्मा सुशील,** लाफार्ज इंडिया लिमिटेड, अरसमेटा सीमेंट प्लांट, गोपाल नगर, चांपा - जांजगीर - 495663. **श्रीमती शर्मा मनीषा,** क्वार्टर नं.115 स्टाफ कॉलोनी, ब्लॉक आरएमई महानदी कॉम्प्लेक्स, अरसमेटा सीमेंट प्लांट, पो.-गोपालनगर जांजगीर चांपा, चांपा - 495671. **श्रीमती शर्मा मनीषा,** फ्लैट-307 ब्लॉक 4, फ्लोर-2, ग्रीन अर्थ सिटी, प.ह.नं.-1-आर्किड 1 से 7, स.क्र. (217,218, 226-235, 242-250 ग्राम-अमलेश्वर में) एवं (1496,1503, 1504, 1516, 1517 ग्राम-सांकरा में) तहसील पाटन; जिला दुर्ग, दुर्ग-491001 का भाग।	₹10,36,788/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, फ्लैट-307, फ्लोर-2, ऑर्किड ब्लॉक-4, क्षेत्रफल 54.29 वर्ग मीटर/584.22 वर्ग फीट है। ग्रीन अर्थ सिटी, ग्राम-सांकरा/अलमेश्वर, तहसील-पाटन और जिला-दुर्ग में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:- 306, दक्षिण-फूटपाथ, पूर्व - फूटपाथ, पश्चिम - 308.
4.	**श्री यादव प्रमोद कुमार,** यूनिट-डी-17, हर्षित नियो सिटी, स.क्रमांक, ख.नं. 208, 212, 213, 215 216, प.ह.नं. 5, ग्राम अमलेश्वर, तह-पाटन, पाटन-छ.ग.-491001. **श्री यादव प्रमोद कुमार,** 11वीं वाहिनी, छ.ग. बाल, डी कंपनी, केंद्रीय जेल, जगदलपुर -छत्तीसगढ़ - 494001. **श्री यादव प्रमोद कुमार,** छत्तीसगढ़ सरकार, जगदलपुर, 11वीं बीएनआईआर सीएएफ 11वीं बीएनआईआर सीएएफ, जगदलपुर - 492001. **श्रीमती यादव दिव्या,** 11वीं वाहिनी, छ.ग. बाल, डी कंपनी, केंद्रीय जेल, जगदलपुर -छत्तीसगढ़ - 494001. **श्रीमती यादव दिव्या,** यूनिट-डी-17, हर्षित नियो सिटी, क्रमांक, ख.नं. 208, 212, 213, 215 216, प.ह.नं. 5, ग्राम अमलेश्वर, तह-पाटन, पाटन-छ.ग.-491001.	₹ 6,92,917/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, प्लॉट क्रमांक डी-17, क्षेत्रफल -1000 वर्ग फीट है, खसरा क्रमांक-213/1, 'हर्षित नियो सिटी' प.ह.नं. -5, आरएनएम भिलाई-3, ग्राम-अमलेश्वर, तहसील-पाटन और जिला-दुर्ग के भाग में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:- उत्तर - प्लॉट क्रमांक डी-18, दक्षिण - प्लॉट क्रमांक डी-16, पूर्व - प्लॉट क्रमांक- सी 6 पश्चिम- सड़क।
5.	**श्रीमती सोनी सुनीता,** खसरा नं. 185/7, पुराना खसरा नं. 185/3(भाग), प.ह.नं. 23/27/40, प्लॉट नं. 317/4, मकान शीट नं. 02, मौजा तिफरा, डॉ. अंबेडकर नगर वार्ड नं. 5, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्रीमती सोनी सुनीता,** सूर्या विहार, सतनाम भवन के सामने, मुक्तिधाम रोड, यदुनंदन नगर तिफरा, बिलासपुर-छ.ग. - 495001. **श्रीमती सोनी सुनीता,** सरगुजा लॉजिस्टिक्स, ट्रांसपोर्ट टी नगर, रायपुर रोड, परसदा, बिलासपुर-छ.ग. - 495001. **श्री सोनी अमित कुमार,** सूर्य विहार, सतनाम भवन के सामने, मुक्ति धाम रोड, यदुनंदन नगर तिफरा, बिलासपुर-छ.ग.-495001. **श्री सोनी अमित कुमार,** खसरा नंबर 185/7, पुराना खसरा क्रमांक 185/3(भाग), प.ह.नं. 23/27/40, प्लॉट क्रमांक 317/4, मकान शीट क्रमांक 02, मौजा तिफरा, डॉ. अम्बेडकर नगर वार्ड क्रमांक 5, बिलासपुर-छ.ग.-495001.	₹18,56,611/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, प्लॉट संख्या 317/4, क्षेत्रफल -95.074 वर्ग मीटर है। खसरा संख्या 185/7, डॉ. अंबेडकर नगर वार्ड (साईं विहार कॉलोनी), वार्ड-5, प.ह.-23/27 शीट संख्या 2, रा.नि.मं.-बिलासपुर बिलासपुर तहसील और जिला-बिलासपुर में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर-शुभम गुप्त का मकान, दक्षिण-उत्तम सिंह का मकान, पूर्व - सड़क, पश्चिम-शोभा चाहिल का प्लॉट।
6.	**श्री चौरसिया विशाल गौरीशंकर,** यूनिट-एलआईजी-I-3, दीन दयाल कॉलोनी चिखली, क्रमांक. 9/1, चिखली, राजनांदगांव-492001. **श्री चौरसिया विशाल गौरीशंकर,** एचआईजी 11, दिनदयाल कॉलोनी, खैरागढ़ रोड, चिखली वार्ड नंबर 06, राजनांदगांव- 491441. **श्री चौरसिया विशाल गौरीशंकर,** स्पर्श ऑटोमोबाइल्स प्राइवेट लिमिटेड, मारुति सुजुकी शोरूम, एनएच रोड, मनकी, राजनांदगांव - राजनांदगांव - 491441. **श्रीमती चौरसिया भारती विशाल,** एचआईजी 11, दिनदयाल कॉलोनी, खैरागढ़ रोड, चिखली वार्ड नंबर 06, राजनांदगांव- 491441. **श्रीमती चौरसिया भारती विशाल,** यूनिट-एलआईजी-I-3, दीन दयाल कॉलोनी चिखली, स.क्र. 9/1, चिखली, राजनांदगांव-492001.	₹24,15,577/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, यूनिट- LIG-I-03, क्षेत्रफल 58.50 वर्गमीटर/ 629.46 वर्ग फीट है, खसरा नंबर 9/1, छ.ग. गृह निर्माण मंडल, दीन दयाल आवास योजना, चिखली, वार्ड-6, प.ह.-39, तहसील और जिला - राजनांदगांव में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:- उत्तर - LIG-I-22, दक्षिण- कॉलोनी रोड, पूर्व - LIG-I-02, पश्चिम में - LIG-I-04 से घिरा है।
7.	**श्री छत्रिया कमल कुमार,** खसरा नंबर 237/48, प.ह.नं. 108/37, मौजा गोंदवारा जिला रायपुर, मकान नंबर यतियतन लाल वार्ड नंबर 04, रा.नि.मं. रायपुर 1, रायपुर-492001. **श्री छत्रिया कमल कुमार,** शिवानंद नगर, सेक्टर-1, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, धर्म किराया भंडार के पास, रायपुर- 492001. **श्री छत्रिया कमल कुमार,** मेसर्स कमल मिल्क मार्ट, रिंग रोड नंबर 2, गोंदवारा रायपुर, रायपुर - 492001. **श्रीमती छत्रिया राशमी,** शिवानंद नगर, सेक्टर-1, डब्ल्यूआरएस कॉलोनी, धरम किराया भंडार के पास, रायपुर- 492001. **श्रीमती छत्रिया राशमी,** खसरा नंबर 237/48, प.ह.नं. 108/37, मौजा गोंदवारा जिला रायपुर, मकान नंबर यतियतन लाल वार्ड नंबर 04, रा.नि.मं. रायपुर 1, रायपुर-492001.	₹13,84,677/- as on 28-Feb.-25	08-Apr.-2025	सभी एवं आंशिक भाग की संपत्ति, क्षेत्रफल 523 वर्ग फीट, खाता नंबर -208 भाग -01, परिवर्तित खसरा नंबर- 237/48, प.ह.-108/37, वार्ड क्रमांक- 4, यतियतन लाल वार्ड, ग्राम-गोंदवारा, रानिमं- रायपुर-1, तह. एवं जिला- रायपुर में स्थित है, जिसकी **चौहद्दी**:-उत्तर-सड़क, दक्षिण-रिंग रोड नंबर-2, पूर्व-उपाध्याय जी की दुकान, पश्चिम-सड़क।

*अतिरिक्त ब्याज के साथ। भुगतान और/या वसूली की तारीख तक किए गए आकस्मिक खर्च, लागत, शुल्क जैसा लागू हो आदि।
यदि उक्त उधारकर्ता उपर्युक्त के अनुसार एचडीएफसी को भुगतान करने में विफल हो जाते हैं, तो एचडीएफसी उक्त अधिनियम की धारा 13 (4) और लागू नियमों के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई करेगा, जो पूरी तरह से जोखिम में है। उक्त उधारकर्ता(ओं)/कानूनी वारिस(ओं)/कानूनी प्रतिनिधियों(ओं) की लागत और परिणाम के बारे में।
उक्त उधारकर्ता/कानूनी उत्तराधिकारी/कानूनी प्रतिनिधि को उक्त अधिनियम के तहत उपरोक्त सुरक्षित संपत्ति/अचल संपत्ति को हस्तांतरित करने से प्रतिबंधित किया गया है, चाहे वह बिक्री, पट्टे या अन्यथा के माध्यम से हो। एचडीएफसी की पूर्व लिखित सहमति। कोई भी व्यक्ति जो अधिनियम या उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करता है या उल्लंघन के लिए उकसाता है, वह अधिनियम के तहत प्रावधान के अनुसार कारावास और/या दंड के लिए उत्तरदायी होगा।
स्थान : रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, जांजगीर-चांपा, जगदलपुर, राजनांदगांव
दिनांक : 24.04.2025
पंजीकृत पता- एचडीएफसी बैंक हाऊस, सेनापती बापट मार्ग, लोवर पर्ल (पश्चिम), मुंबई-400020
कृते / प्राधिकृत अधिकारी
एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

जांच कार्यवाही की सूचना

ढेलवाडीह-सिंघाली-बगदेवा उपक्षेत्र के अन्तर्गत बगदेवा माइन में कार्यरत निम्नलिखित कर्मचारी को अनाधिकृत अनुपस्थिति के कारण आरोप पत्र जारी किया गया था। आरोप पत्र एवं विभागीय जॉच कार्यवाही की बैठक की सूचना नोटिस बोर्ड एवं सम्बंधित कर्मचारी के बी.फार्म में दर्ज पते पर भेजा गया किन्तु सम्बंधित कर्मचारी के विभागीय जॉच कार्यवाही में सम्मिलित न होने के कारण जॉच कार्यवाही पूर्ण नही हो पा रही है। नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत के तहत मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए अंतिम अवसर प्रदाय करते हुए निम्नलिखित कर्मचारी को अंतिम बैठक हेतु सूचित किया जाता है ताकि अपना बचाव संबंधी पक्ष प्रस्तुत कर सके। बैठक दिनांक एवं समय नाम के समक्ष दी गई है। अतः सम्बंधित कर्मचारी को अपने समस्त दस्तावेज, गवाहों, सहकर्मी (यदि कोई हो तो) को साथ ले कर उपस्थित होने का आदेश दिया जाता है उपस्थित न होने की स्थिति मे यह समझा जाएगा कि आरोपी कर्मचारी को अपने बचाव में कोई उपयुक्त स्पष्टीकरण नही है या जॉच कार्यवाही में भाग नही लेना चाहते है, तदनुसार प्रबंधन, आचार संहिता नियमावली के तहत एकपक्षीय निर्णय लेते हुए अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु स्वतंत्र होगा।

क्र.	नाम/पिता का नाम एवं पता	पदनाम	आरोप पत्र क्र. एवं दिनांक	अंतिम बैठक की तिथी, समय एवं स्थान
01	श्री हरीश नेताम आ. स्व. नंदुराम गोड, पता-ग्राम-अर्जुनी, पो.आ. अर्जुनी, जिला-सक्ति (छ.ग.) पिन नं.- 495689	जन.मज (प्रशिक्षु)	1613 दिनांक 23.09.2024	दिनांक 25.04.2025 दोपहर 12.00 बजे, कार्यालय खान प्रबंधक बगदेवा

सहायक प्रबंधक (खनन)
जांच अधिकारी
बगदेवा भूमिगत खान, एसईसीएल, कोरबा क्षेत्र
SECL/25-26/17

श्रीलंकाई महिला वनडे टीम में कई बदलाव

कोलंबो। श्रीलंका ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला के लिए बुधवार को 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें कई बदलाव किए गए हैं। मार्च में न्यूजीलैंड से 0-2 से श्रृंखला हारने के बाद से श्रीलंका ने अपनी टीम में आठ बदलाव किए हैं। अनुभवी चमारी अटापट्टू टीम का नेतृत्व करना जारी रखेंगी, जबकि तेज गेंदबाज मल्की मदारा को पहली बार वनडे में टीम में शामिल किया गया है। विशमी गुणरत्ने, नीलाक्षी सिल्वा, हासिनी परेरा, पियमी वाथसाला, देवमी विहंगा, इनोका राणावीरा और हंसिमा करुणारत्ने ने भी टीम में वापसी की है।

साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड
"मिनी रत्न कम्पनी"
(कोल इण्डिया लिमिटेड का उपक्रम)

सीएच (आर.ओ.)/सक्षेप्र/2025/2959
दिनांक 24.03.2025

जांच कार्यवाही की सूचना

चरचा माईन (आर.ओ.) एसईसीएल बैकुण्ठपुर क्षेत्र के निम्न लिखित कर्मचारियों को उनक कार्य पर लम्बी अनुपस्थिति के संदर्भ में आरोप पत्र उनके स्थाई निवास के पते रजिस्टर्ड डाक द्वारा प्रेषित किये गये थे, जिनका विवरण नीचे दिया गया है, परन्तु संबंधित कर्मचारी अभी तक जांच कार्यवाही की विभिन्न तिथियों में उपस्थित नही हुए है। नीचे दर्शाये गये कर्मचारियों को प्राकृतिक न्याय के सिद्धान्त को दृष्टान्त में रखते हुए अंतिम अवसर के रूप में सूचित किया जाता है कि उनके नाम के आगे दर्शाये तिथि, स्थान एवं समय पर सभी रिकार्ड के साथ तथा यदि जॉच कार्यवाही में सहकर्मी रखन चाहते हैं, तो सहकर्मी के साथ जांच कार्यवाही में उपस्थित हो कृपया अवगत होंवे कि जांच कार्यवाही हेतु यह अंतिम अवसर है। जांच कार्यवाही हेतु अंतिम तिथि में अनुपस्थित रहने पर जांच कार्यवाही एक पक्षीय कर दी जायेगी।

क्र.	नाम/पिता का नाम	आरोप पत्र क्रमांक	अनुपस्थिति का विवरण	पूर्व में जारी किये गये जॉच कार्यवाही हेतु प्रेषित पत्र का विवरण				जॉच कार्यवाही का अंतिम तिथि, समय एवं स्थान
				प्रथम	द्वितीय	तृतीय	चतुर्थ	
01	श्री सूरज आ. स्व. प्रेमलाल जन.मज. केटे.-I एनईआईएस नं.- 24907072 चरचा वेस्ट ब्लॉक चरचा माईन (आर.ओ.) स्थाई पता-ग्राम,पोस्ट-भालूमाडा थाना-पसान, जिला-अनुपपुर (म.प्र.) पिन-484336	क्र. 4703 दिनांक 06.03. 2023	दिनांक 18. 12.2021 से लगातार अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित	सूचना 3817 दिनांक 08. 12.2023 रजि. क्र. आर सी 317921151 टीएन दिनांक 11.12.2023 जांच कार्यवाही की तिथि 27.12.2023 को शाम 04.30 बजे	सूचना 4120 दिनांक 06. 01.2024 रजि. क्र. आर सी 317923342 टीएन दिनांक 10.01.2024 जांच कार्यवाही की तिथि 20.01. 2024 को प्रातः 10.30 बजे	सूचना 4551 दिनांक 20. 02.2024 रजि. क्र. आर सी 268792325 टीएन दिनांक 22.02.2024 जांच कार्यवाही की तिथि 05.03.2024 को प्रातः 10.30 बजे	सूचना 2615 दिनांक 08. 02.2025 रजि. क्र. आर सी 391519887 टीएन दिनांक 11.02.2025 जांच कार्यवाही की तिथि 17.02.2025 को प्रातः 11.00 बजे	दिनांक 12.05.2025 दिन सोमवार को समय प्रातः 11.00 बजे कार्यालय व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र चरचा माईन (आर.ओ.)

प्रबंधक (खनन)/जांच अधिकारी
चरचा माईन (आर.ओ.), एसईसीएल, बैकुण्ठपुर क्षेत्र
SECL/25-26/16

रूद्राक्ष और पांच अन्य सेमीफाइनल में पहुंचे

अम्मान। रूद्राक्ष सिंह खाइदेम (46 किलो) समेत भारत के सभी छह मुक्केबाज बुधवार को एशियाई अंडर 15 और अंडर 17 मुक्केबाजी चैम्पियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच गए। रूद्राक्ष ने किर्गीस्तान के ऐदार मुसाएव को 3-0 से हराया। लड़कों के अंडर 15 वर्ग में हरसिल (37 किलो) और संचित जयानी (49 किलो) ने 5-0 से जीत दर्ज की। संस्कार विनोद अतराम (35 किलो) ने 4-1 से मुकाबला जीता। परीक्षित बलहारा (40 किलो) ने मंगोलिया के अखमितखान नूरसलियेम को 3-2 से मात दी। लड़कियों के अंडर 15 वर्ग में मिल्की मेनाम (43 किलो) ने कजाखस्तान की येलदाना अब्दीगनी को 5-0 से हराया।

खबर संक्षेप

धर्मांतरण के प्रयास में विदेशी सहित 2 अरेस्ट

कोटा। राजस्थान के कोटा जिले के मोतीपुरा गांव में अवैध धर्मांतरण गतिविधियों में लिप्त होने की बजरंग दल के सदस्यों की शिकायत पर एक अमेरिकी नागरिक सहित दो व्यक्तियों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। आरोपियों की पहचान जॉय मैथ्यू और उसके दामाद कॉलिन मिशेल के रूप में हुई है। मिशेल अमेरिकी नागरिक है, जबकि जॉय स्थानीय नागरिक है।

अपमानजनक टिप्पणी महिला को 7 दिन कैद

मुंबई। बम्बई उच्च न्यायालय ने नवी मुंबई में एक आवासीय सोसाइटी के कुत्तों को खाना खिलाने वालों के पक्ष में आदेश पर अदालत के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने पर महिला को आपराधिक अवमानना का दोषी ठहराया। अदालत ने विनीता श्रीनंदन को एक सप्ताह की साधारण कारावास की सजा सुनाई, इसके साथ ही 20,000 रुपए का जुर्माना भी लगाया।

वारी एनर्जीज का शुद्ध लाभ 648 करोड़ पार

नई दिल्ली। वारी एनर्जीज का शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष (2024-25) की जनवरी-मार्च तिमाही में आमदनी बढ़ने से दोगुना होकर 648.49 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही के लिए उसकी आमदनी 37.69 प्रतिशत बढ़कर 4,140.92 करोड़ रुपये रही। कंपनी ने कहा, कर पश्चात लाभ (पीएटी) 648.49 करोड़ रुपये रहा, जो वर्ष-दर-वर्ष 254.49 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि है। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 के लिए कंपनी का शुद्ध लाभ 107.08 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के साथ 1,932.15 करोड़ रुपये रहा।

खाद्य तेलों की मानकीकृत पैकेजिंग को बहाल करे सरकार : आईवीपीए

नई दिल्ली। भारतीय वनस्पति तेल उत्पादक संघ ने बुधवार को सरकार से आग्रह किया कि वह खाद्य तेलों के लिए मानकीकृत पैकेजिंग आवश्यकताओं को बहाल करे ताकि पारदर्शिता और उपभोक्ता विश्वास में सुधार किया जा सके।

आतंकी सैफुल्लाह पर सुरक्षा एजेंसियों ने किया 'जीरो इन' तो मिला निर्देश, लाओ जिंदा या मुर्दा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

हरिभूमि विशेष

पहलगाम आतंकी हमला एक सुनियोजित और क्रूर हमला था, जिसके पीछे सैफुल्लाह कसूरी और लश्कर-ए-तैयबा का हाथ माना जा रहा है। सैफुल्लाह की हाफिज सईद से नजदीकी और उसकी आतंकी गतिविधियों का लंबा इतिहास इस हमले की गंभीरता को दर्शाता है। भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को शुरूआती जांच में ही लश्कर आतंकियों के नेटवर्क का पता इस हमले को लेकर स्पष्ट रूप से मिला है। इस हमले की जिम्मेदारी लश्कर-ए-तैयबा के छद्म संगठन 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' ने ली है। मोदी सरकार ने सैफुल्लाह का 'डेथ वारंट' लिख दिया है। बडे ऑपरेशन की तैयारी है।

खुफिया सूत्रों और जांच एजेंसियों के अनुसार, इस हमले का मास्टरमाइंड लश्कर-ए-तैयबा का डिप्टी चीफ सैफुल्लाह कसूरी उर्फ सैफुल्लाह खालिद को साजिद जट्ट, अली, हबीबुल्लाह, नौमान के नामों से भी जाना जाता है। आतंकी लश्कर सरगना हाफिज सईद के बेहद करीबी सहयोगियों में शुमार हैं। लश्कर-ए-तैयबा का प्रमुख कमांडर और डिप्टी चीफ है। वह पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का रहने वाला है और उसकी उम्र 40-45 वर्ष के बीच बताई जाती है। सैफुल्लाह को हाफिज सईद का सबसे भरोसेमंद सहयोगी माना जाता है।

हाफिज सईद, जो 26/11 मुंबई हमले का मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक है, ने सैफुल्लाह की भर्ती और प्रशिक्षण में सीधे तौर पर भूमिका निभाई थी। सैफुल्लाह ने वर्ष 2000 के दशक की शुरुआत में लश्कर-ए-तैयबा जॉइन किया और पाकिस्तान के मुरीदके में आतंकी प्रशिक्षण लिया। वह जम्मू-कश्मीर के पुंछ-राजौरी इलाकों में लश्कर की आतंकी गतिविधियों का मुख्य हैंडलर रहा है। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर के कोटली और रावलकोट से संचालित होता है, जहां से भारत में आतंकियों की घुसपैठ कराई जाती है। सैफुल्लाह ने 'द रेजिस्टेंस फ्रंट' और 'पीपल्स एंटी-फासिस्ट फोर्स' जैसे छद्म संगठनों का निर्माण किया, ताकि लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद जैसे संगठन हमलों की प्रत्यक्ष जिम्मेदारी से बच सकें। यह पाकिस्तानी सेना और आईएसआई के समर्थन से संचालित होता है।

आतंकी सरगना हाफिज सईद का वर्तमान स्थिति

जेल में बंद

हाफिज सईद 2019 से पाकिस्तान में आतंकी फंडिंग के मामलों में जेल में है। उसे 2020 में 10 साल की सजा सुनाई गई थी। हालांकि, वह जेल से भी अपनी गतिविधियां संचालित करता है।

हमले में स्थिति

16 मार्च 2025 को पंजाब के झेलम में हाफिज सईद पर गोलीबारी हुई थी, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था और उसका करीबी अबु कताल मारा गया था। वह वर्तमान में रावलपिंडी के सैन्य अस्पताल में भर्ती है।

सुरक्षा बढ़ाई गई

अबु कताल की हत्या के बाद पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई ने हाफिज सईद और उसके बेटे तल्हा सईद की सुरक्षा बढ़ा दी है।

बारामूला में नियंत्रण रेखा पर बड़ी कार्रवाई

नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी मार गिराए

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में बुधवार को नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश नाकाम करते हुए दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया गया। सेना ने कहा कि उत्तरी कश्मीर जिले के उरी नाला में घुसपैठ की कोशिश नाकाम कर दी गई।चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 23 अप्रैल 2025 को बारामूला में उरी नाले के सरजीवन के रास्ते दो-तीन 'यूआई' आतंकवादियों ने घुसपैठ की कोशिश की। सेना ने कहा कि नियंत्रण रेखा पर तैनात सतर्क सैनिकों ने घुसपैठियों को चेतावनी दी और उन्हें रोका जिसके परिणामस्वरूप गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने बताया, उरी सेक्टर में जारी घुसपैठ रोधी अभियान में दो आतंकवादी मारे गए हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए आर्मी के चिनार कॉप्स ने बताया कि बुधवार को 2-3 यूआई आतंकवादियों ने उरी नाला, बारामूला के सामान्य क्षेत्र से घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे. तभी नियंत्रण रेखा पर सतर्क टीपीएस ने उन्हें रोक लिया इसके बाद आतंकियों ने सुरक्षाबल की टीम पर गोलीबारी शुरू कर दी।

राइफलें-आईईडी बरामद

सुरक्षाबलों ने जानकारी देते हुए बताया कि बारामूला जिले के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया है. टीम ने आतंकियों के पास से 2 एके सीरीज की राइफलें और एक आईईडी बम बरामद किया है।

पाक करेंसी, चॉकलेट

इन आतंकियों के पास से कारतूस, पाकिस्तानी करेंसी, चॉकलेट और सिगरेट के पैकेट भी मिले हैं। गोला-बारूद के जरिए आतंकी कश्मीर में बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे लेकिन उनको घुसपैठ के दौरान ही एनकाउंटर कर मार गिराया गया।

पहलगाम हमले के बाद अलर्ट

जम्मू कश्मीर में मंगलवार को हुए आतंकी हमले के बाद पूरे इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं और सुरक्षा एजेंसियों ने पहलगाम हमले के संदिग्धों के स्केच भी जारी कर दिए हैं. सोमवार की रात को गृह मंत्री अमित शाह श्रीनगर पहुंचे थे और सुरक्षा हालात का जायजा लेने के लिए एक उच्च स्तरीय मीटिंग की थी. इसके बाद उन्होंने मंगलवार को पहलगाम की बैसरन घाटी का भी दौरा किया, जहां आतंकियों ने 28 लोगों की हत्या कर दी थी।

कुलगाम के तंगमर्ग में मुठभेड़

कुलगाम के तंगमर्ग में बुधवार की शाम सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हो गई। अब गोलीबारी बंद हो गई है। तलाशी अभियान जारी है। अधिकारियों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने कुलगाम जिले के तंगमर्ग इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद घेराबंदी कर तलाशी अभियान चलाया। आतंकवादियों द्वारा सुरक्षाकर्मियों पर गोलीबारी की गई, जिसका जवानों ने मुंहतोड़ जवाब दिया।

बंगाल में 26,000 स्कूली नौकरियों का मामला

स्कूल शिक्षा विभाग का हाईकोर्ट की अवमानना की पोषणीयत पर सवाल

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल शिक्षा विभाग ने बुधवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के समक्ष एक अवमानना याचिका की पोषणीयता पर सवाल उठाया, जिसमें राज्य में करीब 26,000 स्कूली नौकरियों के संबंध में उसके आदेश का पालन नहीं करने का दावा किया गया था।

याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि शिक्षा विभाग ने शिक्षण और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की ओएमआर शीट वेबसाइट पर अपलोड नहीं की है, जिन्होंने उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अपनी नौकरी खो दी है, जिसमें कुछ संशोधनों के साथ उच्च न्यायालय के आदेश को बरकरार रखा गया था। शिक्षा विभाग के वकील ने न्यायमूर्ति देबांगसू बसाक और न्यायमूर्ति मोहम्मद शब्बार रशीदी की पीठ के समक्ष दलील दी कि चूंकि उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के कुछ निर्देशों को संशोधित किया है।

ओएमआर शीट को अपलोड नहीं किया गया

याचिकाकर्ताओं ने उच्च न्यायालय द्वारा मंगलवार को दिए निर्णय और इस वर्ष तीन अप्रैल और 17 अप्रैल को उच्चतम न्यायालय द्वारा 'संशोधित' निर्णय के उल्लंघन की शिकायत करते हुए उच्च न्यायालय के समक्ष अवमानना याचिका दायर की। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि तीन हार्ड डिस्क में उपलब्ध ओएमआर शीट को एसएससी की वेबसाइट पर 'तुरंत' अपलोड नहीं किया गया है और इसे जनता के देखने के लिए उपलब्ध कराया जाना चाहिए, जैसा कि इस पीठ ने आदेश दिया था।

टीडीपी और भाजपा एकसाथ ईरानी-अन्नामलाई रेस में

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

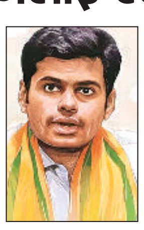

भाजपा तमिलनाडु के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के. अन्नामलाई या पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी में से किसी एक को राज्यसभा उपचुनाव में एनडीए उम्मीदवार के रूप में मैदान में उतार सकती है। यह सीट वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के नेता विजयसाई रेड्डी के इस्तीफे के बाद खाली हुई है। इस सीट के लिए उपचुनाव 9 मई को होगा।

इसी बीच, विजयसाई रेड्डी हाल ही में शराब घोटाले की जांच कर रही विशेष जांच दल के सामने पेश हुए। राज्यसभा उपचुनाव को लेकर एनडीए में हलचल तेज हो गई है। एनडीए की सहयोगी पार्टी तेलगु देशम पार्टी , भाजपा के उम्मीदवार को समर्थन दे सकती है। इसको लेकर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री और भाजपा के मुख्य रणनीतिकार अमित शाह से मुलाकात कर सकते हैं।

जल्द ही हॉर्न की आवाज बांसुरी और तबले जैसी होगी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में एक नया और दिलचस्प प्रस्ताव पेश किया है। उन्होंने कहा है कि वह ऐसा कानून लाने पर विचार कर रहे हैं, जिससे गाड़ियों के तेज और कर्कश हॉर्न की जगह भारतीय संगीत वाद्ययंत्रों की मधुर ध्वनि सुनाई दे। हाल ही में दिल्ली में हुए एक कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने बताया कि भविष्य में गाड़ियों के हॉर्न से बांसुरी, तबला, वायलिन और हारमोनियम जैसी सुकून देने वाली आवाजें सुनाई दे सकती हैं।

मंत्री ने कहा कि ऐसा कानून बनाने पर हो रहा विचार

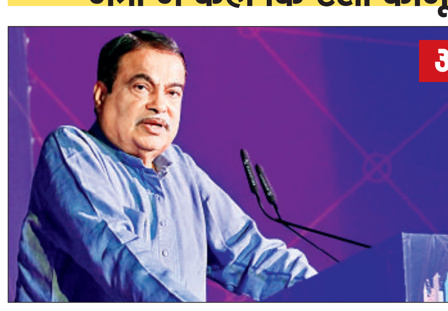

आवाज के प्रदूषण को कम करने की पहल

गडकरी ने इस पहल के पीछे की वजह भी समझाई। उनका कहना है कि सड़क किनारे होने वाला ध्वनि प्रदूषण कम करना बेहद जरूरी है ताकि लोगों को शहरी माहौल में राहत मिल सके। उन्होंने कहा कि जैसे हम हवा की गुणवत्ता सुधारने की कोशिश करते हैं, वैसे ही अब हमें ध्वनि प्रदूषण को भी गंभीरता से लेना चाहिए। उनका मानना है कि शांत और स्वस्थ माहौल शहरों को रहने लायक बनाएगा।

ट्रांसपोर्ट सेक्टर से 40 फीसदी वायु प्रदूषण

गडकरी ने यह भी बताया कि भारत में लगभग 40 प्रतिशत वायु प्रदूषण ट्रांसपोर्ट सेक्टर से आता है। इसी वजह से सरकार ग्रीन मोबिलिटी यानी पर्यावरण के अनुकूल यातायात साधनों को बढ़ावा दे रही है। इसमें बायो-फ्यूल जैसे एथेनॉल और मीथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों को बढ़ावा दिया जा रहा है। सरकार ट्रांसपोर्ट विकल्पों पर काम कर रही है।

भारत अब दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार

केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री गडकरी ने भारत के ऑटोमोबाइल सेक्टर की तेजी से बढ़ती ताकत पर भी रोशनी डाली। उन्होंने बताया कि 2014 में भारतीय ऑटो सेक्टर की वैल्यू करीब 14 लाख करोड़ रुपये थी, जो आज बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो गई है। इतना ही नहीं, भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटोमोबाइल बाजार बनने का गौरव भी हासिल कर लिया है, जो अब सिर्फ अमेरिका और चीन से पीछे है।

हरियाणा में 5 एकड़ में बनी 2 कॉलोनियां ध्वस्त

पलवल। जिला नगर योजनाकार विभाग की टीम ने फाजलपुर व खजूरका गांव में अवैध रूप से बनाई जा रही कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया है। विभाग ने 5 एकड़ में बनी दो अवैध कॉलोनियों के कमरे, चारदीवारी व सड़कें ध्वस्त कर दी। जिला नगर योजनाकार अनिल मलिक व भारी पुलिस बल तैनात रहा।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com